रांची, बुधवार
01.05.2024
वर्ष : 9, अंक : 150 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

राची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

website : www.bihanbharat.com | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

जैक ने इंटर के तीनों संकायों के परीक्षा परिणाम किए घोषित, लड़कियों ने मारी बाजी

40.78 प्रतिशत प्रथम और 55.71 प्रतिशत द्वितीय

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने मंगलवार को इंटरमीडिए के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए। कॉमर्स में 90.60 प्रतिशत, कला में 93.16 फीसदी, वोकेसनल में 83 और साइंस में 72.72 प्रतिशत छात्र सफल हुए हैं। पहली बार है जब जैक ने तीनों संकायों के परीक्षा परिणाम एक साथ जारी किए हैं।

शिक्षा विभाग के प्रभारी सचिव उमा शंकर सिंह, माध्यमिक शिक्षा के निदेशक उत्कर्ष गुप्ता और जैक अध्यक्ष अनिल महतो ने संयुक्त रूप इंटर बोर्ड का रिजल्ट जारी किए। शिक्षा विभाग के प्रभारी सचिव उमा शंकर सिंह ने बताया कि परीक्षा पैटर्न में बदलाव होने की वजह से रिजल्ट में गिरावट आयी है। साथ ही बताया कि फिजिक्स और केमेस्ट्री में रिजल्ट संतोषजनक नहीं रहा।

इस साल 03 लाख 44 हजार परीक्षार्थी 12वीं बोर्ड की परीक्षा में बैठे थे। इनमें साइंस के 94,433, कॉमर्स के 25,907 और आर्ट्स के 2,24,502 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। इनमें 72.70 फीसदी पास हुए हैं। छात्र जैक की ऑफिशियल वेबसाइट jacresults.com और jac.jharkhand.gov.in पर परिणाम देख सकते हैं।

आर्ट्स में 93.7 फीसदी छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। इसमें 83404 छात्र फर्स्ट डिवीजन हैं। आर्ट्स में कुल 02 लाख 24 हजार 502 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें 02 लाख 06 हजार 685 छात्र ही परीक्षा में पास हुए। कॉमर्स में 90.06 प्रतिशत (23235) छात्र पास हुए हैं। 61 प्रतिशत परीक्षार्थी फर्स्ट डिवीजन से पास हुए हैं। कॉमर्स में कुल 25907 स्टूडेंट ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इसमें 25644 परीक्षार्थी ही परीक्षा में शामिल हुए थे।

साइंस में 94433 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें 93,805 छात्र परीक्षा में शामिल हुए और 68,203 स्टूडेंट परीक्षा में उत्तीर्ण हुए, जिसमें 72.70 फीसदी छात्र फर्स्ट डिवीजन से उतीर्ण हुए हैं। वोकेशनल में 508 परीक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें केवल 493 छात्र ही परीक्षा में बैठे थे और 439 छात्र यानी 89.22 फीसदी स्टूडेंट पास हुए हैं। साइंस में 72.2 फीसदी लड़के और 72.67 फीसदी लड़कियां उत्तीर्ण हैं। कॉमर्स में 93 प्रतिशत लड़कियां सफल हुई हैं। आर्ट्स में भी लड़कियां आगे रहीं।

कॉमर्स में ये पांच जिले टॉप

लातेहार, कोडरमा, सिमडेगा, पाकुड़ और खूंटी

साइंस में ये जिले टॉप पांच में

कोडरमा, लातेहार, चतरा, जामताड़ा और हजारीबाग

आर्ट्स में टॉप पांच में ये जिले शामिल

सिमडेगा, खूंटी, कोडरमा, गुमला, हजारीबाग

जैक इंटर के टॉपर

साइंस : 1. स्नेहा, उर्सलाइन, रांची
2. रीतिका कुमारी, हजारीबाग
3.पंकज कुमार साहू, सिसई

आर्ट्स
1. जीनत परवीन, रांची
2. बहमनी खान, खूंटी
3. दीपाली कुमारी, रांची

कॉमर्स
1.प्रतिभा साहा, उर्सलाइन इंटर, रांची, 2. रिया कुमारी, उर्सलाइन इंटर कॉलेज, रांची, श्रृष्टि कुमारी, उर्सलाइन इंटर कॉलेज, रांची

जैक 12वीं बोर्ड की परीक्षा छह से 26 फरवरी तक दूसरी पाली में आयोजित की गयी थी जबकि 27 फरवरी से पांच मार्च तक प्रैक्टिकल एग्जाम हुआ था। बोर्ड परीक्षा को लेकर कुल 740 परीक्षा केंद्र बनाये गये थे।

जैक ने इससे पहले 19 अप्रैल को माध्यमिक बोर्ड परीक्षा (10वीं बोर्ड) का रिजल्ट जारी किया था। मैट्रिक की परीक्षा में 90.39 फीसदी बच्चों ने सफलता हासिल की थी। साल 2024 में 4,21,687 (1,91,262 छात्र और 2,00,549 छात्राएं) छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था लेकिन 418623 परीक्षार्थी ही परीक्षा में शामिल हुए थे। इनमें से 3,38,398 (90.39 फीसदी) छात्र परीक्षा में पास हुए थे। इसमें 2,05,110 परीक्षार्थी (54.20 फीसदी) फर्स्ट डिवीजन, 1,53,733 (40.65 फीसदी) सेकेंड डिवीजन और 19,555 (5.17 फीसदी) थर्ड डिवीजन से उत्तीर्ण हुए थे।

संक्षिप्त खबरें

भीषण गर्मी में लू लगने से दुमका में एक की मौत, दूसरा इलाजरत

दुमका। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी में लू लगने से एक मजदूर की मौत हो गई जबकि दूसरा मजदूर मूर्छित होकर सड़क पर गिरा पड़ा था। सूचना पर नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को उठाकर फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। मृत मजदूर की शिनाख्त जरुवाडीह निवासी शिव कुमार मंडल के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार दोनों मजदूर जिला नियंत्रण कक्ष के निकट गिरे पड़े थे। स्थानीय लोगों की जब नजर दोनों पर पड़ी तो नगर थाना की पुलिस को सूचित किया। नगर थाना की गश्ती दल की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को उठाकर पीजेएमसीएच में लेकर पहुंची लेकिन एक की मृत्यु हो चुकी थी।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हाई कोर्ट से एक दिन की मांगी प्रोविजनल बेल

रांची। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हाई कोर्ट से एक दिन की प्रोविजनल बेल मांगी है। उन्होंने कोर्ट से कहा है कि उन्हें अपने चाचा के श्राद्ध कर्म में शामिल होना है। सोरेन फिलहाल जमीन घोटाले के आरोप में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद हैं। हेमंत सोरेन की ओर से दाखिल याचिका में जल्द सुनवाई का आग्रह किया गया है। हाई कोर्ट इस मामले की सुनवाई तीन मई को करेगा। हेमंत सोरेन ने छह मई के लिए प्रोविजनल बेल मांग की है।

बोकारो में पटाखों के बारूद में विस्फोट से तीन बच्चे झुलसे, रिम्स रेफर

बोकारो। जिले के कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत फुटलाही गांव में मंगलवार को तीन बच्चे पटाखों से खेलने के दौरान बारूद में विस्फोट होने से गंभीर रूप से झुलस गए। आनन-फानन में तीनों को कसमार सीएचसी ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए रिम्स रांची रेफर कर दिया।

मजदूर दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बिहान भारत हिंदी दैनिक के पाठकों, विज्ञापनदाताओं, हॉकर बंधुओ को मजदूर दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रबंधक

अवकाश की सूचना

मजदूर दिवस के अवसर पर दिनांक 01 मई 2024 को बिहान भारत हिंदी दैनिक के कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अखबार का अगला अंक 03 मई 2024 को उपलब्ध होगा।

सम्पादक

अब भारत की सीमा पर आंख उठाकर देखने हिम्मत किसी में नहीं : पीएम मोदी

एजेंसी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लातुर में कहा कि भ्रष्टाचारियों और आतंकवादियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। कांग्रेस के राज में अखबारों में भ्रष्टाचार और आतंकवाद की खबरें रहा करती थीं, जबकि अब अखबारों में भ्रष्टाचारियों के पकड़े जाने की खबरें रहती हैं। उन्होंने कहा कि अब भारत में घर में घुसकर मारने की ताकत है, इसलिए भारत की सीमा पर आंख उठाकर देखने हिम्मत किसी में नहीं है।

पीएम मोदी लातुर में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार के समर्थन में आयोजित प्रचार सभा को संबोधित कर रहे थे। पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले के दिनों को याद करें। कई जगहों पर लिखा होता था कि अपरिचित वस्तुओं को न छूएं, क्योंकि हर जगह बम धमाके हो रहे थे लेकिन आज किसी की हिम्मत नहीं है कि भारत की सीमा पर आंख उठाकर देख सके। उन्होंने कहा कि आज भारत घर में घुसकर मारता है।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के दिनों में अखबारों में हर दिन नए भ्रष्टाचार की खबरें आती थीं। आज देश में कितने भ्रष्टाचारियों के घर पकड़े गए इसकी खबर मिल रही है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने इस देश को लूटा है, उन्हें इसे देश को वापस लौटाना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को टुकड़ों में देखने वाले लोग देश को लूटना चाह रहे हैं। कांग्रेस ने देश को लूटने की बड़ी योजना बनाई है। कांग्रेस आपकी संपत्ति हड़पने की कोशिश कर रही है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के परिवारों ने अपने बच्चों के लिए देश में बहुत कुछ लूटा है।

पीएम मोदी ने कहा कि पहले के दमनकारी नियम बदल रहे हैं। देश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। मोदी ने कहा है कि 2029 में राष्ट्रीय ओलंपिक भारत में आयोजित करना उनका सपना है। उन्होंने कहा है कि देश के संविधान को कोई नहीं बदल सकता लेकिन विपक्ष इसका अपप्रचार कर रहा है। मोदी ने कहा कि लोगों को कांग्रेस से सावधान रहना चाहिए। कांग्रेस ने एसटी, ओबीसी वंचित लोगों को आगे नहीं आने दिया। मोदी सरकार के दस वर्षों में करोड़ों नागरिकों का जीवन बदल गया है। लातूर कई वर्षों से पानी की कमी से जूझ रहा है लेकिन कांग्रेस ने कभी इसका समाधान नहीं किया।

कांग्रेस ने साठ साल तक किसानों को धोखा दिया: मोदी

माढा (महाराष्ट्र)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि कांग्रेस को देश ने 60 साल तक राज करने का मौका दिया। इन 60 वर्षों में दुनिया के अनेक देश पूरी तरह से बदल गए लेकिन कांग्रेस किसानों के खेत तक पानी नहीं पहुंचा पाई। 2014 में करीब 100 सिंचाई परियोजनाएं ऐसी थीं, जो कई दशकों से लटकी पड़ी थीं। इनमें से 26 परियोजनाएं महाराष्ट्र से थीं। सोचिए, कितना बड़ा धोखा कांग्रेस ने महाराष्ट्र को दिया है। मोदी ने भाजपा के धुआंधार चुनाव प्रचार के दौरान समूचे महाराष्ट्र की यह पीड़ा यहां पार्टी की विशाल जनसभा में मतदाताओं के सामने व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले जब रिमोट कंट्रोल वाली सरकार चलती थी, तब महाराष्ट्र के कद्दावर नेता कृषि मंत्री थे। जब यहां के कद्दावर नेता दिल्ली में राज करते थे, तब गन्ने का एफआरपी करीब 200 रुपये था और आज मोदी के सेवाकाल में गन्ने का एफआरपी करीब 350 रुपये है।

प्रधानमंत्री ने कहा, विकसित भारत बनाने में देश की नारी शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका है। मोदी गांव की अपनी बहनों को सशक्त करने में जुटा है। बीते 10 वर्षों में हमारे प्रयासों से एक करोड़ बहनें लखपति दीदी बनी हैं। अब मोदी ने गारंटी दी है कि मैं 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाऊंगा।

खरगे का पीएम मोदी पर हमला, कहा- सबका विकास नहीं, बल्कि सबका सत्यानाश किया

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वह गरीबों के कल्याण के लिए नहीं बल्कि उनके अधिकार छीनने के लिए मौजूदा लोकसभा चुनाव में चार सौ से अधिक सीट मांग रही है। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने सबका 'विकास' नहीं, बल्कि सबका 'सत्यानाश' किया है।

भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा, "उसने 'विकास' नहीं, बल्कि 'सत्यानाश' किया है और अगर ऐसा प्रधानमंत्री पांच साल और रहेगा तो देश बर्बाद हो जाएगा।" कांग्रेस नेता ने मंगलसूत्र वाले बयान को लेकर भी प्रधानमंत्री पर हमला बोला और कहा, "हमने 55 साल तक देश पर शासन किया लेकिन क्या हमने किसी का मंगलसूत्र छीना या लोगों को सलाखों के पीछे डालने के लिए ईडी, आयकर विभाग का दुरुपयोग किया?" प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह आकलन करके निराश हो गए हैं कि आम चुनाव के दो चरणों के बाद कांग्रेस/इंडिया गठबंधन को बहुमत मिलने वाला है, इसलिए वह हिंदू-मुसलमान और 'मंगलसूत्र' पर टिप्पणी का सहारा ले रहे हैं। यह रैली जांजगीर-चांपा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी शिवकुमार डहरिया के पक्ष में आयोजित की गई थी। खरगे ने कहा, "यह चुनाव भारत को एकजुट रखने तथा संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ा जा रहा है।" उन्होंने कहा, "मोदी जी और उनके चेले बार-बार कहते हैं, हमें चार सौ से अधिक सीट दीजिए। वे गरीबों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े लोगों के कल्याण के लिए नहीं बल्कि लोगों से उनके अधिकार छीनने के लिए चार सौ से अधिक सीट मांग रहे हैं।"

कोविशील्ड लगवाने वालों के लिए बुरी खबर! कंपनी ने कबूली साइड इफेक्ट की बात, हार्ट अटैक- ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

एजेंसी

नई दिल्ली: ब्रिटेन स्थित वैक्सीन बनाने वाली कंपनी फार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका ने कथित तौर पर पहली बार अदालत में स्वीकार किया है कि उसकी कोविड वैक्सीन से रक्त के थक्के जमने की दुर्लभ स्थिति पैदा हो सकती है। यह विकास टीके से होने वाले नुकसान का आरोप लगाते हुए परिवारों द्वारा दायर एक वर्ग कार्रवाई मुकदमे के संदर्भ में सामने आया है।

ब्रेन स्ट्रोक, कार्डियक अरेस्ट होने की आशंकाएं बढ़ी

यूके मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एस्ट्राजेनेका ने यूके लॉड में दिए गए अपने अदालती दस्तावेजों में पहली बार माना कि ळळ्ळर सिंड्रोम शरीर में खून के थक्के जमने की वजह बनती है। इसके चलते व्यक्ति में ब्रेन स्ट्रोक, कार्डियक अरेस्ट होने की आशंकाएं बढ़ जाती है

हालांकि, वैक्सीन से होने वाले साइड इफेक्ट्स को स्वीकार करने के बाद कंपनी इससे होने वाली बीमारियों या बुरे प्रभावों के दावों का विरोध किया। बता दें कि भारत के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण खबर है, क्योंकि यहां कोविड-19 के महामारी के दौरान बड़े पैमाने पर ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की इसी वैक्सीन को 'कोविशील्ड' के नाम से इस्तेमाल किया गया था।

इतना ही नहीं कोविशील्ड के अलावा इस वैक्सीन को कई देशों में वैक्सजेवरिया ब्रांड नाम से भी बेचा गया था। एस्ट्राजेनेका पर यह मुकदमा जेमी स्कॉट ने दायर किया है, जो इस टीके को लेने के बाद ब्रेन डैमेज के शिकार हुए थे। कई परिवारों ने भी कोर्ट में इस टीके के दुष्प्रभावों की शिकायत की थी।

यह स्वीकारोक्ति टीके के कारण मृत्यु सहित गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं के दावों से प्रेरित कानूनी कार्यवाही के बीच हुई है। कई दावेदारों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों का तर्क है कि कुछ मामलों में कुल 20 मिलियन पाउंड तक का मुआवजा भुगतान हो सकता है।

पहले इसे वैक्सीन-प्रेरित इम्यून थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के रूप में जाना जाता था, इस अत्यंत दुर्लभ जटिलता को वैक्सीन के संभावित दुष्प्रभाव के रूप में मान्यता दी गई है। यह पहला मामला है जहां कंपनी ने अदालत में स्वीकार किया है कि उसके टीके के परिणामस्वरूप यह स्थिति हो सकती है।

खून का थक्का जमने की बीमारी का कारण बना टीका

फरवरी में यूके की अदालत में जमा की गई एक कानूनी फाइलिंग में, कैम्ब्रिज-मुख्यालय वाली कंपनी ने स्वीकार किया कि उसका टीका ₹बहुत ही दुर्लभ मामलों में, टीटीएस का कारण बन सकता है,₹ जो थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम के साथ घनास्त्रता के लिए है। इस स्थिति में प्लेटलेट काउंट में कमी के साथ-साथ रक्त के थक्कों का विकास होता है, जो रक्त के थक्के जमने के लिए आवश्यक है।

यह इसके पिछले बयानों से एक महत्वपूर्ण विचलन का प्रतीक है, जो इसकी कानूनी स्थिति में एक उल्लेखनीय बदलाव का संकेत देता है। चल रही कानूनी कार्यवाही से यूके के करदाताओं पर मुआवजे के भुगतान की गाज गिरने की संभावना बढ़ गई है, क्योंकि एस्ट्राजेनेका ने पहले ही कोविड संकट के चरम के दौरान सरकार के साथ एक क्षतिपूर्ति समझौता हासिल कर लिया था। इस समझौते का उद्देश्य दवा कंपनी को कानूनी जिम्मेदारी से बचाते हुए वैक्सीन उत्पादन में तेजी लाना है।

हालिया विकास एस्ट्राजेनेका की वित्तीय सफलता के बाद आया है, जिसका राजस्व 2024 की पहली तिमाही में 10 बिलियन पाउंड से अधिक हो गया है। एस्ट्राजेनेका ने रोगी सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए अपने टीके की प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं से प्रभावित लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की है। कंपनी ने नियामक अधिकारियों द्वारा निर्धारित कठोर सुरक्षा मानकों पर जोर दिया और वैक्सीन की समग्र सुरक्षा प्रोफाइल की पुष्टि की।

पुलिस व नक्सली मुठभेड़ में तीन महिला सहित नौ नक्सली ढेर

एजेंसी

नारायणपुर : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में तीन महिला सहित नौ नक्सली मारे गए।

राज्य के उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस मुठभेड़ में नौ नक्सलियों के मारें जाने की पुष्टि की हैं। उन्होंने यह भी बताया हैं कि सोमवार यानी 29 अप्रैल को पुलिस को नक्सलियों के आमद का इनपुट था। गश्त में निकले जिला रिजर्व बल (डीआरजी) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के जवानों की नक्सलियों से मुठभेड़ हुई। मंगलवार सुबह तलाश अभियान के दौरान तीन महिला नक्सलियों समेत नौ नक्सलियों का शव बरामद किया गया हैं।

श्री शर्मा ने बताया कि उनके पास से एके 47 के साथ बड़ी मात्रा में विस्फोटक भी बरामद किया गया हैं। इसके अलावा राशन और दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी मौके से जब्त की गई हैं।

श्री शर्मा ने इस कामयाबी के लिए डीआरजी और एटीएफ समेत सभी को बधाई दी हैं। सुरक्षा बलों की तारीफ करते हुए कहा कि इस पूरे मुठभेड़ में उनके किसी भी जवान को खरोंच तक नहीं आई है।

इससे पहले बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया था कि नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके से जिला रिजर्व पुलिस बल तथा छत्तीसगढ़ आर्मस फोर्स के जवानों की संयुक्त पार्टी कल रवाना हुई थी। उन्होंने बताया कि आज सुबह नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्राम टेकामेटा एवं काकुर के मध्य जंगल में पुलिस पार्टी और माओवादी के बीच लगभग एक घंटे तक मुठभेड़ हुई।

इसबीच श्री शर्मा ने नक्सलियों के सामने शान्ति वार्ता का प्रस्ताव रखा कि नक्सलियों का छोटा या बड़ा कोई भी ग्रुप वीसी या फिर मध्यस्थ के माध्यम से बातचीत करना चाहता हैं तो उनका स्वागत हैं। राज्य सरकार के पास नक्सलियों के पुनर्वास की बेहतर व्यवस्था हैं। इसके तहत तमाम नक्सली आत्मसमर्पण कर जुड़ रहे हैं जो अभी भी नक्सल गतिविधियों में शामिल है वे हिंसा का रास्ता छोडकर समाज की मुख्यधारा से जुड जाएँ।

संक्षिप्त खबरें

संत अन्ना इंटर कॉलेज मांडर का रिजल्ट रहा शानदार

मांडर। संत अन्ना इंटर कॉलेज मांडर में आर्ट्स का रिजल्ट शानदार रहा। उषा खलखो 434 (86.8%) अंक के साथ कॉलेज टॉपर रही साथ ही अंकित उराव 430(86%) द्वितीय स्थान और खुशबु परवीन 423(84.8%) तृतीय स्थान पर रही। आर्ट्स में कुल 123 छात्रों ने परीक्षा दिए थे जिसमे से 97 छात्रों ने प्रथम श्रेणी 23 छात्रों ने द्वितीय श्रेणी से पास हूए । दो छात्र अनुपस्थित और एक छात्र फेल रहा। जबकि साइंस में नमन आर्या 409 (81.8%) कॉलेज टॉपर पलक कुमारी गुप्ता 397(79.4%) द्वितीय स्थान और नेहा परवीन 387(77.4%) लेकर तीसरे स्थान पर रही। कॉमर्स का भी रिजल्ट शानदार रहा पायल कुमारी गुप्ता 447(89.4%)प्रथम स्थान रानी कुमारी गुप्ता 426(85.2%)द्वितीय स्थान और अनीश कुमार 393(78.8%) तृतीय स्थान पर रहा। कॉमर्स में 95.65% रिजल्ट रहा, कुल 69 छात्रों ने परीक्षा दिया जिसमे 48 छात्र प्रथम श्रेणी 18 द्वितीय श्रेणी और 03 छात्र असफल रहें। संत अन्ना इंटर कॉलेज की प्राचार्या सिस्टर निर्मला ज्योति कच्छप ने छात्र- छात्राओं के उजवल भविष्य की कामना करते हूए कहा की आने वाले शैक्षणिक सत्र में और बेहतर रिजल्ट के लिए प्रयासरत है।

शहीद वीर बुधु भगत इंटर कॉलेज का रिजल्ट शानदार, कॉमर्स में शत प्रतिशत पास

चान्हो। शहीद वीर बुधु भगत इंटर कॉलेज का रिजल्ट शानदार रहा। कॉमर्स में शत प्रतिशत विद्यार्थियों ने पास किया वहीं आर्ट्स में 88.7प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। आर्ट्स में कुल 379विद्यार्थियों ने परीक्षा में शामिल हुए जिसमे 374 उतीर्ण हुए। कॉमर्स में 84 विद्यार्थियो ने परीक्षा दी थी, जिसमें सभी उत्तीर्ण हुए। आर्ट्स में अनु कुमारी तो कॉमर्स में निशा कुमारी कॉलेज टॉपर बने। कॉलेज की शानदार सफलता पर प्राचार्य सुशील कुमार मिंज और उप प्राचार्य मोहसिन खान ने विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य की शुभकामना दी। साथ ही कहा कि यहां के बच्चे अलग-अलग क्षेत्र में आप आज नाम रोशन कर रहे हैं। ज्ञात हो कि इसी कॉलेज में पढ़ने वाली एक लड़की नरगिस नाज ने कॉलेज के प्रथम बैच में ही पूरे झारखंड में आर्ट्स में द्वितीय स्थान प्राप्त की थी। तब से आज तक कॉलेज का रिजल्ट शत प्रतिशत के आसपास ही रहा है।

झारखंड बालिका विद्यालय का आर्ट्स का परिणाम रहा शत प्रतिशत

राहे। झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय राहे की छात्राओं ने इंटर आर्ट्स के परिणाम को शतप्रतिशत किया है। विद्यालय से 44 छात्राओं ने परीक्षा लिखी थी जिसमें 39 प्रथम श्रेणी और 5 द्वितीय श्रेणी में उतीर्ण हुई है। लखीमनी कुमारी 81.8 प्रतिशत, खुशबू कुमारी 79.20 प्रतिशत,और रेखा कुमारी 79 प्रतीशत अंक लाकर विद्याल टॉपर बनी है। विद्यालय की वार्डेन परमेश्वरी कुमारी और शिक्षिका बिमला कुमारी शिक्षक अंबिका कुमारी, रमाकांत अहीर, प्रीतम कुमार, सविता कुमारी, रीमा कुमारी, दीपा कुमारी और नवीन महतो ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है । प्लस टू हाई स्कूल राहे में सांइस 2 परीक्षार्थी शामिल हुए थे जिसमें एक प्रथम श्रेणी और एक द्वितीय श्रेणी में हुआ है। आर्ट्स संकाय में 70 परीक्षार्थी शामिल हुई थी। जिसमें 48 प्रथम श्रेणी 21 द्वितीय श्रेणी और 1 तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुआ है। आर्ट्स संकाय के नमिता कुमारी 79.8 प्रतिशत,सरिता कुमारी 79 प्रतिशत और राकेश सिंह मुंडा 78.8 प्रतिशत अंक लाये है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक तेज प्रताप आखोरी ने सभी को शुभकामनाएं दी है।

सोनाहातू में इंटर साइंस और आर्ट्स का परिणाम रहा शत प्रतिशत

सोनाहातू। प्रखंड के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का परिणाम शपथ प्रतिशत रहा साइंस में 27 छात्राएं शामिल हुई थी। सभी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है विद्यालय के तरुलता कुमारी 86.40 प्रतिशत, रिया कुमारी 83.2 प्रतिशत, अंजना कुमारी 82.6 प्रतिशत अंक लायी है। आर्ट्स संकाय में 47 छात्राएं शामिल हुई थी जिसमें 45 प्रथम श्रेणी और दो द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है। अमृता कुमारी 85 प्रतिशत जोगेश्वरी कुमारी, 82.20 प्रतिशत, प्रियंका कुमारी और ममता कुमारी 80.80 प्रतिशत अंक आयी है। विद्यालय की वार्डेन शशि बाड़ा और शिक्षिका सरोजिनी टोप्पो एवं फुलमनी बाड़ा, शिक्षक बनमाली कुमार, राजाराम लोहरा, नरेश महतो, जयराम महतो, ज्ञान रंजन महतो , प्रदीप गोराई , संजीव कुमार, कृष्ण चंद्र महतो ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है । प्लस टू उच्च विद्यालय लान्दुपडीह में साइंस में 13, कॉमर्स में 3 और आर्ट्स में 106 परीक्षार्थी शामिल हुई थी। विद्यालय का परिणाम शपथ प्रतिशत रहा है। सांइस संकाय से पूजा कुमारी 319, शिवानी कुमारी 309 तथा दीपिका कुमारी 302 अंक लायी है। कॉमर्स संकाय में राहुल कुमार 428, विवेक सेठ 403 तथा सूरज सेठ 351 अंक लाये है।

दिव्यांग जागृति महासंघ ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

रातू । आसन लोकसभा चुनाव में मतदाताओं के जागरूकता एवं वोट प्रतिशत में वृद्धि को लेकर रातू प्रखंड मुख्यालय से मंगलवार की सुबह झारखंड दिव्यांग जागृति महासंघ के दिव्यांग भाई-बहनों एवं जेएसएलपीएस की बहनों व कर्मियों के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया । मौके पर उपस्थित रातू अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि कुमार ने झंडा दिखा कर दोनों टिम को रैली के लिए रवाना किया । जागरूकता अभियान में उपस्थित लोगों एवं कर्मियों का हौशला बढ़ाते हुए अंचलाधिकारी रवि कुमार ने कहा कि मतदान से बड़ा कोई दान नहीं होता, इसलिए सभी मतदान करें फिर कोई काम करें । उन्होंने इस लोकसभा चुनाव में सभी से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की । मौके पर जेएसएलपीएस बीपीओ कुणाल कुमार समेत प्रखंड व अंचलकर्मी उपस्थित थे ।

अपने-अपने गांव पंचायत पर ध्यान केंद्रित करें कार्यकर्ता: सुप्रियो

बिभा संवाददाता

रांची : लोकसभा चुनाव हेतु इंडिया गठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक झामुमो के रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम एवं कांग्रेस के जिला अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो की संयुक्त अध्यक्षता में संगम गार्डन, मोराबादी, रांची में आयोजित हुई जिसमें रांची लोकसभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों के अध्यक्ष एवं प्रभारी उपस्थित थे।

बैठक में मुख्य रूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य,रांची लोकसभा की प्रत्याशी सुश्री यशस्विनी सहाय, विधायक राजेश कच्छप,गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद,महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार राजा, प्रदेश कांग्रेस के महासचिव अजय नाथ शाह देव आदि उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए झामुमो के केंद्रीय सचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने यह चुनाव हमारे लिए महत्वपूर्ण है।उन्होंने कार्यकताओं को निर्देश देते हुए कहा कि अपने-अपने गाँव पंचायत पर ध्यान केंद्रित करें । उन्होंने कहा की झामुमो के एक-एक कार्यकर्ता की पहचान उसके तीर धनुष से है।इसको बरकरार रखना है।

रांची लोकसभा की कांग्रेस प्रत्यासी सुश्री यशस्विनी सहाय ने कहा कि कार्यकर्ता गठबंधन की रीढ़ हैं।यह चुनाव विचारधारा की की लड़ाई है जिसे हमें मिलकर लड़ना है। यह चुनाव आप सबका है । सभी कार्यकत्ताओं में एक यशस्विनी बसती हैं ।

खिजरी विधायक राजेश कच्छप जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड की अस्मिता, देश का संविधान, आपसी समरसता और भाईचारा को कायम रखना है तो हमें इंडिया गठबंधन को मजबूती प्रदान करनी होगी।

रांची जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो ने कहा कि यह चुनाव आम चुनाव होकर भी देशवासियों के लिए बेहद खास है।सत्ताधारी भाजपा जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाते आई है। 10 वर्ष के लम्बे शाषण के बाद भी भाजपा और मोदी जी अपनी उपलब्धि के आधार पर चुनाव नहीं लड़ पा रहे हैं। इसलिए उन्हें धार्मिक उन्माद का सहारा लेना पड़ रहा है।हमें इस चुनाव में उन्हें मजबूती से जवाब देना होगा।इसीलिए गठबंधन के सहयोगी दलों के सभी स्तर के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के बीच समन्वय बनाना आवश्यक है।

इस बैठक में राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार राजा, अजय नाथ शाहदेव,सुरेश बैठा, झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष कुद्दुस अंसारी, बीरेंद्र गुप्ता,निशा भगत आदि ने भी अपने विचार रखे।

आज के इस बैठक में झामुमो के समनुर मंसुरी , बटर देओल, हेमलाल मेहता, पवन जेडिया,अश्वनी शर्मा, अमन तिवारी तथा कांग्रेस पार्टी के शमीम अख्तर, जगदीश चंद्र महतो, चंदन बैठा, शहाबीर लोहरा, साबीर अंसारी,एतवा उरांव, तुलसी खरवार,अर्चना मिश्र, अजगूत महतो, जगदीश महतो, शिवटहल नायक,विक्टोरिया देवी, राजकिशोर सिंह मुंडा सहित लोकसभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों के अध्यक्षगण एवं प्रभारी उपस्थित थे।

प्रत्येक वार्ड में नुक्कड़ चौपाल एवं प्रोफेशनल चौपाल आयोजित कर बैठक की जाएगी : आदित्य

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश प्रोफेशनल्स कांग्रेस वॉर रूम के तत्वावधान में मंगलवार को कांग्रेस भवन, रांची में अपराह्न 04 बजे से लोकसभा चुनाव के निमित कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के सभी प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित हेतु वॉर रूम सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई, जिसमें मुख्य रूप से ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस के वॉर रूम के बेहतर संचालन से संबंधित चर्चा कर सभी लोकसभा क्षेत्र के प्रोफेशनल्स कांग्रेस सदस्यों को जिम्मेवारी सौंपी गई की कांग्रेस के मैनिफेस्टो को लेकर धरातल पर उतरकर लोगो को इसके बारे में समझाए। इस अवसर पर प्रोफेशनल्स कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आदित्य विक्रम जयसवाल, पूर्व प्रदेश सचिव मीनाक्षी सिंह, पूर्व राँची लोकसभा अध्यक्ष भुवनेश ठाकुर, पूर्व प्रदेश कॉर्डिनेटर ऐलन एंड्रयू, सर्वर पॉल,डॉक्टर रीमा खलखो, आसिफ ज़ियाउल, कृष्णा सहाय, संजीव महतो,अनिल सिंह उपस्थित थे।

बैठक की अध्यक्षता ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस झारखंड के वॉर रूम कॉर्डिनेटर विद्याकर कुँवर ने की।

बैठक में प्रोफेशनल्स कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आदित्य विक्रम जयसवाल ने कहा कि प्रोफेशनल्स कांग्रेस के सदस्य सभी लोकसभा क्षेत्र में काफी सक्रिय हैं। एआईपीसी दिल्ली द्वारा सभी लोकसभा क्षेत्र के लिए लोकसभा वाररूम बनाया है, जो जिलाध्यक्ष, कांग्रेस प्रत्याशियों एवं पार्टी नेताओं के साथ समन्वय स्थापित कर कांग्रेस पार्टी के पांच न्याय और 25 गारंटी कार्ड को हर गली-मुहल्ला पंचायत एवं घर-घर में वितरण कर कांग्रेस उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने की दिशा में अपनी महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में प्रोफेशनल्स लोग ही इंडिया गठबंधन प्रत्याशियों को जीत दिलायेंगे क्योंकि प्रोफेशनल्स लोग हर वर्ग समुदाय के बीच जुड़कर अपना काम करते है।

आदित्य विक्रम ने यह भी कहा कि अब हर एक वार्ड में नुक्कड़ चौपाल एवं प्रोफेशनल चौपाल आयोजित कर बैठक की जाएगी।

ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस झारखंड वॉर रूम के प्रदेश कॉर्डिनेटर विद्याकर कुँवर ने कहा कि आज हमलोगों ने प्रोफेशनल्स कांग्रेस कार्यालय में वाररूम स्थापित किया है। यहां कांग्रेस के सात लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हर गतिविधियों पर नजर रखेंगे। प्रोफेशनल्स वाररूम कांग्रेस प्रत्याशी के वाररूम के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेंगे और संपर्क अभियान के तहत कांग्रेस गारंटी कार्ड को जन-जन तक पहुंचायेंगे।

बैठक में मुख्य रूप से नदीम,विवेक धान, रवि सिंह आदि लोग मौजूद थे।

गांव समाज की सुख शांति को लेकर सोस में 24 घंटे का अखंड कीर्तन

बिभा संवाददाता

चान्हो : प्रखंड के सोंस पंचायत अंतर्गत ग्राम सोस स्थित महाबीर मंदिर में आयोजित 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन मंगलवार को शुभारम्भ किया गया। आरती के पश्चात उपस्थित भक्तों एवं ग्रामीणों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष ने बताया कि सोस महिला कीर्तन मंडली प्रत्येक वर्ष सोंस पंचायत के ग्रामीण सहित प्रखंड राज्य एवं देशवासियों की सुख समृद्धि तथा कल्याण के लिए हरि कीर्तन का आयोजन किया जाता है। उसी परंपरा को निभाते हुए इस वर्ष भी मंदिर में अखंड संकीर्तन का आयोजन किया गया था। कीर्तन सोंस, ओपा , बेतलंगी सहित आसपास के कई गांव के सनातनी शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुकेशसाहु , सुनिल साहु, तारा देवी,अनिता देवी ,रमेश गोस्वामी व अन्य ग्रामीणों का योगदान रहा।

ट्रेन के प्रस्थान समय में परिवर्तन

रांची : लिंक रेक के विलंब से चलने की वजह से ट्रेन संख्या 18626 हटिया झ पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस यात्रा प्रारम्भ दिनांक 01.05.2024 के प्रस्थान समय में परिवर्तन किया गया है, यह ट्रेन अपने निर्धारित प्रस्थान समय 05:55 बजे के स्थान पर 10:55 बजे हटिया से प्रस्थान करेगी

भूपेंद्र सिंह 82.4 प्रतिशत अंकों के साथ बना विद्यालय टॉपर

तमाड़। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय सलगाडीह का वार्षिक इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय के छात्र भूपेंद्र सिंह 82.4 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में अव्वल रहा। वही विद्यालय में द्वितीय स्थान दीपक 80 प्रतिशत और तृतीय स्थान परबत मुर्मू 78.8 प्रतिशत प्राप्त किये। प्रधानाध्यापक अभिजीत शुक्ला, उप प्राचार्य आकाश कुमार ने विद्यालय प्रबंधन द्वारा उत्तीर्ण सभी छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाये दी गयी।

ज्योति कुमारी 409 अंक 81.8 प्रतिशत लाकर विद्यालय टॉपर बनी

तमाड़। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सलगाडीह में कला का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। विद्यालय से 61 छात्राओं ने इंटर कला के परीक्षा में शामिल हुयी थी। जिसमें 56 छात्राएं प्रथम श्रेणी, पांच छात्रा द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुयी। ज्योति कुमारी 409 अंक 81.8 प्रतिशत लाकर विद्यालय टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया। वहीं द्वितीय स्थान सुषमा कुमारी 397 अंक 79.4 प्रतिशत और तृतीय स्थान आरती कुमारी वही किरण कुमारी 396 अंक 79.2 प्रतिशत लाकर विद्यालय में संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त की है। विद्यालय की वार्डन रीता बड़ाइक, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं कर्मचारियों ने छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सभी को शुभकामनाएं दी है।

क्रियेटिव हार्ट स्कूल गुटुवा में विदाई समारोह किया आयोजन

बिभा संवाददाता

चान्हो। क्रियेटीव हार्ट स्कूल गुटूवा में मंगलवार को बिदाई समारोह सह स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जिपस सह आजसू केन्द्रीय सचिव आशुतोष तिवारी उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह हथियार है जिससे हम अपने हक को पहचानते हैं। क्षेत्र में शिक्षा का अलख जगाने में इस स्कूल का महत्वपूर्ण भूमिका है। मौके पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का अभी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अच्छे प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के बीच में जिला परिषद सदस्य द्वारा प्रमाण पत्र का वितरण किया गया साथ ही जो बच्चे मैट्रिक पास किया उनको विदाई दी गई और स्कूल के डायरेक्टर विनोद भगत ने उनके बेहतर भविष्य की कामना की।

जेएसएलपीएस की महिलाएं रैली निकाल कर मतदाताओं को किया जागरूक

बिभा संवाददाता

सोनाहातू/राहे। जेएसएलपीएस की दीदियों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की ओर से बुधवार को सोनाहातू प्रखंड परिसर में स्वीप के तहत मतददाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया। साथ ही प्रखंड परिसर से रैली भी निकाली गई। आमजनों के बीच लोकसभा चुनाव के निमित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के सफल संचालन के तहत लोगों को नैतिक मतदान और ईवीएम, वीवीपैट के संबंध में जानकारी देकर मतदान करने को कहा गया। सोनाहातू में बीडीओ खगेश कुमार, बसंत महतो, जेएसएलपीएस बीपीएम सुनील कुमार राणा, ललित कुमार महतो, हीरालाल महतो, धनन्जय यादव,अजय कुमार,लखिन्द्र सिंह आदि मौजूद थे। इधर राहे प्रखंड परिसर में प्रभारी बीडीओ मनोज महथा ने जागरूकता रैली का उद्घाटन किये। मौके पर जेएसएलपीएस बीपीएम शिव बहादुर, सरस्वती मानकी, सादिक अंसारी, संगीता कुमारी, शोभा मेहता शालू कुमारी आशुतोष दास,हनीफ अंसारी सहित समूह की दीदियां मौजूद थे।

सेल सुरक्षा संगठन ने सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए विश्व इस्पात दिवस मनाया गया

बिभा संवाददाता

रांची : सेल सुरक्षा संगठन (एसएसओ), रांची द्वारा 29 अप्रैल, 2024 को सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए विश्व इस्पात दिवस मनाया गया। वर्ल्ड स्टील एशोसिएशन के तत्वावधान में हर साल 28 अप्रैल को विश्व स्तर पर यह दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर सेल के संयंत्रों और इकाइयों के कर्मचारियों के लिए एक खतरा विश्लेषण प्रतियोगिता - HazAn.Comका आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों से कार्यस्थल पर खतरों को कम करने पर केस अध्ययन आमंत्रित किए गए थे। दो श्रेणियों में प्राप्त कुल 60 प्रविष्टियों में से, कर्मचारियों की टीमों से 27 प्रविष्टियों को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिन्होंने एम टी आई, रांची, सेल में निर्णायक मंडल के एक पैनल के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतियाँ दी।

शॉर्टलिस्ट की गई टीमों में से, इस्को स्टील प्लांट से श्री शैलेश कुमार एवं श्री मनीष कुमार की टीम श्रेणी-1 में समग्र विजेता के रूप में उभरी, जबकि श्री दीपक कुमार मोहंती, श्री प्रसांत कुमार नाइक एवं श्री अमूल्य कुमार बिसोई श्रेणी-2 में विजेता रहे । पुरस्कार समारोह में श्री आशीष चक्रबर्ती, ईडी (एसएसओ), श्री शशी वशिष्ठ, सीजीएम (सुरक्षा), एसएसओ, श्री तथागत घोष, सीजीएम (सीईटी), श्री पार्थ बैनर्जी, सीजीएम (आरडीसीआईएस) उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के निर्णायक श्री इंद्रनील बनर्जी, महाप्रबंधक (डिजिटलीकरण), एसडीटीडी; श्री टी एन पांडे, महाप्रबंधक (आरडीसीआई एस); श्री संजय अग्रवाल, महाप्रबंधक (सुरक्षा), एसएसओ एवं श्री राजीव वर्मा, महाप्रबंधक (सुरक्षा), एसएसओ थे। इस कार्यक्रम का समन्वय श्री अभिषेक कुमार, एजीएम (सुरक्षा), एसएसओ और श्री सोनल सिन्हा, प्रबंधक (सुरक्षा), एसएसओ द्वारा किया गया।

दंपती का आत्महत्या करने का सनसनी खेज मामला प्रकाश में

पत्नी की सुसाइट के 21 घंटे बाद पति ने किया आत्महत्या

बिभा संवाददाता

सिल्ली : राजधानी रांची से 65 किमी दुर मुरी ओपी थाना क्षेत्र के छोटा मुरी में पत्नी की सुसाइट के 21 घंटे बाद पति का फांसी लगाकर आत्महत्या करने का सनसनी खेज मामला प्रकाश में आया है। बताया जाता है छोटा मुरी निवासी मुकुल शर्मा की पत्नी ने गत सोमवार को दिन के करीब 11 बजे पंखे में फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या की थी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स रांची भेजा था। दूसरे दिन मंगलवार को सुबह करीब 6 बजे मुकुल शर्मा (30) ने भी फंखे में ही फांसी लगाकर आत्महत्या किया। पुलिस ने मृतक मुकुल शर्मा के शव को भी कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा है। दंपती का 6 बर्षीय पुत्र आर्यन का मां बाप का साया उठ जाने बाद आर्यन अनाथ हो गए। इस घटना के पीछे असली कारणों को लेकर लोग तरह तरह का कयास लगा रहे है। चर्चा यह भी है इस घटना के पीछे पति पत्नी में एक दूसरे पर शक एक बड़ा कारण हो सकता है आये दिन दोनों के बीच झगड़ा हुआ करती थी। लोग यह भी संदेशा जता रहे है कि पत्नी के मौत बाद ससुराल वाले मुकुल को मौत का जिम्मेवार ठहरा रहे थे। इस दबाव में आ के उसने यह कदम उठाया है। मालूम हो कि दंपती प्राइवेट नौकरी कर जीवन ज्ञापन करते थे।

संक्षिप्त खबरें

झारखण्ड सचिवालय सेवा संघ ने चलाया सम्पर्क अभियान

रांची : झारखण्ड सचिवालय सेवा संघ द्वारा संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद के नेतृत्व में नेपाल हाउस स्थित सचिवालय के विभिन्न विभागों में सम्पर्क अभियान चलाया गया। मौके पर अध्यक्ष ने संघ के सदस्यों के साथ चर्चा के दौरान बताया कि सरकार द्वारा सचिवालय सेवा के पद सृजन मामले में लंबे समय से सकारात्मक पहल नहीं की जा रही है। पद सृजन के विपरीत कार्मिक विभाग द्वारा पदों में कटौती का प्रस्ताव लाया गया है, जो निंदनीय है। संघ के मांगों के प्रति सरकार के अन्यायपूर्ण, संवेदनहीन व उदासीन रवैया संघ को भविष्य में आंदोलन के लिए बाध्य कर रही है। आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने के निमित्त अध्यक्ष ने सभी विभागों से विभागीय प्रतिनिधि मनोनीत करने का आग्रह किया, ताकि विभाग एवं संघ के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। उक्त सम्पर्क अभियान में संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद के साथ उपाध्यक्ष विनय कुमार बरनवाल, संयुक्त सचिव देबाशीष सिन्हा, संगठन सचिव प्रणव कुमार पांडा, कोषाध्यक्ष हेम नारायण सिंह आदि पदाधिकारीगण शामिल थे।

झारखंड एटीएस ने की कार्रवाई, दो अरेस्ट

रांची। राज्य में संगठित अपराध पर नकेल कसने को लेकर झारखंड एटीएस की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। झारखंड एटीएस की टीम को बड़ी सफलता कुख्यात अमन साहू गैंग के खिलाफ मिली है। गिरोह का हथियार स्टॉकिस्ट मनिंदर कुमार उर्फ मिलावट को एटीएस की टीम ने पकड़ा है। खबर है कि मनिंदर के अलावा राजा अंसारी को भी अरेस्ट किया है। उक्त जानकारी एटीएस एसपी ऋषव झा ने प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने कहा कि झारखंड एटीएस की टीम ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई की। दोनों को एटीएस की टीम ने रामगढ़ से पकड़ा है। इनके पास से हथियार और गोली जप्त किया है। एसपी ने कहा कि मनिंदर कुमार उर्फ मिलावट कुख्यात अमन साहू गिरोह का हथियार स्टॉकिस्ट है। गिरोह के अपराधियों को घटना को अंजाम देने के लिए पहले हथियार उपलब्ध करवाता है, फिर काम होने के बाद अपराधियों के पास से हथियार लेकर मालखाने में जमा करता है। पूछताछ में मिलावट ने कई जानकारी एटीएस को दी है ।एटीएस की टीम 2 से 3 दिन में बड़ी सफलता हासिल कर सकती है।

शक्ति सिंह कांड में संदीप थापा समेत 6 आरोपी साक्ष्य के अभाव में बरी

रांची। ठेकेदार शक्ति सिंह हत्याकांड मामले में कुख्यात अपराधी संदीप थापा समेत 6 आरोपी को बरी कर दिया गया है। यह फैसला साक्ष्य के अभाव में अपर न्यायायुक्त राजीव रंजन की कोर्ट ने मंगलवार को सुनाया है। बताते चलें कि शक्ति की हत्या 26 दिसंबर 2015 को गोली मारकर की गई थी। हरमू बिजली ऑफिस के पास इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने संदीप थापा पर हत्या की साजिश होटवार जेल में रचने का आरोप लगाया था। ठेकेदार शक्ति सिंह कुख्यात संदीप थापा के लिए काम करता था। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से संदीप थापा पर लगे आरोप को साबित नहीं कर सकी। जिसका लाभ आरोपियों को मिला। जिसके बाद अपराधी संदीप थापा समेत 6 आरोपी को बरी कर दिया गया है।

एसबीयू, रांची और विजियू, जयपुर के बीच एमओयू, शैक्षणिक आदान प्रदान और शोध परामर्श होगा

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची और विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर के बीच जयपुर में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर एसबीयू के कुलपति माननीय प्रो. गोपाल पाठक और विजियू के कुलसचिव डॉ. प्रवीण चौधरी ने हस्ताक्षर किया। एमओयू में दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शोध, परामर्श और शैक्षणिक आदान- प्रदान के बिंदु सम्मिलित हैं। इस अवसर पर विजियू, जयपुर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विजियू की ओर से संस्था के डीन और विभिन्न विभागाध्यक्ष शामिल हुए। एसबीयू की ओर से डीन डॉ. नीलिमा पाठक इस अवसर पर सम्मिलित हुई। इस एमओयू से दोनों विवि के छात्रों को वृहत शैक्षणिक परिवेश में अध्ययन करने का अवसर मिल सकेगा। साथ ही दोनों विवि के विभिन्न विशेषज्ञों के सान्निध्य में छात्रों को नवीनतम और शोधपरक जानकारियां भी उपलब्ध हो पाएंगी। विवि के प्रतिकुलाधिपति माननीय श्री बिजय कुमार दलान और माननीय डॉ. प्रदीप वर्मा ने दोनों विवि के बीच हुए इस एमओयू के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

श्री महावीर मण्डल राँची ने राजस्थान के मुख्यमंत्री का किया स्वागत

रांची : मारवाड़ी समाज राँची द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी का स्वागत चाँदी के हनुमान चालीसा देकर करते हुए श्री महावीर मंडल राँची के अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू, मंत्री दीपक ओझा, गोपाल सोनी, राजकिशोर प्रसाद, प्रमोद सारस्वत, मनीष बर्मन, मुन्ना शर्मा, प्रकाश चन्द्र सिन्हा सहित श्री महावीर मण्डल राँची के सभी पदाधिकारीगण उपस्थिति थे!

3 मई से बदल जायेगा उपायुक्त कोर्ट में सुनवाई का समय सारिणी

रांची । रांची डीसी कोर्ट में होने वाली सुनवाई के समय में कुछ दिनों के लिए बदलाव किया गया है। आगामी 3 मई से 15 मई तक डीसी कोर्ट में सुबह 10 बजे से ही सुनवाई होगी। खबर है कि लोकसभा चुनाव के नामांकन को लेकर यह बदलाव किया गया है। कोर्ट के समय में बदलाव की जानकारी रांची जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और महासचिव को दी गयी है। बताते चलें कि कि रांची डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा सुबह 11 बजे से लोकसभा चुनाव के कार्यों में व्यस्त हैं। जिसकी वजह से उपायुक्त कोर्ट में सुनवाई का समय बदल दिया गया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सिमडेगा के कम मतदान वाले मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रांची/सिमडेगा : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मंगलवार को सिमडेगा में पिछले चुनाव के दौरान कम वोटिंग प्रतिशत वाले विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर मतदान की तैयारियों का अवलोकन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री बालिका उत्कृष्ट विद्यालय, सिमडेगा के मतदान केंद्र संख्या 162 के बीएलओ एवं सुपरवाइजर द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने को लेकर उपायुक्त सिमडेगा को उनके विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इन बूथों पर पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशत कम रहा था। इस मतदान केंद्र के मतदाता सूची में कई वैसे मतदाताओं के नाम पाये गये, जो अब यहां रहते ही नहीं हैं। कई ऐसे सरकारी कर्मचारियों का नाम था, जिनका स्थानांतरण पूर्व में हो चुका है। ऐसे मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से न तो हटाने का कार्य हुआ और न ही अब्सेंट, शिफ्टेड या डेथ अर्थात एएसडी सूची में अंकित किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री बालिका उत्कृष्ट विद्यालय के अन्य मतदान केन्द्रों के साथ राजकीयकृत मध्य विद्यालय ठाकुर टोली एवं राजकीयकृत मध्य विद्यालय, सिमडेगा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ से उनके क्षेत्र में मतदाताओं एवं मतदान के लिए की जा रही तैयारियों के बारे में जाना। साथ ही शुद्ध पेयजलापूर्ति, शौचालय एवं अन्य न्यूनतम सुविधाओं का आकलन किया। उन्होंने शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कराने एवं शौचालय में रनिंग वाटर की तत्काल व्यवस्था कराने का निर्देश दिया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निरीक्षण के दौरान सिमडेगा के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक सौरभ, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार दोराइबुरू, अपर समाहर्ता ज्ञानेंद्र कुमार, मीडिया कोषांग के नोडल पदाधिकारी-सह-जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पल्टू महतो आदि उपस्थित थे।

ट्रैफिक नियम के उल्लघंन करने में 1142 लोगों का चालान कटा

रांची। राजधानी रांची में ट्रैफिक नियमों का पालन कराने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पिछले छह दिनों में कुल 1142 लोगों का नियम के उल्लंघन करने के मामले में चालान काटा गया है। ट्रैफिक एसपी ने मंगलवार को बताया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार बिना हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस , अनाधिकृत रूप से अपने चार पहिया वाहन के शीशे में ब्लैक फिल्म, अनाधिकृत रूप से सूचक पट्ट लगाकर घुमने वालों के खिलाफ अभियान चला रही है। नियम का उल्लघंन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई करते हुये चालान काटा जा रहा है।

भाजपा कार्यसमिति के सदस्य मृत्युंजय शर्मा सहित कई नेता हुए कांग्रेस में शामिल

बिभा संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमिटी की ओर से चलाये जा रहे आ अब लौट चले के तहत भाजपा कार्यसमिति के सदस्य मृत्युंजय शर्मा सहित कई नेताओं ने मंगलवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इनके अलावा जिला परिषद के पूर्व सदस्य संजय सिंह और भाजपा के मंडल महामंत्री सहित कई नेता कांग्रेस में शामिल हुए।

मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने माला और कांग्रेस का पट्टा पहनाकर सभी का स्वागत किया । उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के प्रति जिस प्रकार युवाओं का रूक्षान बढ़ा है यह उसी का परिणाम है कि युवाओं को कांग्रेस के पांच न्याय और 25 गारंटी पर भरोसा हो रहा है और देश के प्रधानमंत्री के झूठ और प्रपंच से लोग अब उब चुके है और कांग्रेस की और अपना रूख कर रहे है हम तमाम लोगों का हम कांग्रेस परिवार में स्वागत और हार्दिक अभिनंदन करते हैं। इस अवसर पर डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू ने कहा कि झारखंड में आईएनडीआईए गठबंधन काफी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रही है। ऐसे समय में पुराने साथियों के कांग्रेस में शामिल होने से पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी और राज्य के 14 लोकसभा सीटों पर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित होगी।

रांची संसदीय क्षेत्र से दो दिनों में 20 उम्मीदवारों ने खरीदे नामांकन पत्र

बिभा संवाददाता

रांची। रांची संसदीय क्षेत्र के लिए अधिसूचना जारी होने के बाद अब तक कुल 20 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र (नाम-निर्देशन पत्र) खरीदे हैं। अधिसूचना जारी होने के दूसरे दिन मंगलवार को 12 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र खरीदे।

इनमें निर्दलीय से कामेश्वर प्रसाद साव, निर्दलीय से अरशद अयूब, राष्ट्रीय जनसंघर्ष स्वराज पार्टी से निपु सिंह, संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी से प्रवीण कच्छप, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से यशस्विनी सहाय, निर्दलीय से प्रवीण चन्द्र महतो, जय महाभारत पार्टी से सोमा सिंह, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) से रंजना गिरि, अबुआ झारखण्ड पार्टी से बीरेन्द्र नाथ मांझी, निर्दलीय से देवेन्द्र नाथ महतो, निर्दलीय से कोलेश्वर महतो और बहुजन मुक्ति पार्टी से विनोद उरांव ने नामांकन पत्र खरीदे। पहले दिन सोमवार को आठ उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र खरीदे थे।

एक उम्मीदवार ने दाखिल किया नामांकन पत्र

अम्बेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया के उम्मीदवार रामहरि गोप ने समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित निवार्ची पदाधिकारी के कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल किया। अब तक रांची संसदीय क्षेत्र से दो उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। इससे पहले एसयूसीआई के उम्मीदवार मिंटू पासवान ने नामांकन किया था।

मुख्यमंत्री स्पष्ट करें, जमीन दलालों का उनकी पार्टी एवं सरकार के बीच का रिश्ता क्या कहलाता है?- प्रतुल शाह देव

बिभा संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने आज मारू टावर स्थित मीडिया सेंटर में झारखंड मुक्ति मोर्चा पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा का हाथ जमीन दलालों के साथ है। प्रतुल ने कहा कि पीएमएलए कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों ने स्पष्ट कर दिया है कि झामुमो नेता अंतू तिर्की ,सद्दाम हुसैन, अफसर अली समेत तमाम लोगों ने यह स्वीकार लिया है कि हेमंत सोरेन की 8.86 एकड़ जमीन के फर्जी कागजात को उन्हीं लोगों ने तैयार किया था। प्रतुल ने कहा की इन अभियुक्तों ने यह भी स्वीकार किया है कि वे ट्रांसफर पोस्टिंग और जमीन के फजीर्वाड़ा का बहुत बड़ा रैकेट चलाते हैं ।प्रतुल ने कहा जमीन लुट घोटाला अरबों रुपए का हो सकता है ।झारखंड की ऐसी स्थिति हो गई है कि देखकर लगता है हर शाख पर भ्रष्टाचार बैठा है,अंजामें झारखंड क्या होगा?

प्रतुल ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव सुप्रिया भट्टाचार्य और अंतू तिर्की के बीच का व्हाट्सएप चैट से बहुत चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इस चैट से स्पष्ट है कि अंतू तिर्की जो जमीन की गोरख धंधे में लिप्त था,वह सुप्रियो भट्टाचार्य से डीसीएलआर, खूँटी के पद पर कार्यरत प्रवीण मुंडा की पोस्टिंग रांची में जिला लैंड एक्विजिशन अफसर के रूप में करने की पैरवी कर रहा था ।दलालों को यह भी पता था की फाइल सीएम हाउस तक पहुंच गई ।प्रतुल ने कहा कि सीएम हाउस के भीतर की बातें कैसे लीक हो गई और सुप्रियो भट्टाचार्य ने अंतू तिर्की के द्वारा इस बात को बताने पर एफआईआर क्यों नहीं किया? क्या यह ऑफिसियल सीक्रेट एक्ट एवम गोपनीयता का उल्लंघन नहीं है ?प्रतुल ने कहा कि दस्तावेजों से स्पष्ट है कि कमीशन लेकर अंतू तिर्की अफसरों की ट्रांसफर पोस्टिंग कराता था। प्रतुल ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा को महिला मोर्चा, युवा मोर्चा के तर्ज पर एक 'ट्रांसफर पोस्टिंग मोर्चा' भी खोल लेना चाहिए।

प्रतुल ने कहा कि जमीन के गोरख धंधे से जुड़े दलाल तक फाइल की जानकारी पहुंचना दिखाता है कि या तो सीएमओ भी मिला हुआ था या फिर इन दलालों की सीएमओ तक पकड़ थी ।प्रतुल ने कहा कि सुप्रिया भट्टाचार्य ने गलत बयानी करके हेमंत सोरेन का कई बार बचाव किया। नवीनतम बचाव था जब हेमंत सोरेन के दिल्ली वाले घर से 36 लाख रुपए बरामद गए थे। उस समय सुप्रिया भट्टाचार्य ने कहा था कि यह पैसा ईडी ने प्लांट किया है। बाद में हेमंत ने उच्च न्यायालय में अपनी याचिका में स्पष्ट किया किया पैसा उन्हें पार्टी फंड से माता-पिता के इलाज के लिए मिला था ।प्रतुल ने कहा कि अब आज सुप्रियो भट्टाचार्य को गलत बयानियों का दौर छोड़कर सच्चाई बतानी चाहिए।

मतदान प्रतिशत बढ़ाना सबकी नैतिक जिम्मेदारीः डॉ बिनोद

लोकतंत्र के मजबूती हेतु मतदान प्रतिशत बढ़ाना आवश्यक- डॉ अमर कुमार चौधरी

युवा मतदान हेतु आगे आए -- डॉ मुकुन्द

बिभा संवाददाता

राँची : राँची विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में आयोजित होने वाले सघन मतदाता जागरूकता अभियान (फेज 2.0) का शुभारंभ आज दिनांक 30 अप्रैल2024 को मतदाता जागरूकता शपथ एवं हस्ताक्षर अभियान से किया गया जिसकी अध्यक्षता आर यू के विज्ञान संकाय के डीन डॉ अरुण कुमार ने किया।

इस अवसर पर आर यू के कुलसचिव डॉ बिनोद नारायण ने कहा कि देश में मतदान प्रतिशत बढ़ाना सबकी नैतिक जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि पूरे देश में सभी संस्थाएं मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर सभी को मतदान हेतु प्रेरित किया जा रहा है एवं मेरा एन एस एस के स्वयंसेवकों से अपील है कि वे इस अभियान को अपना बहुमूल्य योगदान दे कर अधिक से अधिक युवाओं को मतदान हेतु जागरूक करें।

इस अवसर पर आर यू के पूर्व कुलसचिव डॉ अमर कुमार चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती हेतु मतदान प्रतिशत बढ़ाना अति आवश्यक है एवं भारतीय संविधान में वर्णित मतदाता के अधिकारों के प्रति जागरूक होकर निश्चित मतदान करना चाहिए।

इस अवसर पर आर यू के कुलानुशासक डॉ मुकुन्द चंद्र मेहता ने कहा कि युवा मतदान करने हेतु आगे आए एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था के मजबूती में अपना योगदान दें।

इस अवसर पर पी जी भौतिकी के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार सिंह, एन एस एस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार ने किया।

कार्यक्रम का संचालन एन एस एस के टीम लीडर रवि कुमार वर्मा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन दिवाकर आनंद ने किया।

आज के मतदाता हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ आर यू के कुलसचिव डॉ बिनोद नारायण, पूर्व कुलसचिव डॉ अमर कुमार चौधरी, कुलानुशासक डॉ मुकुन्द चंद्र मेहता, साइंस डीन डॉ अरुण कुमार एवं एच ओ डी डॉ सुनील कुमार सिंह एवं एन एस एस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से हस्ताक्षर कर किया गया।

रांची जिला के सभी बैंकों को विशेष निर्देश- बैंकों में संदिग्ध निकासी एवं जमा पर सघन निगरानी रखें

बिभा संवाददाता

रांची : मोरहाबादी स्थित राज्य अतिथिशाला के सभागार में व्यय पर्यवेक्षक, श्री वीरेंद्र कुमार सिंह द्वारा जिले की सभी एनफोर्समेंट एजेंसीज के नोडल पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की गई। उक्त बैठक में सम्बंधित एजेंसियों को समन्वय के साथ चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश के आलोक में सक्रिय रहते हुए कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

बैठक में व्यय अनुश्रवण कोषांग प्रभारी, श्री सज्जन पाण्डेय, व्यय अनुश्रवण कोषांग के पदाधिकारी एवं सभी एनफोर्समेंट एजेंसीज के नोडल पदाधिकारीगण उपस्थित थे। व्यय पर्यवेक्षक श्री वीरेंद्र कुमार सिंह ने सभी नोडल पदाधिकारियों से आज तक की गई कार्रवाइयों एवं आगामी कार्य योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। व्यय की गणना हेतु निर्गत दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया।

व्यय पर्यवेक्षक द्वारा सभी पदाधिकारियों को निम्न निर्देश दिए गए:-

आईटी एवं पुलिस के नोडल पदाधिकारी को जिले में कैश मूवमेंट पर कड़ाई से नजर रखने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी ऐसी गतिविधि जिसमें ऐसे लेन-देन शामिल हों जिससे मतदाता को प्रभावित किया जा सके ऐसे मामलों में नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए चुनाव आयोग को अविलंब रिपोर्ट प्रेषित किया जाये।

बैंक के नोडल पदाधिकारी को बैंकों में संदिग्ध निकासी एवं जमा पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। साथ ही नोडल पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा गया कि ऐसे नकद निकासी एवं जमा सम्बन्धी रिपोर्ट आयकर विभाग एवं व्यय अनुश्रवण कोषांग से साझा करें, ताकि ऐसे लेन देन के मामलों पर प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा सके ।

जीएसटी विभाग को निर्देश दिया गया कि जिले में फ्रीवीज के मूवमेंट पर विशेष निगरानी रखी जाए ताकि मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश पर लगाम लगाया जा सके। इस हेतु अगर आवश्यक हो तो टीम का गठन कर संदिग्ध गतिविधि वाले रास्तों पर जाँच प्रारंभ की जाए।

राज्य उत्पाद विभाग द्वारा चुनाव घोषणा से आज तक की गई शराब की जब्ती संबंधी प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए उत्पाद विभाग को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि प्रत्येक शराब दुकान का दैनिक बिक्री संबंधी प्रतिवेदन प्राप्त किया जाये ताकि किसी क्षेत्र में मतदाताओं को प्रभावित करने हेतु शराब की खरीद संबंधी जानकारी ससमय प्रशासन को प्राप्त हो सके ।

संक्षिप्त खबरें

डीएवी सेक्टर-6 के चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी को सेवा निवृत्ति पर दी गई विदाई

बोकारो : डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 के चतुर्थवर्गीय कर्मचारी भुस्की दी के सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय के शिक्षक व कर्मचारियों ने विदाई दी । विद्यालय परिवार द्वारा आयोजित विदाई समारोह को संबोधित करते प्राचार्य बृज मोहन लाल दास ने कहा कि सेवानिवृत्त हो रही भुस्की दी साढ़े तीन दशक से अधिक समय तक इस विद्यालय में ईमानदारी एवं कर्मठता, कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी के तौर पर कार्य किए हैं । उनका व्यक्तित्व सादगी से भरा रहा, उन्होंने अपने काम को पूरी ईमानदारी से किया । इस अवसर पर प्राचार्य ने भुस्की दी को पुष्प गुच्छ एवं उपहारों से सम्मानित किया । उनके किए कार्यों कीप्रशंसा की प्राचार्य ने प्राचार्य ने उनके भावी जीवन में स्वस्थ रहने की शुभकामना दी । इस कार्यक्रम में नागेन्द्र प्रसाद , प्रशांत कुमार, कुमार समरेश, जाह्नवी बनर्जी तथा बाल शेखर झा ने उनकी उपलब्धियों को बताया। मंच संचालन आभा कुमारी ने किया ।कार्यक्रम में समस्त शिक्षक व कर्मचारीगण मौजूद थे।

तीन न्यायिक पदाधिकारियों को दी गई विदाई

बोकारो: जिला जज तृतीय राजीव रंजन, जिला जज चतुर्थ योगेश कुमार सिंह एवम प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी सुश्री मीनाक्षी वर्मा को इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के ओर से एसोसिएशन के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने गुलदस्ता देकर न्यायिक अधिकारियों को बिदाई दी। ज्ञात हो कि तीनों पदाधिकारियों का बोकारो से देवघर, रांची और गिरिडीह तबादला हो गया है। आज तीनों न्यायिक पदाधिकारीयो ने अपना अपना पदभार सौप कर बोकारो से रवाना हो गए। अधिवक्तावों ने उनसे मिल कर उज्जवल भविष्य की शुभकामना और बधाई दी। इस अवसर पर दिनेश शर्मा, अंकित ओझा, शंकर प्रसाद महतो, संतोष कुमार, सोमनाथ शेखर, अतुल कुमार, संजीत सिंह, दीपिका सिंह इत्यादि अधिवक्तागण उपस्थित थे।

सेवानिवृत हुए रेलकर्मी को अंग वस्त्र एवं पुष्प कुछ देकर समान बिदाई दी गई

बोकारो : इस्पात नगर के अभियंत्रण रेल पथ कर्मचारी श्री अब्राहम बेसरा जी सेवानिवृत हो गए।इस्पात नगर के रेल कर्मियों के द्वारा अंग वस्त्र और समान देकर बिदाई दी गई।लगभग 30 वर्ष तक सेवाए दी।श्री राजेंद्र प्रसाद जी पी डब्लू आई /बी के एस सी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।इस बिदाई समारोह में शामिल प्रमुख लोगो में राजेंद्र प्रसाद,योगेंद्र कुमार,ध्रुव कुमार त्रिपाठी,नेवालाल माझी,बिनोद बिहारी गोप,गोपाल प्रसाद नायक,बिनोद कुमार सिंह,राजू रंजन,प्रदीप कुमार,हेमंत कुमार महतो,दीपक कुमार,चंदन कुमार, राजेश, दिनेश, विवेक, राजकुमार, अजीत, अर्जुन, मनोज कुमार, दुर्गा, प्रत्योष, अजय, हरेंद्र सहित कई लोग मौजूद रहे।

विभिन्न संगठनों व लोगों के मिल रहे समर्थन से लग रहा है इस बार धनबाद लोकसभा में आसपा विजय होगी : डा नैय्यर

बोकारो : जनता की मिल रही अपार समर्थन को देखते हुए डॉ परवेज नैयर ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस प्रकार से यहां की जनता का प्यार मिल रहा है उससे यही प्रतीत होता है कि धनबाद लोकसभा में आजाद समाज पार्टी (का) बेहतर परिणाम हासिल करेगी। नैय्यर ने कहा कि आजाद समाज पार्टी के प्रति लोगों में बढ़ रही विश्वास और उत्साह को देखते हुए पार्टी के निर्देश पर वे समाज सेवा का कार्य निरंतर जारी रखेंगे। । उन्होंने कहा कि मजदूर, विस्थापित,दलित, अल्पसंख्यको व मजलूम के हक व अधिकार के लिए संघर्ष जारी रहेगा। डॉ नैय्यर ने कहा कि बड़े दिनों बाद धनबाद लोकसभा क्षेत्र में एक साफ सुथरी छवि के व्यक्तित्व वाले समाज सेवी को टिकट मिलना क्षेत्र के विकास में एक मुकाम हासिल करेगा। इधर टिकट मिलने के उपरांत विभिन्न संगठन ऑन और लोगों का समर्थन लगातार मिल रहा है कई संगठन के लोग पार्टी कार्यालय पहुंचकर अपना समर्थन दे रहे हैं।

जनता वोट की चोट पहुंचा कर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी

बोकारो : आजाद समाज पार्टी काशीराम की बढ़ती लोकप्रिय लोकप्रियता और जनाधार को देखते हुए प्रसिद्ध समाज सेवी मशहूर सिद्दीकी ने लोकसभा प्रत्याशी डॉ परवेज नैय्यर को समर्थन देने का ऐलान किया। समाजसेवी सिद्दीकी ने डॉक्टर परवेज पर विश्वास जताते हुए उनकी जी सुनी थी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का श्वसन दिया है। डा परवेज नैय्यर ने कहा कि मेरे पार्टी से जुड़ने के उपरांत जिस प्रकार से सभी समाज के लोगों का पार्टी के प्रति विश्वास बढ़ रहा है । इसे देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि लोकसभा क्षेत्र की जनता इससे पूर्व की सरकारों से पूरी तरह ऊब चुकी है। अब यहां की जनता वोट की चोट पहुंचा कर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। समर्थन देने वालों में शब्बीर अंसारी, विकास कुमार, खुर्शीद आलम, शाहिद, सुंदर सहित दो दर्जन कार्यकर्ता शामिल थे.

नरेंद्र मोदी की सरकार में योजनाओं में कट मनी नहीं लगती, पूरा पैसा खाते में आता है : भजन लाल शर्मा

बिभा संवाददाता

धनबाद : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 30 अप्रैल को धनबाद के एनडीए प्रत्याशी ढुल्लू महतो के नामांकन में शामिल हुए। उन्होंने धनबाद में आयोजित विशाल जनसभा को भी संबोधित किया।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 2014 के बाद इस देश के भीतर बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है। 2014 से पहले देश की स्थिति सभी ने देखी होगी। भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार होते थे। भ्रष्टाचार भी ऐसे होते थे कि उसे गिना नहीं जा सकता था। 2014 से पहले देश के भीड़ भाड़ वाले इलाकों में आतंकवादी बम फोड़ कर चले जाते थे। सरहद से सैनिकों का सिर काट कर ले जाते थे। वर्ष 2014 के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने कहा कि पहले गरीबों का कोई बैंक खाता नहीं होता था। गरीब बैंक की चौखट पर भी पैर नहीं रख सकता था?। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका खाता बैंक में खुलवाकर कट मनी पर अंकुश लगाया। झारखंड में कट मनी ज्यादा चलती थी। कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री कहते थे कि हम ?1 भेजते हैं, गांव तक जाते-जाते 15 पैसे पहुंचता था। आज प्रधानमंत्री ?100 डालते हैं, तो खाते में पूरे पूरे पैसे आते हैं। किसानों को किसान सम्मन निधि मिलती है। कहीं कोई कट मनी नहीं लगती है। यह 2014 के बाद का परिवर्तन है।

उन्होंने कहा कि पहले माता-बहनें परेशान रहती थी। शौच के लिए रात होने का इंतजार करती थी। भोर होने से पहले जाती थी। माता बहनों को शौचालय देकर सम्मान देने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया। मां बहने खाना बनाने में परेशान रहती थी। बारिश में यह बढ़ जाती थी। आंख और फेफड़ों में धुआं जाता था। प्रधानमंत्री मोदी ने उज्वला का कनेक्शन देकर मां-बहनों को सम्मान देने का काम किया।

राज्य में भाजपा सरकार बनने पर धनबाद से गुंडागर्दी खत्म होगी : बाबूलाल मरांडी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इस बार के चुनाव में पिछली बार की तुलना में अधिक वोट से ढुल्लू महतो को विजयी बनाना है। इस गर्मी और विपक्ष के चुनौती को भी स्वीकार करना है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रहने पर सरहद की सुरक्षा मजबूत हुई।आम लोग भय मुक्त होकर जीवन बसर कर रहे हैं। धनबाद शहर में आज लोग भयभीत हैं। यहां से आए दिन हत्या की खबर आती है। रंगदारी मांगने की खबर आती है। जनता को इतना विश्वास दिलाता हूं कि राज्य में 6 महीने बाद भाजपा की सरकार बनने पर धनबाद में चल रहा है गुंडागर्दी को रातों-रात से खत्म कर दिया जाएगा। आम जनता के सहयोग से ही यह संभव हो सकेगा। इसकी शुरूआत लोकसभा चुनाव से करनी है। भाजपा की सरकार बनने पर राज्य का विकास होता है जनता का विकास होता है। इंडी गठबंधन की सरकार बनने पर लोग अपना विकास करते हैं। परिवार का विकास करते हैं। देश के लिए गरीबों के लिए राज्य के विकास के लिए भाजपा को वोट दें। देश में नरेंद्र मोदी को फिर से बनाने के लिए वोट दें।

छात्रों के ज्ञानवर्धन के लिए ईएसएल स्टील लिमिटेड ने अंतर-केंद्र क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया

बिभा संवाददाता

बोकारो : वेदांता समूह की कंपनी और भारत में अग्रणी एकीकृत इस्पात उत्पादक ई एस एल स्टील लिमिटेड ने सामाजिक और सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। इसी के निमित ई एस एल स्टील लिमिटेड और अन्य सभी वेदांता कंपनियां उन समुदायों की भलाई के लिए प्रयासरत है।

आज बच्चों को उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में मदद करने और प्रतियोगियों के बीच उपलब्धि और गर्व की भावना पैदा करने के अलावा उनके ज्ञान को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, विशेष रूप से विभिन्न ई एस एल स्टील लिमिटेड के प्रोजेक्ट प्रेरणा केंद्रों (ट्यूटोरियल और ड्राइंग) एवं एक्सेल 30 क्लासेज जैसे शैक्षिक हस्तक्षेप कार्यक्रमों में नामांकित लोगों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

क्विज प्रतियोगिता का आयोजन ई एस एल स्टील लिमिटेड द्वारा अपने कार्यान्वयन भागीदार सार्थक सस्टेनेबल डेवलपमेंट फाउंडेशन के साथ किया गया । ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के पीछे का विचार छात्रों को अपने पाठ्य ज्ञान से परे देखने और उन्होंने जो सीखा है उसके सिद्धांत और अनुप्रयोग के बीच संबंध स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। ई एस एल स्टील लिमिटेड विज्ञान प्रदर्शनी, कला शो, क्विज आदि सहित कई ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता है। ये इंटरैक्टिव मंच हैं जहां छात्र न केवल पुरस्कार लेने या प्रसिद्ध होने के लिए भाग लेते हैं, बल्कि ज्ञान प्राप्त करने, शिक्षाविदों से परे उत्कृष्टता हासिल करने और सुरक्षित होने के अवसर तलाशते हैं। उनका भविष्य साथ ही इनमें से अधिकांश गतिविधियाँ उन्हें अपने टीम वर्क कौशल को निखारने का अवसर भी प्रदान करती हैं।

क्विज प्रतियोगिता में छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों सहित लगभग 100 लोगों की बड़ी संख्या में उपस्थिति देखी गई, जो प्रतियोगियों को प्रेरित करने के लिए आए थे। मोइन अंसारी, प्रिंसिपल, एमजेएम स्कूल, बिजुलिया सहित गणमान्य व्यक्ति, मनोज तिवारी, पूर्व मुखिया, चंदाहा पंचायत और संटू रॉय, उपाध्याय, किसान युवा मोर्चा ने इस तथ्य की बहुत सराहना की कि ई एस एल स्टील लिमिटेड ने अपनी सहयोगी कार्यान्वयन एजेंसी के साथ मिलकर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था और वे इस बात से काफी प्रभावित हुए ।

इस अवसर पर ई एस एल स्टील लिमिटेड के सी एस आर, ई आर और पी आर प्रमुख आशीष रंजन ने कहा ई एस एल स्टील लिमिटेड हमेशा हमारे संयंत्र के आसपास के समुदायों के समग्र विकास और खुशी पर ध्यान केंद्रित करता है। हम अपने छात्रों के बीच रचनात्मकता और अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करने का प्रयास करते हैं। इस तरह की पहल प्रतिभा को आगे बढ़ाती है, टीम निर्माण प्रयासों को प्रोत्साहित करती है और एक जीवंत सीखने के माहौल को बढ़ावा देती है जो शिक्षा से परे है। हमारे पूरे इतिहास में, वर्तमान में, और भविष्य की ओर देखते हुए, ई एस एल स्टील लिमिटेड चल रहे सी एस आर पहलों के माध्यम से समुदाय की भलाई का समर्थन करने के लिए समर्पित है, जो एक खुशहाल और संपन्न समुदाय को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

पूरी प्रतियोगिता ई एस एल स्टील लिमिटेड में सी एस आर के उप प्रमुख राकेश मिश्रा के देख रेख में की गई। मिश्रा ने कहा कि जो कठिन प्रश्नों या चुनौतीपूर्ण परिदृश्यों से प्रतियोगियों का आत्मविश्वास कम नहीं हुआ। जो अपने बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने आए थे, उन्होंने देखा कि उनके बच्चों को किसी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं है और वे बेहद सफल आयोजन का आनंद भी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे और भी आयोजन करते रहेंगे, जिससे बच्चों के विकास में मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग का आगाज

बिभा संवाददाता

रांची : बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-25 आज रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में शुरू हुई। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक संदीप प्रधान ने उद्घाटन समारोह का शुभारंभ किया और सभी आठ भाग लेने वाली टीमों के खिलाड़ियों के साथ बातचीत की। ये टीमें हाल ही में संपन्न 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप से क्वालीफाई करने वाली भारतीय महिला घरेलू हॉकी की सर्वश्रेष्ठ टीमें हैं: हॉकी हरियाणा, हॉकी महाराष्ट्र, हॉकी झारखंड (मेजबान), हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी बंगाल, हॉकी मिजोरम, मणिपुर हॉकी, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा।

लीग के महत्व पर टिप्पणी करते हुए, हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा: ‘राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग भारतीय महिला घरेलू हॉकी ढांचे के लिए एक watershed moment है। यह कुलीन प्रतियोगिता हमारे शीर्ष घरेलू खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और अपने कौशल को और निखारने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी। हमें विश्वास है कि यह लीग न केवल घरेलू हॉकी के लिए बार बढ़ाएगी बल्कि राष्ट्रीय टीम के लिए भविष्य के सितारों की पहचान और पोषण के लिए एक स्प्रिंगबोर्ड के रूप में भी काम करेगी।’

उद्घाटन दिवस में रोमांचक कार्रवाई देखी गई क्योंकि हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी हरियाणा को 4-1 से हराया, जबकि हॉकी महाराष्ट्र ने मणिपुर हॉकी को 5-1 से आसानी से हरा दिया। शेष मैचों में हॉकी मध्य प्रदेश का सामना हॉकी बंगाल से होगा और हॉकी झारखंड का सामना हॉकी मिजोरम से होगा। हॉकी झारखंड और हॉकी मिजोरम के बीच ओपनिंग डे मैच में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पत्थर से कूचकर युवक की निर्मम हत्या

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो के हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर नौ सी0 स्ट्रीट 26 के पास युवक की पत्थर से कूचकर दर्दनाक हत्या कर दी गई। जहां पत्थर से कूचकर एक युवक की निर्मम हत्या कर दी गई। मृत युवक का नाम ज्योति लाल चौधरी है और वह सेक्टर 9 ए स्ट्रीट-3 का बताया जा रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही हरला थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है और मामले की छानबीन में जुट गई है। मामले पर हरला इंस्पेक्टर अनिल कच्छप के अनुसार घटना जमीन के खरीद-बिक्री में रूपयो के लेनदेन से जुड़ा हुआ है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी नागेंद्र कुमार, राजेश कुमार व अन्य फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार मृतक रविवार रात 9 बजे सेक्टर नौ स्ट्रीट 26 स्थित घटना में आरोपी नागेंद्र कुमार के आवास में रुपए मांगने गया था। इसी मुद्दे पर दोनों के बीच विवाद बढ़ने लगा। इस बीच नागेंद्र का भाई राजेश कुमार अपने अन्य सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचा।

फिर सभी ने मिलकर पानी के पाइप से पीट-पीटकर ज्योति को अधमरा कर दिया। जब वो खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा, तो आरोपियों ने पास रखे बड़े पत्थर से गुप्तांग व सीने पर कई बार प्रहार किया। फिर उसे मरा हुआ समझ मौके से फरार हो गए।

आसपास के लोगों की मदद से उसे सेक्टर नौ स्थित ग्लोबल अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल की सूचना पर हरला पुलिस मौके पर पहुंची, तो ज्योति की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल बीजीएच ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद से सभी आरोपी अपने ठिकानों से गायब है। हरला पुलिस रविवार रात से अब तक लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है पर कोई सफलता नहीं मिल पाई है।

बीएसएल से सेवानिवृत कर्मचारियों को दी गई विदाई

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट से अप्रैल '2024 माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मियों के लिए मानव संसाधन विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया. इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महा प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) श्री हर्ष निगम उपस्थित थे। समारोह के आरम्भ में सहायक महाप्रबंधक (कार्मिक) डॉ नन्दा प्रियदर्शिनी ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को अंतिम निपटारा एवं मैत्री भवन से सम्बंधित जानकारी दी तथा प्रत्येक सेवानिवृत हो रहे कर्मियों का बायोडाटा प्रस्तुत किया. मुख्य महा प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) श्री हर्ष निगम ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को उनके निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की. उन्होंने सेवा निवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र तथा उपहार भी भेंट किये. अप्रैल '2024 में बी.एस.एल. से कुल 06 अधिशासी तथा 55 अनाधिशासी सेवानिवृत्त हो रहे हैं. कार्यक्रम का संचालन डॉ नन्दा प्रियदर्शिनी, सहायक महाप्रबंधक (कार्मिक) ने किया. मुख्य महा प्रबंधक (रीफ्रैक्टरीज) श्री वेद प्रकाश उपाध्याय के लिए निदेशक प्रभारी के सम्मेलन कक्ष में अलग से एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया. विदाई समारोह के अवसर पर कार्यकारी निदेशक प्रभारी, श्री सी आर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री सुरेश रँगानी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) श्री राजन प्रसाद, सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक उपस्थित थे. कार्यकारी निदेशक- प्रभारी, श्री सी आर महापात्रा ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किये. सभी ने सेवानिवृत्त हो रहे श्री वेद प्रकाश उपाध्याय को उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी.

छात्र दिल को युवा एवं स्वस्थ रखने पर ध्यान दें: डॉ निशांत वर्मा

बिभा संवाददाता

बोकारो : रोटरी क्लब चास द्वारा डॉ एस. राधाकृष्णन बीएड महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए सीपीआर प्रशिक्षण एवं डिजास्टर मैनेजमेंट के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।अनुभवी चिकित्सा पेशेवर डॉ एसपी वर्मा एवं डॉ निशांत वर्मा के संयुक्त मार्गदर्शन में यह कार्यशाला आयोजित की गई।

रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष पूजा बैद ने कहा कि हृदय रोग दुनिया भर में मृत्यू का प्रमुख कारण है। पूजा ने कहा कि युवाओं में दिल के दौरे के मामले बढ़े हैं पर तुरंत और प्रभावी ढंग से सीपीआर देने से दिल के दौरा पड़ने वाले व्यक्ति के जीवित रहने की संभावना बढ़ जाती है। इसके पूर्व बीएड महाविद्यालय के सचिव बिनय सिंह ने पौधा भेंटकर चिकित्सकों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सीपीआर देकर लोगों की जान बचाने के कई मामले सामने आ चुके हैं। बिनय सिंह ने कहा की समाज में ऐसी कार्यशाला का आयोजन निरंतर जरूरी है।

प्रशिक्षक डॉ एस पी वर्मा ने कहा की महत्वपूर्ण कौशल सीखा कर वे एक सुरक्षित समाज बनाने की आशा करते हैं जहां व्यक्ति जरूरतमंद लोगों की मदद कर सके। डॉ वर्मा ने कहा की सीपीआर रक्त संचलन को बहाल करने और ऑक्सीजन को शरीर के अंदर पहुंचाने में सक्षम है।डॉ वर्मा ने कहा की कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को जीवन रक्षक कौशल के साथ सशक्त बनाना और महत्वपूर्ण क्षणों के दौरान तत्काल कार्रवाई करने के लिए तैयार समुदाय बनाना है। डॉ वर्मा ने बच्चों द्वारा जिज्ञासा वश पूछे गए प्रश्नों का भी समाधान किया।

डॉ निशांत वर्मा ने कहा की सीपीआर में प्रशिक्षित प्रत्येक व्यक्ति एक संभावित नायक बन जाता है जो किसी के जीवन पर गहरा प्रभाव डालने में भी सक्षम होता है। डॉ निशांत ने छात्रों को सलाह दी कि वे अपने दिल को युवा और स्वस्थ रखने पर ध्यान दें। डॉ निशांत ने कार्यशाला में छात्रों और शिक्षकों को विषय का प्रशिक्षण भी दिया।

रोटरी क्लब की सचिव डिंपल कौर ने कहा कि रोटरी क्लब पीड़ित मानवता की सेवा में सदैव तत्पर रहता है और आगे भी तत्पर रहेगा। डिंपल ने बताया कि शिक्षकों को भी इस तकनीक का अभ्यास कराया गया। मौके पर उपस्थित महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गायत्री कुमारी एवं अन्य शिक्षकों, छात्र-छात्राओं ने कार्यशाला आयोजित करने के लिए रोटरी क्लब की भूरी भूरी प्रशंसा की। डॉ चायना डे ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय बैद, धनेश बंका, मुकेश अग्रवाल, प्रेम शंकर सिंह, नरेंद्र सिंह, माधुरी सिंह, अर्चना सिंह,मनोज चौधरी, राजकुमार प्रिय, नवरत्न कुमार, सुबीनय डे,का सराहनीय योगदान रहा।

जिला प्रशासन का बड़ा प्रयास 70 हजार से ज्यादा ग्रामीणों ने ली मतदाता जागरूकता लाने कि शपथ

बिभा संवाददाता

रामगढ़: रामगढ़ जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने को लेकर रचनात्मक तरीके से विभिन्न मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

मतदाताओं को उनके मताधिकार का प्रयोग करने के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में अब जिला प्रशासन रामगढ़ द्वारा सोमवार को बड़े स्तर पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत रामगढ़ जिला अंतर्गत सभी प्रखंडों के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में एक ही दिन में लगभग 70291 बच्चों व अभिवावकों ने मतदाता जागरूकता कि शपथ ली। इस दौरान शिक्षकों सहित अन्य के द्वारा अभिभावकों को आगामी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करने को लेकर जागरूक किया गया वहीं सभी मतदाताओं से उनके मतदान के महत्व को समझने एवं आगामी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में बिना किसी भय, लोभ अथवा किसी भी चीज के प्रभाव में आए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई।

संक्षिप्त खबरें

उपप्रमुख अरुण साबू ने किया विभिन्न गाँवों में सोलर जलमीनार का निरीक्षण

खूँटी । मुरहू के सुरूंदा बस्ती में कई महिनों से सोलर जलमीनार साँसें गिन रहा है। 10 से बारह परिवार के लिए बना सोलर जलमीनार से पानी सही तरीके से नहीं निकलने के कारण भरी गर्मी में ग्रामीणों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। उपप्रमुख अरुण साबू ने बताया कि सोलर जलमीनार में लगे सामान सही व गुणवतापूर्ण की कमी है जिसके कारण ही पानी धीमी गति से टंकी में चढ़ता है। और लोगों के घरों तक भी बढ़िया ढंग से पानी पहुंच नहीं पा रहा है । मौके पर उन्होंने गोड़ाटोली स्थित जलमीनार का निरीक्षण किया । जहाँ की महिनों से खराब सोलर जलमीनार को बनाया गया। लेकिन यह भी गुणवतापूर्ण कार्य की कमी थी जिसके कारण खराब हो जाता है।

होम वोटिंग हेतु प्रतिनियुक्त मतदानकर्मियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित

खूँटी । लोकसभा आम चुनाव के कार्यों के सफल संचालन के निमित समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त की अध्यक्षता में होम वोटिंग कराने हेतु प्रतिनियुक्त मतदानकर्मियों,माइक्रो आब्जर्वर,बीएलओ, सेक्टर ऑफिसर व पुलिस पदाधिकारी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पोस्टल बैलेट के द्वारा AVSC एवं AVPD Voters के मतदान हेतु गठित प्रखण्डवार Polling Team का प्रशिक्षण आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान सभी टीमों को कार्य एवं दायित्वों से अवगत कराया गया। साथ ही मतदान कराने की प्रक्रिया की विस्तार जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से मतदानकर्मियों की जानकारी का टेस्ट लिया। होम वोटिंग कराने की प्रक्रिया एवं विविध प्रपत्रों के संधारण करने एवं पैकेटिंग के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गईं। होम वोटिंग से संबंधित वीडियो के माध्यम से मतदान कराने की प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी दी गई। बताया गया कि पूर्व मे कराये गये सर्वे के आधार पर 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांग मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की व्यवस्था की गई है। बुजुर्ग और दिव्यांग वोटरों को घर पर ही डाक मतपत्र उपलब्ध कराया जाता है। यहां अपना वे अपने पसंद के उम्मीदवार को वोट दे सकते हैं। इस दौरान चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए चुनाव अधिकारी की टीम, एक वीडियोग्राफर और पुलिस भी मौजूद होते हैं। होम वोटिंग से संबंधित वीडियो के माध्यम से मतदान कराने की प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी दी गई।

वोटिंग की सम्पूर्ण कार्य शैली एवं दायित्व से कराया गया अवगत

खूँटी । लोक सभा आम चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष व स्वच्छ संपन्न कराने के निमित प्रशिक्षण कोषांग द्वारा बिरसा कॉलेज परिसर में सेक्टर अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मतदान से पहले, मतदान के दिन और मतदान के बाद की समस्त कार्य शैली एवं दायित्वों से अवगत कराया गया। साथ ही प्रश्नोत्तर के माध्यम से उनके ज्ञान का टेस्ट लिया गया। मौके पर प्रशिक्षण कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक, आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप ने सेक्टर अधिकारियों को कार्य एवं जिम्मेवारियों से अवगत कराते हुए कहा कि आपके अधीन कई मतदान केंद्र की जिम्मेवारी हो सकती है। सुरक्षित ईवीएम मशीन की सुरक्षा हेतु आपके साथ पुलिस बल के जवान रहेंगे। उन्होंने कहा कि निगरानी रखना होगा कि मतदान केंद्रों पर वोटिंग का कार्य समान्य अवस्था में हो रहा है या नहीं। डिस्पैच सेंटर से लेकर मतदान मतदान समाप्ति के बाद मतदान संबंधित सभी सामग्रियों एवं दस्तावजों को कलेक्शन सेंटर में जमा कराने का उत्तरदायित्व सेक्टर अधिकारियों का होता है। उन्होंने कहा कि आप सभी को निर्वाचन की सभी प्रक्रियाओं की जानकारी रखना आवश्यक है। उन्होंने तन एव मन से प्रशिक्षण के दौरान मतदान की सारी प्रक्रियाओं की पूर्ण जानकारी प्राप्त करने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव कार्य को सफलता के साथ संपन्न कराने में आपलोगों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। प्रशिक्षण के दौरान सेक्टर अधिकारियों को सीयू, बीयू एवं वीवीपैट के संयोजन एवं कार्यप्रणाली की सैद्धांतिक एव व्यवहारिक जानकारी दी गई। ईवीएम का हैंड आन कराया गया। साथ ही चुनाव के दौरान उपयोग किये जाने वाले विभिन्न प्रपत्रों के संधारण, पैकेटिंग आदि के संबंध में विस्तार से बताया गया। पीपीटी के माध्यम से निर्वाचन की तमाम प्रक्रिया की सम्पूर्ण जानकारी दी गई। मॉक पोल, सिलिंग और वास्तविक मतदान, मतदान समाप्ति के सिलिंग एवं पैकेटिंग से संबंधित प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक, आईटीडीए एवं प्रशिक्षण कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी सह जिला भू-अर्जन पदाधिकारी परवेज की देखरेख में मास्टर ट्रेनर विष्णुनंद तिवारी, प्रदीप कुमार ओझा, देवेंद्र गोप, श्रवण बारला सहित अन्य द्वारा प्रशिक्षण देने का कार्य किया गया।

खराब प्रदर्शन व कार्य में लापरवाही करने वाले होंगें इंसेंटिव से वंचित: के. रवि कुमार

बिभा संवाददाता

खूँटी । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के. रवि कुमार ने मंगलवार को खूँटी जिले में निर्वाचन की तैयारी सहित विभिन्न मतदान केन्द्रों एवं घर-घर वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप वितरण की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने लोकसभा चुनाव को लेकर बीएलओ द्वारा अब तक संपन्न एवं किये जा रहे कार्यो की जानकारी ली। वहीं कार्य में प्रगति लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस बार लोकसभा निर्वाचन में कार्यरत बीएलओ को इंसेंटिव का प्रावधान है। लेकिन, खराब प्रदर्शन अथवा कार्य मे लापरवाही बरतने वाले बीएलओ को इंसेंटिव से वंचित रखा जाएगा। उन्होंने सभी बीएलओ को अच्छा कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया एवं ससमय निर्वाचन कार्य पूर्ण करने को कहा।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने खूँटी के पिपरा टोली बेलाहाथी रोड जाकर मतदाताओं के बीच बीएलओ द्वारा वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप के वितरण की जानकारी ली। साथ ही उनके द्वारा भरे गये प्रपत्रों का अवलोकन किया। उन्होंने खूँटी जिले के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कर्रा रोड स्थित मतदान केंद्रों पर बीएलओ से मुलाकात की एवं लोकसभा निर्वाचन से संबंधित कार्यों के अद्यतन स्थिति से अवगत हुए। इसके अलावा उन्होंने सीएम स्कूल ऑफ एक्सिलेंस (गर्ल्स), खूंटी एवं सामुदायिक भवन नामकोम स्थित मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने अब्सेंट/शिफ्टेड/डेथ सूची, वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप, मतदान केन्द्र जागरूकता समूह की अद्यतन जानकारी ली और कार्य में प्रगति लाने का निर्देश दिया। उन्होंने 3 मई तक सभी मतदाताओं के बीच वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप वितरण पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही बीएलओ, सुपरवाइजर एवं वरीय पदाधिकारियों को निर्वाचन कार्य की तैयारी में गति लाने को कहा। इसके पूर्व मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने खूंटी जिले के कालामाटी चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने चेकपोस्ट पर तैनात जवानों एवं दंडाधिकारी की शिथिलता पर नाराजगी जताते हुए वाहनों के आवागमन पर पैनी नजर रखने, वाहनों की सघन जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वाहन चेकिंग कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निरीक्षण के दौरान खूंटी के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा, अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत, प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी आदि मौजूद थे।

कुरसे के मजदूर की बेटी बहामनी इंटर में हुई झारखण्ड में सेकेण्ड टॉपर

एसएस +2 की छात्रा बहामनी बनी खूंटी जिला टॉपर

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के दुर्गम देहात कुरसे गाँव की रहने वाली गरीब मजदूर परिवार की बेटी बहामनी धान ने इंटर की परीक्षा में झारखण्ड की सेकेण्ड टॉपर बनी। वहीं खूँटी की राज्य सम्पोषित उच्च विद्यालय खूँटी में इंटर की पढ़ाई की और 93.2% प्राप्तांक लाकर खूँटी जिले में टॉप की। बहामनी धान की तीन बहनें और एक भाई है? जिसमें उसकी दीदी राँची हरदाग में माँ के साथ ईंट भट्ठे में मजदूरी करती है। और उसकी दो बहनें अपने गाँव कर्रा के कुरसे में पिताजी के साथ रहती है। वहीं बहामनी धान अपने छोटे भाई के साथ खूँटी शहर में भाड़े के खपड़ैले भाड़े के मकान में रहकर पढ़ाई करती है। वहीं उसका छोटा भाई सरकारी मॉडल स्कूल में पढ़ाई करता है। बहामनी प्रतिदिन घर का सारा काम व खाना बनाकर विद्यालय जाती है?। वहीं बिना किसी ट्यूशन व बिना सहारे के सरकारी एसएस प्लस-टू उच्च विद्यालय में पढ़ाई करती है। और आज इंटर की आर्ट्स की परीक्षा में 93.2 झारखण्ड की सेकेण्ड टॉपर स्थान प्राप्त की। गरीबी के कारण बचपन में कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय बालिका विद्यालय में पढ़ाई की। और फिर मैट्रिक के बाद खूँटी में पढ़ाई की। वहीं उसके इस उपलब्धि पर क्षेत्र में काफी खुशी का माहौल है। लोगों ने उसे मिठाईयाँ खिलाकर मुंह मीठा कराया। वहीं इस खुशी में मिठाइयाँ बाँटी गई। बहामनी धान ने बताया कि इंटर में जिला टॉपर और स्टेट का सेकेंड टॉपर का स्थान प्राप्त करने से काफी खुश हैं। उसने बताया कि उसकी माँ और दीदी ईंट भट्ठे में मजदूरी करती है। और पिताजी दो बहनों के साथ अपने गाँव कुरसे में रहती है। गरीबी के कारण आजतक वो ट्यूशन नहीं पढ़ा। उसने इस मुकाम में पहुंचने के सभी को अपना आदर्श व सहयोगी माना। घर मालिक व पड़ोसी रमेश राम ने बताया कि बहमनी पढ़ने में तेज लड़की है और पढ़ाई पर काफी ध्यान देती है जिसका नतीजा हुआ कि यह इस मुकाम में पहुंची है। हम चाहेंगे कि इससे भी अच्छा उपलब्धि और प्राप्त करें पढ़ाई के लिए जितना सकेंगे मदद करेंगे। दिव्या कुमारी ने बताया कि यह काफी गौरव की बात है कि बहमनी अपनी लगन और मेहनत से झारखंड की सेकंड टॉपर और जिला टॉपर हुई है इससे हम सभी को सीखना चाहिए की लगन और मेहनत करके आगे बढ़े। बहमनी के भाई मनोज धान ने बताया कि दीदी आज काफी अच्छा उपलब्धि प्राप्त की है इसलिए हम भी उसे और अच्छा करने का प्रयास करेंगे।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा समेत अनेक लोगों ने दी बधाई

कर्रा प्रखण्ड के कुरसे गाँव के मजदूर की बेटी बहामनी धान के लगन और मेहनत की नतीजा की इंटर ऑफ आर्ट्स परीक्षा में झारखण्ड में दूसरा स्थान प्राप्त करने का गौरव प्राप्त होने पर सभी ओर चर्चा का विषय है। वहीं खूँटी जिले घरों में अभिभावक अपने बच्चों को बहामनी का उदाहरण देने लगे हैं। वहीं केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने बहामनी के इस सफलतम सुकृत्य पर उसे अभिनन्दन व शुभकामना दी है। वहीं खूँटी के आदिवासी का गौरवशाली इतिहास रहा है और माँ मजदूरी करके बच्चों को पढ़ाकर आगे बढ़ाने में लगी है वहीं बहामनी जैसे लोग खूँटी को गौरवान्वित कर रहे हैं। और ये बता रहे हैं कि अब आदिवासी पीछे नहीं हैं। वहीं खूँटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, जगन्नाथ मुण्डा, कर्रा के विनोद प्रसाद सोनी, विनोद नाग, विष्णु प्रसाद सोनी, नगर अध्यक्ष सुरेश जायसवाल, जनार्दन मिश्रा, भीमसिंह मुंडा, सुदर्शन भोगता, राजन मुण्डा, आदि अनेक लोगों ने बधाई व शुभकामना दी है।

बडानी घाटी में सवारी वाहन पलटी, दो की मौत 15 घायल

बिभा संवाददाता

अड़की । जिले के अड़की प्रखण्ड अंतर्गत बडानी घाटी के नीचे घुमावदार खरसावाँ अड़की सड़क के मोड़ पर सवारी गाड़ी के असंतुलित होकर पलट जाने से दो युवकों की मौत हो गई जबकि 15 लोग घायल हो गए हैं। यह घटना सुबह लगभग 6.00 बजे की बताई जा रही है। बुंडू थाना अंतर्गत हेंठ कांची निवासी देवानंद मुंडा उर्फ देवान मुंडा की बेटी की शादी कुचाई प्रखंड के बारूहातु में हुई थी। जहां लड़की पक्ष के लोग सराती में गए थे?। वापस लौटने के क्रम में बडानी घाटी के तीखे मोड पर चालक के संतुलन खो देने से सवारी गाड़ी पलट कर गड्ढे में जा गिरी। जिसमें 15 से अधिक लोग घायल हो गए। जिनमें महिलाओं की संख्या अधिक है। पुलिस को सूचना मिलने पर घटनास्थल पहुंचकर ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को कल्याण अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को सदर अस्पताल रेफर किया गया जहां इलाज के दौरान रोहित मुंडा उम्र 21 वर्ष की मौत हो गई। वह हेंठ कांची का रहने वाला था। जबकि दूसरा मृतक प्रकाश मंडा उम्र 18 वर्ष बुंडू के बारुहातू बाडेदा का रहने वाला था । वहीं गंभीर रूप से घायल 22 वर्षीय अजय मुंडा हेंठ कांची निवासी को बेहतर इलाज हेतु खूँटी सदर से रिम्स रेफर कर दिया गया।

छह वर्ष बाद इस बार भी शहरी जलापूर्ति काम नहीं हुआ पूरा

भरी गर्मी में लोगों को पेय जल संकट का होने लगा दिक्कत

बिभा संवाददाता

खूँटी । शहर में इस बार की भरी गर्मी में भी दीनदयाल उपाध्याय शहरी जलापूर्ति योजना के अन्तर्गत बन रहे शहरी जलापूर्ति का काम पूरा नहीं होने से शहरवासियों को इसका लाभ से वंचित होना पड़ रहा है। शहरी जलापूर्ति योजना का काम छह वर्ष पहले शुरू हुआ था। जिसे 18 माह में ही बनाकर सुपुर्द कर देना था। लेकिन नगर पंचायत मौन है और इसपर, कोई कार्रवाई नहीं कर रहती है। वहीं ठीकेदारों की मनमानी के कारण अबतक इसके लाभ से शहरवासी वंचित हैं और अनेक घरों के लोगों को पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। वहीं उपायुक्त निर्देश पर निर्देश देते जा रहे हैं पर कोई सुनवाई नहीं हो रहा है। इस प्रकार के मनमाना वहीं कर सकता है जिसका पहुँच हो। सूत्रों के अनुसार, ठीकेदार का पहुँच झारखण्ड सरकार के मंत्रालय तक पहुँच की बात बताया जा रहा है। जिसके कारण ही इसपर कार्रवाई नहीं किया जा रहा है। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने बताया कि इस बार भी ठीकेदार को निर्देश दिए हैं और साथ ही, उपर के अधिकारियों को इसकी लिखित जानकारी दिया गया है। और जल्द से जल्द शहर वासी के लिए लाभ पहुँचाने का काम करें। हालांकि खूँटी में दो उपायुक्त बदल गये और तीसरे उपायुक्त के कालक्रम में भी काम अबतक पूरा नहीं हो सका है। भगतसिंह चौक निवासी देवजीत देवघरिया ने बताया कि शहरी जलापूर्ति योजना खूँटी शहर के लिए महत्वपूर्ण योजना है लेकिन नगरपंचायत की उदासीनता के कारण आजतक यह योजना का काम पूरा नहीं हो पाया है। जिला प्रशासन भी इसपर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। वहीं योजना के नाम सरकारी मदों का ठीकेदारी करके बंदरबाँट करने का काम किया जा रहा है। जिसपर कोई राजनीतिक पार्टी संज्ञान नहीं ले रही है। वहीं महिलाओं व पुरुषों ने बताया कि दिन में गर्मी रहती है, लू हवा चलता है। और काम में जाना पड़ता है तो पानी के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

मतदान को सभी लोग समझें अधिकार, 13 मई को अवश्य करें मतदान : उपप्रमुख

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले की मुरहू प्रखंड स्थित कोड़ाकेल हरिजन कॉलोनी में प्रखंड उपप्रमुख अरुण साबू की अगुवाई में मंगलवार को मतदाता जनजागरण कार्यक्रम किया गया। इस दौरान लोगों के समस्याओं को भी सुना गया। मौके पर लोगों से मतदान करने और मतदान कराने की चर्चा की गयी। वहीं अनेक लोगों को ये पता नहीं था कि लोकसभा चुनाव है या विधानसभा चुनाव वहीं उन्हें जानकारी दिया गया कि यह लोकसभा के लिए आम चुनाव होनेवाला है। इसलिए आगामी 13 मई को ,भी मतदान करने पहुँचें। वहीं लोगों ने इसका फायदा की जानकारी लेना चाहा। जिन्हें उपप्रमुख ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन में सांसद के रुप में प्रतिनिधि चुनकर जनता भेजती है। वहीं बहुमत दल का नेता प्रधानमंत्री बनता है। जहाँ देश के लिए अभूतपूर्व निर्णय लिया जाता है। कानून बनाने के लिए विषय को वहीं से पारित किया जाता है। देश विकास करे, देश सुरक्षित हो और देश के लिए राज्यों को फण्ड मुहैया कराया जाता है। जिसे राज्य सरकार को उसके योजना को सही तरीके से कराना कर्तव्य होता है। अरुण साबू ने कहा कि इसका उदाहरण है कि जिस प्रकार नल जल योजना भारत सरकार की योजना है। लेकिन राज्य सरकार के कर्मी इस कार्य को कराते हैं। जिसे सही तरीके से काम कराना उचित होता है। लेकिन ऐसा नहीं होता है। इसलिए गलत मंसूबों वाले को नहीं बल्कि सबका साथ सबका विकास चाहने और करनेवाले को भेजना चाहिए ताकि विकास हो सके। मौके पर , उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड सभी लोगों का होना चाहिए। ताकि उसका लाभ सभी को मिले। उन्होंने अपना मोबाईल नम्बर देते हुए कहा कि किसी भी कार्य कराने के लिए किसी कर्मचारी को पैसा देना नहीं है। अगर कोई मांगते हैं तो अवश्य जानकारी दें। वहीं प्रखण्ड मुख्यालय में किसी भी तरह का काम हो तो बेझिझक बताएँ ।

भयमुक्त वातावरण में हो लोकसभा निर्वाचन, ऐसा होगा व्यवस्था

बिभा संवाददाता

खूँटी ।लोकसभा (आम) निर्वाचन 2024 के निमित्त समाहरणालय सभागार में मंगलवार को प्रत्याशी एवं उनके प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। बैठक में निवार्ची पदाधिकारी, 11 - खूंटी (अ.ज.जा.) लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा, सामान्य प्रेक्षक दोरजे चेरिंग नेगी, पुलिस प्रेक्षक, डॉ0 मनोज कुमार एवं व्यय प्रेक्षक, एस. आर. नेदुमारन विशेष रूप से उपस्थित थे। इस दौरान बताया गया कि सभी प्रतियाशियों को मतदान केंद्रों की सूची उपलब्ध कराई जा चुकी है। सभी प्रत्याशी अपने इलेक्शन एजेंट प्रतिनियुक्ति करें, जिनके द्वारा जारी दिशा निदेर्शों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाना है। बूथ लेवल एजेंट की सूची जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही वैसे संबंधित रेट चार्ट उपलब्ध कराया जा रहा है जिसके आधार पर प्रत्याशियों के व्यय गणना होगी। इसके अतिरिक्त व्यय से संबंधित 2 मई, 6 मई एवं 10 मई को रजिस्टर का मिलान डीआरडीए सभागार में पूर्वाहन 10:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक किया जाएगा। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा प्रत्याशियों को आवश्यक प्रपत्रों के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि आगामी 1 मई को द्वितीय रेंडमाइजेशन किया जाएगा।

लोकसभा आम निर्वाचन में आवश्यक सेवा में लगे अनुपस्थित मतदाता (अब्सेंटी वोटर्स) को डाक मतपत्र (पोस्टल बैलट) द्वारा मतदान की सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर विशिष्ट बिंदुओं पर जानकारी दी। जिले में 2 मई से 10 मई से इससे संबंधित प्रशिक्षण एवं सुविधा केंद्र के लिए बिरसा कॉलेज एवं लोयला इंटर कॉलेज के स्थलों को चयनित किया गया है, इसमें इलेक्शन एजेंट उपस्थित रहें।साथ ही सर्विस वोटर एवं होम वोटिंग को लेकर जानकारी दी गई। पोस्टल बैलेट के द्वारा अब्सेंट वोटर्स सीनियर सिटीजन) एवं अब्सेंटी वोटर्स पर्सन विथ डिसेबिलिटी मतदाता के द्वारा मतदान हेतु गठित प्रखण्डवार निर्वाचन समूह के संबंध में बताया गया। उन्होंने बताया कि इन कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवस्था करते हुए दिशा निदेर्शों का पूर्ण रूप से अनुपालन किया जाएगा, इसमें आपके इलेक्शन एजेंट उपस्थित रहकर कार्यों का अवलोकन करें। इसके अतिरिक्त सुविधा पोर्टल की जानकारी भी दी। साथ ही बीएलओ द्वारा मतदाता सूचना पर्ची का वितरण किया जा रहा है है, इसमें सभी बूथ लेवल एजेंट उपस्थित रह सकते हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 के निमित्त 58 तमाड़ (अजजा) विधानसभा क्षेत्र के चार मतदान केन्द्रों के क्षेत्र के संबंध में चर्चा कर जानकारी दी गई। सामान्य प्रेक्षक दोरजे चेरिंग नेगी ने कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान को लेकर सभी प्रयास किए गए हैं। साथ ही द्वारा सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं भयमुक्त वातावरण में मतदान कराने को लेकर की गई तैयारी की जानकारी दी। साथ ही व्यय प्रेक्षक द्वारा व्यय संबंधित विषयों पर विभिन्न रेजिस्टरों की जानकारी दी। साथ ही बताया गया कि सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक एवं व्यय प्रेक्षक से समस्याओं संबंधित संपर्क किया जा सकता है।

खूँटी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में सात उम्मीदवार, सभी को मिले चुनाव चिन्ह

बिभा संवाददाता

खूँटी । इस बार खूँटी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सात उम्मीदवार चुनावी मैदान में अपनी जीत का जंग लड़ेंगे। इस बार 16 लोगों ने नामांकन पर्चा भरा था जिसमें नौ लोगों का नामांकन रद्द होने के बाद आज नाम वापसी का दिन था। लेकिन किसी भी उम्मीदवारों ने नामांकन वापसी नहीं लिया?। वहीं उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी लोकेश मिश्रा ने सोमवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में प्रेस वार्ता करके बताया कि सभी उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आर्वंटित कर दिए गए हैं। जिसमें तीन राष्ट्रीय पार्टी के उम्मीदवार हैं। जबकि चार निर्दलीय व क्षेत्रीय उम्मीदवार हैं। राष्ट्रीय दलों में भाजपा के अर्जुन मुण्डा को कमल छाप, कांग्रेस के कालीचरण मुंडा को हाथ छाप और बहुजन समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार सावित्री देवी को हाथी छाप का चुनाव चिन्ह मिला। जबकि क्षेत्रीय पार्टी झारखण्ड पार्टी की उम्मीदवार अर्पणा हंस को फल भरा टोकरी, भारत आदिवासी पार्टी की बबीता कच्छप को हॉकी गेंद और निर्दलीय प्रत्याशी पास्टर संजय कुमार तिर्की को एयर कंडीशनर और निर्दलीय उम्मीदवार बसंत कुमार लोंगा को अलमारी चुनाव चिन्ह प्रदान किया गया। इस तरह अब खूँटी लोकसभा क्षेत्र के लिए अब मात्र सात प्रत्याशी चुनाव मैदान में रह गये हैं। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने बताया कि सभी को चुनाव चिन्ह मिल गया है। जिसमें सभी उम्मीदवारों को दिशा निर्देश दिया गया है। वहीं निर्वाचन के लिए वाहनों की भी जिला प्रशासन व्यवस्था की है।

आखिर कब तक मजबूर रहेगा मजदूर

मजदूर दिवस पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा

हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारे मजदूरो के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बाते लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरो के भले के लिये काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में ही अच्छा लगता है हकीकत इससे कहीं उलटी हैं।

श्रमिक अपना श्रम बेचकर न्यूनतम वेतन प्राप्त करता है। यही कारण है कि पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। इसलिए यह दिन अंतरराष्ट्रीय श्रमिक संघों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए है। इस प्रकार, यह समाज में उनके योगदान की सराहना करने और उसे पहचानने का एक विशेष दिन हैं। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर आज तक तो कहीं ऐसा हो नहीं पाया है।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। हमारे देश में मजदूरों का शोषण आज भी जारी है। समय बीतने के साथ मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है।

मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2024 की थीम है सामाजिक न्याय और सभी के लिए सभ्य कार्य। इसके अलावा भी कई बिंदुओं को रखा गया है। इस थीम का उद्देश है मजदूरों की गरिमा का ख्याल रखना और उन्हें शांतिपूर्ण कामकाजी वातावरण प्रदान करना।

महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझे। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। हमारे देश की सरकार भी मजदूर हितों के लिए बहुत बातें करती है। बहुत सी योजनाएं व कानून बनाती है। मगर जब उनको अमलीजामा पहनाने का समय आता है तो सब इधर-उधर ताकने लग जाते हैं। मजदूर फिर बेचारा मजबूर बनकर रह जाता है।

गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने ह्यकाम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध

निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था।

मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है।

भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरूआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगरावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 मुल्कों में पहली मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

हमारे देश केमजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं।

बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है।

हमारे देश में आज सबसे ज्यादा काई प्रताड़ित व उपेक्षित है तो वो मजदूर वर्ग है। मजदूरो की सुनने वाला देश में कोई नहीं हैं। कारखानो में काम करने वाले मजदूरो पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनकी छटनी कर काम से हटा दे। कारखानो में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है। विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानो में श्रम विभाग के मापदण्डो के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है।

कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरो को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है। मालिको द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है। मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनो को मजदूरो की बजाय मालिको की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियने अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है।

हमारे देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी-रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को तो दो जून की रोटी मिल जाए तो मानों सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालो में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले हैं तो फिर श्रमिक वर्ग किस लिये मजदूर दिवस मनाये।

हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारे मजदूरो के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बाते लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरो के भले के लिये काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में ही अच्छा लगता है हकीकत इससे कहीं उलटी हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

दोहराइए आरक्षण रहेगा

आरक्षण एक बार फिर चुनाव मैदान में है। अंतर केवल इतना है कि अबकी इसे लालू प्रसाद ने नहीं, कांग्रेस ने लाया है। इसके नेता राहुल गांधी अपनी चुनावी सभाओं में भाजपा और उसके नेता नरेन्द्र मोदी को आरक्षण मिटाने वाला गैंग कह रहे हैं। इससे भाजपा आत्मरक्षात्मक मुद्रा में आ गई है। उसे 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में मिली चोट ताजा हो गई है। तब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने चुनाव-बीच आरक्षण की समीक्षा की बात कर चौंका दिया था। यद्यपि संविधान में इसका जिक्र है कि 15 साल बाद इसकी समीक्षा की जाएगी और उस आधार पर हटाया भी जा सकता है, लेकिन संसद सर्वसम्मत से इसे आगे बढ़ाती रही है। यह मान लिया गया है कि भारतीय समाज इस उन्नत दशा में नहीं पहुंचा है कि आरक्षण की समीक्षा की जाए। इसे ध्यान में रखकर ही भागवत के बयान पर सफाई दी गई और दिलाई भी गई। पर राजद नेता लालू प्रसाद ने बड़ी कुशलता से मतदाताओं का रुख बदल दिया था। भाजपा बिहार में कमांडर होते-होते रह गई थी। इस बार भी कांग्रेस के प्रचार से ऐसे परिणाम के आसार नजर आ रहे हैं। जब 2024 के चुनाव में, नरेन्द्र मोदी की भाजपा ने 'अबकी बार 400 पार' का नारा दिया तो विपक्ष ने, इतनी सीटों को संविधान बदलने, लोकतंत्र नष्ट करने के उसकी 'हवस' से जोड़ दिया। इसमें भाजपा के कुछेक अदूरदर्शी नेताओं के बयान-भाषणों ने भी कांग्रेस का साथ दिया। आरक्षण पर आरएसएस का शुरू से ही एक रिजर्वेशन रहा है। इसलिए जब भी ऐसी चर्चा होती है, संघ के स्थापना काल का नजरिया सामने आ जाता है। भागवत इससे इनकार करते हैं। यह सच है कि मोदी का मौजूदा मंत्रिमंडल आरक्षण के व्यवहारतः निर्वाह का सुंदर प्रमाण है। यह स्वतंत्र भारत का ऐसा पहला मंत्रिमंडल है। खुद मोदी ओबीसी हैं। फिर भारतीय राजनीतिक चेतना के मौजूदा स्तर को देखते हुए संविधान, चुनाव या लोकतंत्र तथा आरक्षण को खारिज करने की किसी दल की हिमाकत, उसकी सियासी खुदकुशी होगी। इसके लिए कौन दल तैयार होगा? आरक्षण, संविधान और लोकतंत्र सब रहेगा। यह बिल्कुल प्रचार के लिए प्रचार की बात है। इसमें वह कांग्रेस अपरहैंड है। भाजपा सफाई तो दे रही है पर इसका प्रतिकारी विमर्श कम बना रही है। कांग्रेस के मैनिफेस्टो, उसके विज्ञापन एवं उसके नेताओं के मुद्दे भाजपा के लिए एक छटपटाहट पैदा करते हैं। एक दशक धुआंधार कार्यक्रम चलाने वाली सत्ताधारी पार्टी के पास विपक्ष को घेरने के मुद्दे में टटकापन नहीं है।

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

मोबाइल की आभासी दुनिया में खोता बालमन

सोशल मीडिया पर आए दिन इस तरह की तस्वीर देखने को मिल जाएगी जिसमें ड्राइंग रूम में तो परिवार के लगभग सभी सदस्य बैठे हैं पर उनके बीच किसी तरह के संवाद की बात करना ही बेमानी होगा। सभी अपने-अपने स्थान पर अपने मोबाइल फोन में खोये मिलेंगे। खोये होने का मतलब साफ है कि कोई गेमिंग कर रहा होगा तो कोई इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्स ऐप या इसी तरह के किसी दूसरे ऐप पर व्यस्त होगा। सवाल साफ है कि जो हम देखेंगे उसमें हमें पसंद भी वो ही आएगा जो अधिक ग्लैमरस होगा और यही कारण है कि गेमिंग, चैटिंग या फिर रील्स बनाने देखने में बच्चों से बड़े तक व्यस्त मिलेंगे।

इसके साथ ही गेमिंग जहां बच्चों-बड़ों को लालच दिखाकर एक तरह से जुआरी बना रही है वहीं कुछ गेम तो इस कदर हानिकारक रहे हैं कि उन्हें फॉलों करते करते बच्चों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। सोशियल मीडिया, ओटीटी व गेमिंग के साथ ही गूगल बाबा सहित खोजी चैनलों, डिजिटल प्लेटफार्म खोजी सामग्री तो कोई समाचार देखते-देखते ही कितने तरह के विज्ञापन सामने आ जाते हैं उनमें कई बार तो लगभग प्रोन जैसी सामग्री होने के बावजूद मजे से परोसी जाती रहती है और उसे बैन करने या सेंसर करने का कोई सिस्टम नहीं होने से उसका दुष्प्रभाव साफ देखा जाता है। भले ही सरकार द्वारा इस तरह के चैनलों, प्लेटफार्म, ऐप आदि पर रोक लगाने के लाख दावे किए जाते हों पर साफतौर से इस तरह की सामग्री आम है। इसके साथ ही इन प्लेटफार्मों पर परोसी जाने वाली सामग्री बच्चों तक नहीं पहुंचे या बालमन पर को प्रदूषित नही करे, इसकी कोई व्यवस्था नहीं होती है। जब इन प्लेटफार्मों पर हिंसा, यौन सामग्री, गेमिंग, संवेदनहीनता, तनाव, आत्महत्या या बदले की भावना प्रेरित करने वाली सामग्री परोसी जाएगी तो उसका प्रभाव से नकारा नहीं जा सकता। दरअसल यह विश्वव्यापी समस्या हो गई है और इसका समाधान समय रहते नहीं खोजा गया तो इसके जो दुष्परिणाम आएंगे व आने लगे हैं वे समाज के लिए भयावह होंगे, इस खतरे को समझना होगा। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि एक-दूसरे से तत्काल संवाद कायम करने का माध्यम स्मार्टफोन, सोशियल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री का सर्वाधिक दुष्प्रभाव बालक मन पर पड़ रहा है। तकनीक का इस तरह का दुष्प्रभाव संभवतः इतिहास में भी पहले कभी नहीं रहा है। दरअसल आज हम हर समस्या का समाधान स्मार्टफोन और इंटरनेट को मानने लगे हैं। बच्चा रो रहा है या किसी बात के लिए जिद कर रहा है या चिड़चिड़ा हो रहा है तो माताएं या परिवार के कोई भी सदस्य बच्चे को चुप कराने या मनबहलाव और खास यह कि बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल संभला देते हैं। जबकि मोबाइल के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। अमेरिका में पिछले दिनों हुए एक सर्वे में सामने आया कि मोबाइल फोन, टैबलेट, वीडियो गेम या अन्य इस तरह के साधन के उपयोग से बच्चे गुस्सैल होते जा रहे हैं। बच्चों द्वारा स्कूल में गोलीबारी सहित एक-दूसरे से मारामारी-हाथापाई व इस तरह की घटनाएं आम होती जा रही है। मारधाड़, हमेशा गुस्से में रहने, तनाव में रहने और जिद्दी होना आज आम होता जा रहा है। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि शहरी बच्चे, गेमिंग, सोशियल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा है। हमेशा तनाव, डिप्रेशन, आक्रामकता, गुस्सैल, बदले की भावना आदि आम है। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आ जाती है। यह असर कमोबेश लड़कों और लड़कियों दोनों में ही समान रूप से देखा जा रहा है। यह कोई हमारे देश की समस्या हो, ऐसा भी नहीं हैं अपितु दुनिया के लगभग सभी देशों में यही हो रहा है। अमेरिका में किए गए एक अध्ययन में भी यही उभर कर आया है। कोई दोराय नहीं कि विकास समाज की आवश्यकता है। स्मार्ट फोन व इंटरनेट की दुनिया का अपना महत्व है। पर इनके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। प्लेटफार्मों पर चाइल्ड लोक की बात भी की जाती है पर चाइल्ड लोक कितना कारगर है यह हम सब अच्छी तरह से जान और समझ सकते हैं। मजे की बात तो यह है कि मोबाइल फोन, टैब, कम्प्यूटर, सोशियल मीडिया प्लेटफार्म आदि के फीचर्स व उपयोग का तरीका बड़ों से ज्यादा बच्चों को आता है। यहां तक कि प्ले ग्रुप के बच्चे को भी यह जानकारियां होने लगी हैं। ऐसे में इन पर परोसी जाने वाली सामग्री को सेंसर करने या इससे बच्चों और बालपन को दूर रखने की बात बेमानी होती जा रही है। समाज विज्ञानियों, मनोविश्लेषकों, चिकित्सकों यहां तक शिक्षाविदों के सामने यह गंभीर चिंतनीय चुनौती सामने आ रही है। आज बच्चे के सामने दो विकल्प एक मोबाइल फोन या सोशियल मीडिया पर सफरिंग और दूसरा परिवार के साथ गप्पे लड़ाना या आउटडोर गेम्स जैसा विकल्प होगा तो बच्चे की पहली पसंद मोबाइल फोन व सोशियल मीडिया पर सफरिंग ही होती जा रही है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है और दूसरा यह कि गरीब हो या अमीर सभी घर परिवारों के हालात लगभग यही है। दरअसल आज समय के बदलाव को इस तरह से समझा जा सकता है कि तीन से चार दशक पहले मोहल्ले में एक फोन होता था, ट्रंक काल में तो घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी वहीं फिर एसटीडी का युग आया और एसटीड़ी बूथों का अंबार लग गया उसके बाद पेजर युग को अलग कर भी दिया जाए तो मोबाइल युग ने घर-घर ही नहीं अपितु परिवार के

लगभग सभी सदस्यों तक पहुंच बना ली है। ऐसे में इसके लाभ के साथ ही साइड इफैक्ट जो हमारे सामने आ रहे हैं उनका समाधान खोजना भी सबका दायित्व हो जाता है। बच्चे को चुप कराने से लेकर उसे व्यस्त रखने तक के लिए मोबाइल की घुट्टी पिलाई जाने लगी है और लोरी की जगह मोबाइल ने ले ली है तो फिर हमें बालमन पर इसके पड़ रहे दुष्प्रभाव से दोचार होने के लिए तैयार रहना होगा। देखा जाए तो पूरा सामाजिक ताना-बाना ही बदल गया है। एकल परिवार, आने वाले समय में चाचा-चाची, मौसा-मौसी या इसी तरह के रिश्तों की तलाश आदि सामने आने लगी है। शादी विवाह आदि पारिवारिक फंक्शन तक अब औपचारिक होते जा रहे हैं। बारात के समय पहुंचना, खाना-खाना, लिफाफा थमाना तक रिश्ते सीमित हो गए हैं। ऐसे में समाज के सामने गंभीर समस्याएं आती जा रही हैं। ऐसे में मोबाइल या सोशियल मीडिया प्लेटफार्म आने वाली पीढ़ी को कहां ले जाएंगे यह भयावह तस्वीर कल्पना में नहीं अपितु हमारे सामने आती जा रही है। समय रहते विकास और विनाश के बीच कोई रास्ता तलाशना ही होगा।

– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रेडिमेड खाना : गुणवत्ता की गारंटी भी जरूरी

ऋतुपर्ण दवे

यूं तो सोशल मीडिया पर सचेत करते हुए कई वीडियो और दावे सामने आते रहते हैं, लेकिन कितने सच होते हैं, यह सामान्यतया कोई भी नहीं कह सकता। हालांकि कभी-कभी कोई ऐसा वीडियो सामने आ जाता है जो विचलित कर देता है और अक्सर लोग सच्चाई जाने बिना ही भरोसा कर बैठते हैं। ऐसा ही एक वीडियो बीते दिनों बहुत तेजी से वायरल हुआ जिसमें हरी टी शर्ट पहना एक छोटा बच्चा जो कि किसी मेले में दिख रहा है। एक दूकानदार से गिलास में कुछ लेता है जिसमें बहुत तेज सफेद और गाढ़ा धुआं निकलता है। बच्चा उसे पीता है और तुरंत पेट पकड़कर चीखने-चिल्लाने लगता है। बच्चे को तुरंत चिकित्सकीय मदद पहुंचाई गई। बहरहाल, वीडियो की सत्यता=असत्यता से परे हटकर सोचें तो अगर वाकई में ऐसा है तो हम सभी को गंभीरता से इस बारे में सोचने की जरूरत है।

वीडियो में दिख भी रहा है कि उस पर स्मोक बिस्किट लिखा है। आजकल ऐसे पदार्थ खाने को सजावटी आकार देने के साथ बच्चों में आकर्षण बढ़ाने के लिए बनाना आम हो गया है, जिनमें ड्राई आइस या लिक्विड नाइट्रोजन का अनुपातहीन उपयोग आम सा हो गया है। भारत में इसका तेजी से पार्टियों या पिकनिक, मेलों में चलन बढ़ रहा है। वास्तविकता यह है कि बच्चा दावणगेरे में परिजनों के साथ एक प्रदर्शनी में गया था और उसने वहां पर एक स्टॉल से स्मोक बिस्किट लिया और उपयोग करते ही उसकी तबीयत बिगड़ गई। सुकून की बात है कि वीडियो के जरिए फैलाई जा रही मौत की बातें अफवाह निकली, लेकिन इस वीडियो ने कई सवाल जरूर पैदा कर दिए। क्या आम दावतों, पार्टियों, चौपाटियों या चाट, पकौड़े, आईसक्रीम या ठण्डाई के नाम पर बिना किसी स्वीकृति के कुछ भी उपयोग की इजाजत है? और क्या भारत में कहीं भी कोई अपनी मनमर्जी से स्वाद या आकर्षण बढ़ाने के लिए किसी भी प्रतिबंधित, घातक या अनुपातहीनमात्रा में मसाले, रसायन खाने में उपयोग कर सकते हैं? इस पर लोग कितना जागरूक हैं? स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह ऐसी चीजों के इस्तेमाल का क्या कोई तय पैमाना है और है तो इसका कैसे हो? सबको पता है कि पूरे देश में चाहे गांव, कस्बा, महानगर हर कहीं बाजार में तैयार खाने का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। देश में रेस्टॉरेन्ट, होटल और ढाबों में लोगों के शौकिया आना-जाना भी खूब बढ़ा है।

आउटिंग या बाहर खाने के चलन ने ऑनलाइन फुड को एक नई इंडस्ट्री की शक्ल दे दी, लेकिन सवाल यही कि आखिर बाजार में बिकने वाला रेडीमेड खाना स्वास्थ्य के लिहाज कितना मुफीद है? क्या इस तरह के खाना बनाने वाले ठिकानों और सप्लाई के लिए पहुंचाने के दौरान बनाने और खाने वालों के बीच खाने की गुणवत्ता में बदलाव या स्तरहीनता को परखने का कोई तंत्र है? शायद नहीं और हो भी तो लोगों ने कभी बीच सड़क खाने की जांच होते या सैम्पलिंग देखी नहीं। ऐसे सवाल उठने वाजिब हैं। सड़कों के किनारे ढाबे हों या बीच शहर के होटल या स्ट्रीट फूड की जगहें। कभी यहां नियमित जांच होती हैं या हुई लोगों को ध्यान नहीं आता। निश्चित रूप से ऐसी निगरानी उस क्षेत्र के जिला प्रशासन के अधीन होती हैं, लेकिन सवाल वही कि इस पर अमल कैसा होता है? जिस तेजी से बाहर खाने का चलन बढ़ रहा है और तैयार खाने का ऑनलाइन कारोबार बढ़ रहा है जो उद्योग की शक्ल अख्तियार कर रहा है।

तमाम तरह के टैक्स के दायरे में भी आता है परन्तु गुणवत्ता को लेकर किस तरह के निर्देश हैं या अमल करना है इस पर आम लोगों को कुछ पता नहीं होता। समय के साथ अब इस बात पर भी सख्त कानून बने और पालन में भी कठोरता की जाए ताकि रेडीमेड फूड उद्योग भी एक पारदर्शी निगरानी व्यवस्था के दायरे में आए। बना बनाया या बनाकर खाने के बेचने या पैक कर घर-घर पहुंचाने का रिटेल या थोक कारोबार हो या स्ट्रीट वेन्डर से लेकर पांच सितारा होटलें इनकी गुणवत्ता की जांच के लिए हर कहीं सूचना पटल हों। महानगरों, शहरों और दूकानों में बड़े-बड़े होर्डिंग, बैनर या पोस्टर अनिवार्य हों, जिनसे लोगों की इस बारे में जागरूकता बढ़े। हर दुकानदार, खाने की सामग्री बेचने वाले ठिकानों पर उस क्षेत्र के स्थानीय नियंत्रणकर्ता एजेंसी की जानकारी तथा संपर्क

सूची भी लगाई जाए जहां पर गुणवत्ता में दोष की शिकायत की जा सके।

इतना ही नहीं विशेष परिस्थितियों में खाने के सैंपल को जांचने के लिए स्थानीय सरकारी विभाग भी तत्पर रहे। अब तक ऐसे गंभीर मामले या तो पुलिस के पास पहुंचते हैं या फिर हीला-हवाली में ही अपराध के बावजूद अनदेखे रह जाते हैं। खाने में कीड़े, कॉकरोच मिलने या खाकर बीमार पड़ने की शिकायतें तो सामने आती हैं, लेकिन कभी कोई कार्रवाई हुई हो ज्यादातर पता नहीं चल पाता। जिस तेजी से बने बनाए खाने के चलन के साथ बाहर खाने का रिवाज बढ़ रहा है उससे इस कारोबार पर भी बहुत कड़ी निगाह रखे जाने की जाने की जरूरत है। इसके लिए ऐसे कानून की जरूरत है जो देशव्यापी हो और सबको पता हो ताकि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ के मामले बढ़ने से पहले ही नियंतग्रमें रहें और जनस्वास्थ्य को बड़ी चुनौती का बेखौफ रिवाज जैसा चलन भी न पनप पाए।

भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है और इसकी संपत्ति के सबसे बड़े स्रोतों में से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है- भूमि की पैदावार। देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका योगदान सकल घरेलू उत्पाद का 29.4 प्रतिशत है। इससे करीब 64 प्रतिशत सेवा क्षेत्र जुड़ा है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में वर्ष दर वर्ष कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है।

कृषि विज्ञान में कॅरियर की संभावनाएं

कृषि विज्ञान आधारित उच्च प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इसमें रोजगार संभावनाएं हैं। पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर, पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, बिक्री व्यावसायिक, खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि के रूप में कृषि क्षेत्र में करियर बनाया जा सकता है।

कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृषि शिक्षा और पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है। कृषि विज्ञान के प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान भाग हैं, जिन्हें कृषि के व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस क्षेत्र में उत्पादन तकनीकें जैसे सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित नाइट्रोजन इनपुट्स गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन में सुधार, प्राथमिक उत्पादों का अंतिम- उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन, विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम तथा सुधार जैसे मिट्टी निम्नीकरण, कचरा प्रबंधन, जैव-पुनः उपचार सैद्धांतिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग से संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कहा जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण-पोषण करती है। ये परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृषि की बजाय ज्यादा प्राकृतिक रिस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन का स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्षा ज्यादा दीर्घकालिक होती हैं

न घबराएं ग्रुप इंटरव्यू से

सिंगल इंटरव्यू की बजाय आजकल कंपनियां ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट ज्यादा पसंद कर रही हैं। इसमें रिक्रूटिंग मैनेजर्स का बोर्ड कैंडिडेट का इंटरव्यू लेता है। अगर आप कुछ बातों का ख्याल रखें, तो इसे आसानी से क्लियर कर सकते है। नए फाइनैंशल ईयर में तमाम कंपनियां अपने रिक्रूटिंग प्रोसेस को फिर से शुरू करने की प्लानिंग कर रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों कुछ ऑर्गनाइजेशंस ने काफी संख्या में रिक्रूटमेंट करने के संकेत भी दिए थे। हालांकि अब कंपनियां वन बाई वन इंटरव्यू की बजाय ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट फॉलो कर रही हैं। इसके पीछे कंपनी के पास तमाम रीजन हैं। उनका मानना है कि इस तरह के इंटरव्यू में कम टाइम लगता है, क्योंकि एक कैंडिटेट को एक साथ तमाम लोग परखते हैं। अगर एक इंटरव्यूअर एक कैंडिडेट का इंटरव्यू करने में आधा घंटे का वक्त लगाता है, तो उनका ग्रुप कुछ मिनटों में ही कैंडिडेट की एबिलिटी जांच लेता है। इसके अलावा, मैनेजर्स के ग्रुप के पास कैंडिडेट के बारे में डिस्कस करने का भी ऑप्शन होता है, जबकि अकेले इंटरव्यूअर के पास ऐसा कोई ऑप्शन नहीं होता।

करना होगा कुछ खास

बेशक, वन बाई वन इंटरव्यू और ग्रुप इंटरव्यू में कोई बहुत ज्यादा फर्क नहीं होता, बावजूद इसके कैंडिडेट्स को इस नए कॉन्सेप्ट के लिए कुछ खास तैयारियां करने की जरूरत होती है। एक्सपर्ट्स की अगर मानें, तो ग्रुप इंटरव्यू को बिजनेस मीटिंग की तरह ट्रीट करना चाहिए। आपको यह मानना चाहिए कि वहां इंटरव्यूअर आपके क्लाइंट हैं। बेशक, इस खास तरह के इंटरव्यू में आपका सामना न सिर्फ अलग-अलग तरह के लोगों से होगा, बल्कि वे आपसे असहमत भी हो सकते हैं। हालांकि अगर आप कुछ रूल्स को फॉलो करें, तो आप इसे क्लियर करके जॉब हासिल कर सकते हैं।

बैंकिंग सक्सेस के लिए जीके भी जरूरी

जीके या जनरल अवेयरनेस के बिना आप कोई भी कॉम्पिटीटिव एग्जाम पास करने की सोच भी नहीं सकते। बैंकिंग एग्जाम्स के लिए भी यही बात लागू होती है। जनरल अवेयरनेस के तहत इकॉनमी, जियोग्राफी, हिस्ट्री, स्पोर्ट्स आदि सब्जेक्ट्स काफी अहमियत रखते हैं और एग्जाम्स में इनसे ही संबंधित नेशनल और इंटरनेशनल लेबल के सवाल ज्यादा पूछे जाते हैं। दायरा बड़ा या यूं कहें कि अनलिमिटेड होने के कारण इस सब्जेक्ट की तैयारी करना हर किसी के लिए बड़ी चुनौती होती है। सवालों को लेकर कयास भी नहीं लगाए जा सकते हैं। कहीं से कुछ भी पूछा जा सकता है। बैंक एग्जाम्स की बात करें तो इस सब्जेक्ट का फोकस उन टॉपिक्स पर ज्यादा होता है, जिनका बैंकिंग और इकॉनामी से वास्ता होता है क्योंकि बैंकिंग सेक्टर में काम करने वालों का इनसे ही वास्ता पड़ता है और एग्जाम में यही देखा जाता है कि इनमें स्टूडेंट्स की कितनी समझ है? वैसे तो इस सब्जेक्ट की तैयारी के बाद कोई यह नहीं कह सकता कि उसने सब कर लिया है, लेकिन अपने आप को देश-दुनिया की घटनाओं से अपडेट रख अपने लिए जमीन जरूर तैयार कर सकते हैं।

आपकी सफलता बहुत हद तक जनरल अवेयरनेस पर डिपेंड करती है। इसकी कई वजहें हैं। अव्वल तो यह कि हर एग्जाम में इसके अंक काफी होते हैं। दूसरा यह कि जनरल अवेयरनेस के सवालों को हल करने में बहुत ही कम समय लगता है। इसलिए आप इस सेक्शन में समय बचा कर अन्य सेक्शन में लगा सकते हैं। एग्जाम में भी इस सेक्शन को पहले करने की जरूरत होती है। जो लोग पहले दूसरे सेक्शन करते हैं, वे अक्सर समय न मिलने के कारण सवाल छूटने की शिकायत करते हैं। अन्य सेक्शन में अच्छा होने और अच्छा करने के बावजूद बहुतों के लिए एग्जाम में फेल होने का यह भी एक कॉमन रीजन है।

इकॉनामी और फाइनेंस

बैंकों के एग्जाम के लिए जनरल अवेयरनेस की तैयारी कर रहे हैं तो फोकस इकानॉमी और फाइनेंस पर ही रखें। आपसे कुछ भी पूछा जा सकता है। वर्ल्ड बैंक और एडीबी से लेकर रिजर्व बैंक तक के बारे में। नामी कंपनियों और उनके प्रदर्शन से भी खुद को वाकिफ रखें। बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में इस्तेमाल होने वाले टर्म और शब्द संक्षेप पर भी पकड़ बनाएं। हिस्ट्री, पॉलिटिक्स और खेल की भी अच्छी तैयारी रखनी चाहिए।

रेग्युलर बनें

जनरल अवेयरनेस की तैयारी को काफी लोग हल्के में लेते हैं। लोग मान लेते हैं कि बैंक के लिए रीजनिंग और मैथ्स अहम है, जनरल अवेयरनेस नहीं। लेकिन ऐसा नहीं है और यह भी नहीं है कि आप इस सब्जेक्ट की तैयारी थोड़े दिनों में कर सकते हैं। सबसे पहले तो जरूरत है चीजों को समझने की। अगर बैंकिंग और फाइनैंस के टर्म्स आप समझ जाएंगे तो बाद में आसानी से खुद को अपडेट रख सकते हैं। किसी अन्य चीज की तरह इस सब्जेक्ट में अच्छा करने के लिए भी नियमितता जरूरी है। करंट अफेयर्स से खुद को अपडेट रखने का रूटीन बनाएं इसलिए तैयारी अडवांस में ही शुरू कर देनी चाहिए। ऐसा करते खुद और दूसरों में अंतर देख सकते हैं। खुद को अपडेट रखने के लिए सबसे पहले तो न्यूज पेपर्स का सहारा लें। इसके अलावा करंट अफेयर की एक दो अच्छी पत्रिका भी नियमित रूप से पढ़ें। जनरल अवेयरनेस के सवालों का जायजा आप पिछले एग्जाम्स के सवालों से ले सकते हैं। एक और बात भी ठीक तरह समझ लें कि जनरल अवेयरनेस की तैयारी के लिए आप किसी एक बुक के सहारे नहीं रह सकते हैं। बाजार में हर जरूरत के हिसाब से काफी पुस्तकें और मैगजींस आ रही हैं। आप उनमें से कुछेक के नियमित पाठक बन सकते हैं। इस क्रम में समाचार चैनलों और इंटरनेट का भी सहारा लिया जा सकता है। नेट पर भी अब हिंदी और इंग्लिश, दोनों भाषाओं के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में भी काफी कुछ उपलब्ध है।

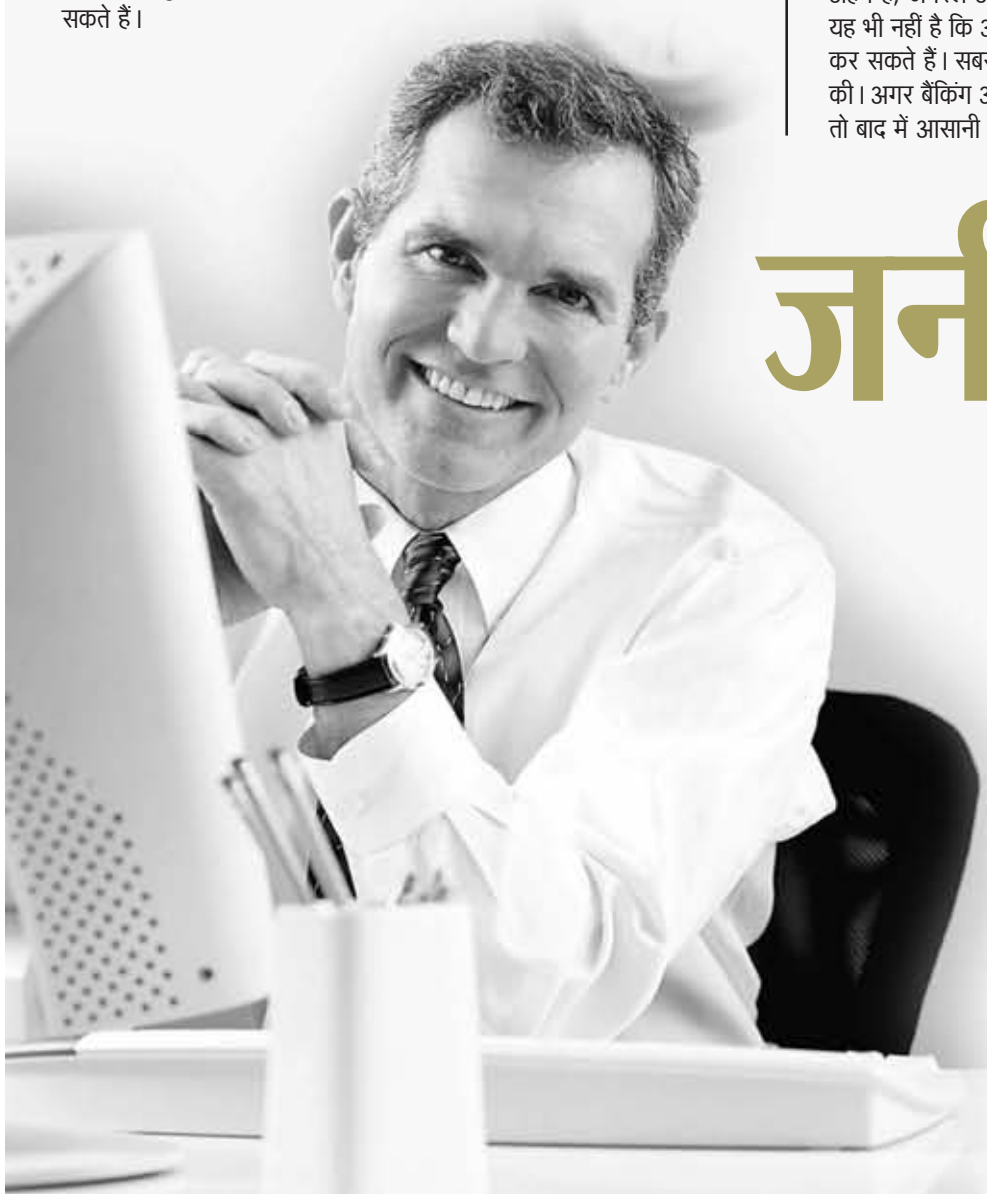

जर्नलिज्म, बेस्ट कॅरियर

इन दिनों ज्यादातर युवाओं के लिए मीडिया आकर्षक कैरियर बनता जा रहा है। यदि लिखने-पढ़ने के शौकीन हैं और आपकी कम्युनिकेशन स्किल बढ़िया है, तो मीडिया आपके लिए बेस्ट कैरियर साबित हो सकता है।

दरअसल, आज मीडिया का काफी विस्तार हो चुका है। न केवल अखबार, टीवी और रेडियो, बल्कि इंटरनेट, मैग्जींस, फिल्म भी इसके विस्तारित क्षेत्र हैं। करेंट इवेंट्स, ट्रेंड्स संबंधित इन्फॉर्मेशन कलेक्ट करना, एनालाइज करना आदि जर्नलिस्ट के मुख्य काम हैं।

ज्यादातर इंस्टीट्यूट्स एंट्रेंस एग्जाम आयोजित करते हैं। इसमें रिटेन टेस्ट, इंटरव्यू और ग्रुप डिस्कशन भी होता है। लिखित परीक्षा में स्टूडेंट्स के राइटिंग स्किल्स, जेनरल अवेयरनेस, एनालिटिकल एबिलिटी और एप्टीट्यूड की जांच की जाती है। एमसीआरसी के ऑफिशिएटिंग डायरेक्टर ओबेद सिद्दीकी के अनुसार, एंट्रेंस एग्जाम के लिए कोई विशेष तैयारी नहीं करनी होती है। टेस्ट के माध्यम से एप्लीकेंट के सोशल, कल्चरल और पॉलिटिकल इश्यू संबंधित ज्ञान को परखा जाता है।

करेंट अफेयर्स की जानकारी एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म के प्रोफेसर संपत कुमार कहते हैं कि जर्नलिज्म के लिए जरूरी तत्व है- करेंट न्यूज पर आपकी पकड़। ऐसे कैंडिडेट ही अच्छे जर्नलिस्ट बनते हैं, जिन्हें न्यूज की अच्छी समझ होती है और जिनकी राइटिंग स्किल बढ़िया होती है। साथ ही, उनका अपने पेशे के प्रति कमिटमेंट होना भी जरूरी है। दरअसल, किसी भी खबर का विश्लेषण कर उसे सरल रूप में पेश करना ही मास कम्युनिकेशन का मुख्य उद्देश्य होता है। यदि आप इस पेशे में सफल होना चाहते हैं, तो न्यूज पेपर्स, मैग्जींस और करेंट अफेयर्स संबंधित बुक्स जरूर पढ़ें।

इंटरव्यू है असली परीक्षा: दिल्ली यूनिवर्सिटी से जर्नलिज्म में बैचलर करने के बाद मैं पीजी करना चाहता था। मैं प्रतिदिन एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए दो लीडिंग न्यूजपेपर्स और कई मैग्जींस पढ़ा करता था। एंट्रेंस एग्जाम राइटिंग स्किल और सामयिक घटनाओं के प्रति आपकी जागरूकता की जांच के लिए किए जाते हैं। इसमें सफल होना आसान है। असली परीक्षा इंटरव्यूज के दौरान होती है। इस दौरान आपके न्यूज सेंस, कम्युनिकेशन स्किल और पेशेंस की भी जांच-परख होती है। यदि आप दब्बू किस्म के इंसान हैं या जल्दी अपना धैर्य खो देते हैं, तो आपको इस क्षेत्र में सफलता नहीं मिल सकती। इसलिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट नजरिया बनाना होगा कि आपका स्वभाव इस पेशे के अनुकूल है या नहीं।

खुद को सरकारी अधिकारी बता कारोबारी से 2 करोड़ की धोखाधड़ी की

ठाणे । महाराष्ट्र में नवी मुंबई के 42 वर्षीय एक कारोबारी से खुद को सरकारी अधिकारी बताने वाले एक व्यक्ति ने 2 दो करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। नवी मुंबई में नेरुल निवासी पीड़ित को कोविड-19 महामारी के दौरान कारोबार में नुकसान हुआ था। नेरुल पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि जनवरी 2021 में वह पड़ोसी मुंबई में पारेल निवासी आरोपी के संपर्क में आया जिसने खुद को केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय में एक उच्च अधिकारी बताया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने पीड़ित को यह दावा करते हुए कर्ज दिलाने का वादा किया कि उसकी एक बैंक के सीईओ से जान-पहचान है। उसने कर्ज के लिए एक संपत्ति गिरवी रखने का प्रस्ताव भी किया। पीड़ित ने उसे बताया कि उसके पास गिरवी रखने के लिए संपत्ति नहीं है। इसके बाद आरोपी ने उसे एक अन्य व्यक्ति के बारे में बताया जो कर्ज ले रहा है। उसने दावा किया कि वह व्यक्ति अपनी संपत्ति गिरवी रख सकता है और कर्ज की राशि दोनों के बीच समान रूप से वितरित हो सकती है। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने इस झांसे में आकर उसे 2 करोड़ रुपये दे दिए जो उसे पुणे मेट्रो परियोजना के लिए तेलंगाना के एक ठेकेदार से मिले थे। जब पीड़ित ने कर्ज मांग रहे दूसरे व्यक्ति और बैंक अधिकारी से मिलने के लिए कहा तो ठग ने उससे बात करना बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर नेरुल पुलिस थाने ने शनिवार को धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए भारतीय दंड संहिता के तहत आरोपी के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

स्मृति ईरानी के पास 8.75 करोड़, राजनाथ सिंह के पास 6.46 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी है

लखनऊ/अमेठी । रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से ज्यादा धन केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के पास है। इसका खुलासा सोमवार को दोनों के नामांकन के साथ दाखिल हलफनामे में हुआ। स्मृति के पास 8.75 करोड़ व राजनाथ सिंह के पास 6.46 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी है। राजनाथ सिंह की संपत्ति 8 साल में 40 फीसद बढ़ी है। वर्ष 2019 में उनकी संपत्ति 4.62 करोड़ रुपये की थी। अब यह बढ़कर 6.46 करोड़ रुपये हो गई है। लखनऊ से तीसरी बार चुनावी मैदान में उतरे राजनाथ सिंह ने अपने पास 75 हजार व पत्नी के पास 45 हजार की नकदी की जानकारी दी है। उनके पास 1 रिवॉल्वर और एक 2 नाली बंदूक भी है। साथ ही 4.20 लाख रुपये का सोना और 4 लाख के रत्न हैं। उनकी पत्नी के पास 52.50 लाख का सोना और 9.37 लाख की चांदी है। उनकी पत्नी के पास कुल 90.71 लाख की संपत्ति है। यही नहीं उनके खिलाफ कोई आपराधिक मुकदमा नहीं है। वहीं स्मृति जुबिन ईरानी की संपत्ति 8 करोड़ 75 लाख 24 हजार 296 रुपये है। उनके पति की कुल संपत्ति 8 करोड 81 लाख 77 हजार 790 रुपये है। 5 साल में उनकी संपत्ति 4 करोड़ 4 लाख 22 हजार 348 रुपये बढ़ी है। जबकि उनके पति की संपत्ति में भी 4 करोड़ 14 लाख 19 हजार 976 रुपये का इजाफा हुआ है। गौरतलब है कि स्मृति ईरानी अमेठी सीट से लगातार तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। वह 2014 के चुनाव में हार गईं थीं। इसके बाद 2019 के चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को हराया था। 2024 में भाजपा ने फिर उन्हें मैदान में उतारा है। जबकि कांग्रेस ने अभी अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है।

नाबालिग के माता-पिता का मन बदला, कोर्ट ने वापस लिया गर्भपात कराने का आदेश

नयी दिल्ली। 14 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता के माता-पिता द्वारा अपना मन बदलने के बाद सुप्रीमकोर्ट ने अपना 22 अप्रैल का आदेश वापस ले लिया, जिसमें उसने लड़की को 30 सप्ताह का गर्भ को गिराने की अनुमति दी थी। सुप्रीमकोर्ट ने नाबालिग लड़की का कल्याण ''बेहद महत्वपूर्ण'' बताते हुए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए नाबालिग को गर्भपात कराने की अनुमति दी थी। अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को किसी भी मामले में पूर्ण न्याय के लिए आवश्यक आदेश पारित करने का अधिकार है। सुप्रीमकोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने मामले की सुनवाई की और पीठ की सहायता कर रहीं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी तथा नाबालिग लड़की के माता-पिता के वकील से बातचीत की। मामले से जुड़े वकीलों ने कहा कि लड़की के माता-पिता ने वीडियो-कॉन्फ्रेंस के जरिए जजों के साथ बातचीत की। लड़की के माता-पिता ने कहा कि उन्होंने गर्भावस्था की पूरी अवधि तक इंतजार करने का फैसला किया है। चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली पीठ ने नाबालिग लड़की के माता-पिता की दलीलें स्वीकार कर लीं और 22 अप्रैल का आदेश वापस ले लिया है।

कैडबरी की चॉकलेट में मिली फंगस, ग्राहक ने तस्वीर की शेयर, पहले भी कैडबरी चॉकलेट में कीड़ा मिलने की मिल चुकी है शिकायत

नई दिल्ली। चॉकलेट खाने वालों के लिए एक बुरी खबर है, कैडबरी चॉकलेट में कीड़े के बाद अब फंगस मिलने का दावा किया जा रहा है। हैदराबाद में एक ग्राहक ने दावा किया है कि उसकी कैडबरी चॉकलेट में फंगस निकली है। उसने चॉकलेट की तस्वीरें खींचकर सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इसके बाद कई यूजर्स ने भी इस तरह की शिकायत की हैं। एक बार फिर कंपनी की क्वालिटी पर सवाल उठने लगे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने चॉकलेट की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, डेयरी मिल्क चॉकलेट की मैन्यूफैक्चरिंग जनवरी, 2024 है और इसकी एक्सपायरी डेट मैन्यूफैक्चरिंग से 12 महीने तक है। जब मैंने इसे खोला तो यह पाया कि चॉकलेट में फंगस लगी है। साथ ही एक चॉकलेट में पीछे बड़ा छेद था। कई यूजर्स ने इसे शेयर भी किया है और इस पर कमेंट किया है। इस पर कंपनी ने जवाब देते हुए कहा है कि वह हाई क्वालिटी स्टैंडर्ड्स बनाए रखने की कोशिश करती है। इससे पहले भी फरवरी में हैदराबाद के एक व्यक्ति ने कैडबरी चॉकलेट के पैकेट से जिंदा कीड़ा निकलने की शिकायत की थी। सोशल मीडिया पर काफी हंगामा मचा था। 2003 में भी दिवाली से पहले मुंबई में ग्राहक ने कैडबरी के चॉकलेट में कीड़ा मिलने की शिकायत की थी। तब महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने कैडबरी के पुणे प्लांट में बने चॉकलेट स्टॉक को जब्त कर लिया था। इस घटना के बाद कैडबरी की बिक्री में गिरावट आ गई थी। कैडबरी चॉकलेट बनाने वाली कंपनी का मालिकाना हक अमेरिका की कंपनी मोंडेलेज इंटरनेशनल के पास है।

सुरक्षा बलों ने 4 नक्सली ढेर किए और कईयों को घेरा, एनकाउंटर जारी

बस्तर। बस्तर के अबूझमाड़ में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच एनकाउंटर चल रहा है। इसमें अभी तक 4 नक्सली मारे गए हैं जबकि कईयों को घेरकर रखा है। मंगलवार सुबह से जारी एनकाउंटर खबर लिखे जाने तक जारी था। जानकारी के मुताबिक, बस्तर के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में जवानों ने नक्सलियों को कई जगहों पर घेरा है। डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और एसटीएफ की टीमें अबूझमाड़ की जंगलों में मौजूद हैं। दोनों तरफ से ताबड़तोड़ फायरिंग की जा रही है। इस एनकाउंटर में अब तक 4 नक्सली ढेर हो चुके हैं। एनकाउंटर में नक्सलियों का कितना नुकसान हुआ है, यह अभी साफ नहीं हो सका है। सूत्रों के मुताबिक, अब तक 4 नक्सली ढेर हो चुके हैं। मुठभेड़ लगातार जारी है। बता दें कि कुछ दिनों पहले जवानों ने कांकेर जिले के छोटे बेठिया में 29 नक्सलियों को मार गिराया था। रिपोर्ट के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सोमवार को सात महिला नक्सलियों समेत 23 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली भैरमगढ़ एरिया कमेटी में सक्रिय थे। उन्होंने बताया कि नक्सली पुलिस के पुनर्वास अभियान लोन वर्राटू से प्रभावित हैं तथा माओवादियों की खोखली विचारधारा से निराश हैं। अधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही, जून 2020 में शुरू किए गए पुलिस के लोन वर्राटू (अपने घर/गांव वापस लौटो) अभियान के तहत अब तक 177 इनामी नक्सली सहित कुल 761 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। इससे पहले इस महीने की 24 तारीख को जिले में तीन महिला नक्सलियों समेत 18 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि माओवादियों के खिलाफ सड़कें खोदने, सड़कों को अवरुद्ध करने के लिए पेड़ काटकर गिराने तथा नक्सलियों द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान पोस्टर और बैनर लगाने का आरोप है। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के अनुसार सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

नौसेना को शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय तैयार रहना होगा: एडमिरल दिनेश त्रिपाठी

लखनऊ (एजेंसी)। नयी दिल्ली। एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने नौसेना के 26वें प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को कहा कि भारतीय नौसेना को समुद्री क्षेत्र में उभरती चुनौतियों के मद्देनजर संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय अभियान की दृष्टि से तैयार रहना होगा। संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ एडमिरल त्रिपाठी ने आर हरि कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। एडमिरल हरि कुमार चार दशकों के शानदार कॅरियर के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं।

एडमिरल त्रिपाठी ने ऐसे समय में नौसेना प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली है जब लाल सागर और अदन की खाड़ी समेत अनेक रणनीतिक जलमार्गों पर सुरक्षा चुनौतियां पैदा हुई हैं जिनमें क्षेत्र में हूती उग्रवादियों द्वारा विभिन्न कारोबारी जहाजों को निशाना बनाया जाना शामिल है। एडमिरल त्रिपाठी ने संवाददाताओं से कहा, ''पिछले कुछ सालों में हमारी नौसेना युद्ध के लिए तैयार, एकजुट, विश्वसनीय और भविष्य के लिहाज से तत्पर बल के रूप में विकसित हुई है।''

उन्होंने कहा, ''समुद्री क्षेत्र में मौजूदा और उभरती चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय नौसेना को शांतिकाल में संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय परिचालन की दृष्टि से तैयार रहना होगा और यदि कहा जाए तो समुद्र में तथा समुद्र से युद्ध जीतने के लिए तैयार रहना होगा।'' एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ''मेरा एकमात्र ध्यान और प्रयास इस दिशा में होगा।'' नौसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि आत्म-निर्भरता बढ़ाने के लिए नौसेना के जारी प्रयासों को बढ़ाने पर वह प्राथमिकता देंगे।

उन्होंने कहा, ''मैं आत्म-निर्भरता की दिशा में, नई प्रौद्योगिकियों को पेश करने में और 'विकसित भारत' के लिए हमारे सामूहिक प्रयासों की दिशा में राष्ट्रीय विकास कामहत्वपूर्ण स्तंभ बनने में भारतीय नौसेना के चल रहे प्रयासों को भी मजबूत करूंगा।'' एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि वह बल के मानव संसाधन से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान देंगे। उन्होंने कहा, ''मेरी प्राथमिकता हमारे मानव संसाधन का कौशल विकास करने की होगी जो हमारी नौसेना के पुरुष और महिला कर्मी हैं। मेरी प्राथमिकता उन्हें सर्वश्रेष्ठ शस्त्र, प्रशिक्षण, पेशेवर माहौल और प्रशासनिक समर्थन देने की होगी।'' उन्होंने नौसेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले राष्ट्रीय समर स्मारक पर देश के शहीद नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें रायसीना हिल्स के साउथ ब्लॉक के प्रांगण में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना प्रमुख के रूप में प्रभार संभालने से पहले अपनी मां रजनी त्रिपाठी का आशीर्वाद लिया। रीवा के सैनिक स्कूल के पूर्व छात्र एडमिरल त्रिपाठी इससे पहले नौसेना के उप प्रमुख का पद संभाल रहे थे। एडमिरल त्रिपाठी का जन्म 15 मई 1964 को हुआ था और एक जुलाई 1985 में वह भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे। उनका करीब 39 वर्ष का लंबा और उत्कृष्ट कॅरियर रहा है। उन्होंने भारतीय नौसैन्य जहाज 'विनाश', 'किर्च' और 'त्रिशूल' की कमान भी संभाली है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खडकवासला के पूर्व छात्र एडमिरल त्रिपाठी को अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) और नौसेना पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है।

सुप्रीम कोर्ट को ईडी दे जवाब.... केजरीवाल को चुनाव पूर्व क्यों गिरफ्तार किया?

नई दिल्ली। आम चुनाव से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से सवाल करते हुए जवाब पेश करने को कहा है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने मंगलवार को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से समय के सवाल पर जवाब देने को कहा। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान ईडी से सवाल करते हुए कहा, कि जीवन और स्वतंत्रता बेहद महत्वपूर्ण हैं। आप इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं। इसके साथ ही पीठ ने एसवी राजू से अनेक सवाल किए और जांच एजेंसी से केजरीवाल की उस याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख पर जवाब देने को कहा, जिसमें उन्होंने आबकारी नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी हुई है। इस मामले की सुनवाई अदालत में शुक्रवार को होने की संभावना जताई गई है। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में 21 मार्च को ईडी ने पूछताछ के दौरान ही गिरफ्तार कर लिया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में हैं।

सुप्रीम कोर्ट में बोली मुस्लिम युवती- साहब मुझे हिंदुओं जैसा संपत्ति का अधिकार चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के सामने कई बार चौंकाने वाले मामले आते हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली खंडपीठ के सामने एक ऐसी अर्जी आई, जिसमें एक मुस्लिम युवती ने यह कहते हुए भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत संपत्ति बंटवारे का निर्देश देने की मांग की थी कि वह इस्लाम नहीं मानती है। महिला का तर्क था कि वह भले ही मुस्लिम परिवार में जन्मी है लेकिन उसकी आस्था अब इस्लाम धर्म में नहीं है। इसलिए उसकी पैतृक संपत्ति का बंटवारा शरिया कानून के तहत ना होकर भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत करने का निर्देश दिया जाय।खंडपीठ में जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी थे।

महिला के वकील के तर्कों को सुनने के बाद तीनों जजों की बेंच ने उस पर गहन विचार-विमर्श किया और इस नतीजे पर पहुंची कि यह मुद्दा महत्वपूर्ण है। इसके बाद सीजेआई ने अटॉर्नी जनरल को इस मामले में एमिकस क्यूरी बहाल करने का निर्देश दिया, जो अदालत को कानूनी और तकनीकी पहलुओं से परिचित करा सके। इस मामले की अगली सुनवाई अब जुलाई 2024 के दूसरे सप्ताह में निर्धारित है।याचिका पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि भारतीय उत्तराधिकार कानून मुस्लिम धर्म में जन्मे व्यक्तियों को धर्मनिरपेक्ष कानून का लाभ उठाने से रोकता है, भले ही वे शरीयत कानून की धारा 3 के तहत औपचारिक रूप से ये घोषणा करें कि वे अब इस्लामी कानून का पालन नहीं करना चाहते हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि भारतीय उत्तराधिकार कानून की धारा 58 में कहा गया है कि यह मुसलमानों पर लागू नहीं होता है। भले ही आप शरिया अधिनियम के तहत घोषणा न करें, वसीयत आदि पर कोई धर्मनिरपेक्ष अधिनियम नहीं है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि जब आप शरियत भी नहीं मानेंगे तो फिर आप पर कौन सा नियम लागू होगा? यह एक अहम विषय है। इसके बाद सीजेआई ने इस पर एक कानूनी अधिकारी के नियुक्ति का आदेश दिया।

यह रिट याचिका केरल की एक महिला सफिया पीएम ने दायर की है। सफिया केरल में पूर्व-मुस्लिमों (जो मुस्लिम परिवार में जन्में लेकिन अब इस्लाम में आस्था नहीं रखते) का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संघ की महासचिव हैं। अपनी याचिका में सफिया ने एक डिक्लेरेशन दिया कि जो व्यक्ति मुस्लिम पर्सनल लॉ से बंधे नहीं रहना चाहते हैं, उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष कानूनों, विशेष रूप से 1925 के भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत वसीयत और गैर वसीयत उत्तराधिकार के मामलों में अधिकार मिलना चाहिए। महिला ने तर्क दिया कि संविधान का अनुच्छेद 25 उसे किसी भी धर्म में आस्था रखने या न रखने की आजादी देता है। इसके साथ ही उनसे कहा कि उसके में पिता भी इस्लाम में आस्था नहीं रखते हैं इसलिए वह भी शरिया कानून के मुताबिक वसीयत नहीं लिखना चाहते हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि अगर आप इसकी घोषणा नहीं करते हैं, तो धारा 3 के तहत आप इस कानून के अधीन नहीं आएंगे।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, मैं महिला हूँ, और मेरे भाई को डाउन सिंड्रोम है, उसे 2/3 संपत्ति दी गई है तो क्या मुझे भी वसीयत नहीं की जा सकती है। मेरी एक बेटी है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा, इसकी हम घोषणा कैसे कर सकते हैं? सीजेआई ने कहा, आपके अधिकार या हक आस्तिक या नास्तिक होने से नहीं मिलते बल्कि ये अधिकार आपको आपके जन्म से मिले हैं। अगर मुसलमान के रूप में पैदा होते हैं,तो आप पर मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू होगा। जहां तक आपके पिता का सवाल है तो वह भी धारा-3 से बाध्य हैं। जब तक वह भी घोषणा नहीं करते तब तक वह धारा- 2 से बंधे रहेंगे।

प्रशंसा करते हुए बाबा रामदेव को अगली सुनवाई के लिए पेशी से मिली छूट

-अखबार में छपे माफीनामे को दिखाया, सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई नरमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलोपैथी के खिलाफ पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। सुनवाई दौरान योगगुरु रामदेव की ओर से पेश हुए वकील ने कोर्ट को बताया कि पतंजलि ने जो माफीनामा पेश किया था, उसे रजिस्ट्री में जमा करा दिया गया है। वकील ने अखबार में छपे माफीनामे को सुप्रीम कोर्ट में दिखाया। कोर्ट ने इस माफीनामे को देखने के बाद बाबा रामदेव के लिए अपना रुख नरम किया।

बाबा रामदेव की ओर से पेश हुए मुकुल रोहतगी ने जब सुप्रीम कोर्ट में अखबार में छपे माफीनामे की जानकारी दी तो सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-आपने ओरिजनल रिकॉर्ड क्यों नहीं दिए, आपने ई फाइलिंग क्यों की? यह कन्फ्यूजिंग है और हम हाथ खड़े कर रहे हैं। इस पर बाबा रामदेव के वकील बलबीर सिंह ने कहा कि हो सकता है कि मेरी अज्ञानता की वजह से ऐसा हुआ हो। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पिछली बार जो माफीनामा छापा था, वो छोटा था और उसमें केवल पतंजलि लिखा था, लेकिन दूसरा बड़ा है। इसके लिए हम प्रशंसा करते हैं कि रामदेव बात समझ में आ गई है। सुनवाई के दौरान ही मुकुल रोहतगी ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के प्रमुख के बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने पतंजलि के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट की आलोचना की थी। रोहतगी ने कोर्ट को बताया कि आखिर आईएमए चीफ ने क्या कहा था। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए कहा कि आईएमए के अध्यक्ष का बयान रिकॉर्ड पर लाया जाए। ये बेहद गंभीर मामला है, इसका परिणाम भुगतने के लिए वे तैयार हो जाएं। इसके बाद रोहतगी ने अगली सुनवाई में रामदेव और बालकृष्ण के पेशी से छूट मांगी तो इस पर कोर्ट ने कहा ठीक है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि केवल अगली सुनवाई के लिए ही पेशी से छूट दी गई है।

बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने रायबरेली से चुनाव लड़ने का ऑफर ठुकराया

-बोले-लड़ाई नीतियों के बीच होनी चाहिए, व्यक्तित्व के बीच नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के अमेठी और रायबरेली से कांग्रेस राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। वहीं बीजेपी इन राहुल और प्रियंका को कैसे मात दिया जाए इसकी योजना बनाने में जुटी गई है। बीजेपी ने अपने पहली ही लिस्ट में अमेठी से स्मृति इरानी को मैदान में उतार दिया है, लेकिन रायबरेली में उसकी तलाश अब भी जारी है। वहीं सूत्रों से पता चला है कि पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी को रायबरेली से अपने ही बांधी परिवार के खिलाफ दो-दो हाथ करने का ऑफर मिला लेकिन वरुण ने इसे तुरंत ठुकरा दिया। यह भी कहा जा रहा है कि वरुण गांधी ने रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा जाहिर नहीं की और बीजेपी के आला नेताओं को भी इसकी जानकारी दे दी है। सूत्रों के अनुसार कहा जाता है कि रायबरेली से वरुण गांधी को चुनाव में उतारे जाने को लेकर हुए मंथन के पीछे बीजेपी के आंतरिक सर्वे से निकले संकेतों की अहम भूमिका रही। सर्वे में बीजेपी ने प्रियंका के सामने उत्तरप्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री से लेकर वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती समेत करीब आधे दर्जन से ज्यादा चेहरों को लेकर रायशुमारी की है।

पीएम मोदी के भाषण पर चुनाव आयोग ने दिया नोटिस, भाजपा ने जवाब के लिए मांगा समय

-बांसवाड़ा के भाषण में लगा विवादास्पद बयान का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के बांसवाडा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक चुनावी सभा को संबाधित किया था। इस दौरान उनके भाषण पर चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया और नोटिस भेज दिया। नोटिस का जवाब 29 अप्रैल तक देना था। जवाब में हो रहे बिलंब के चलते भाजपा ने चुनाव आयोग समय मांगा है। राजस्थान के बांसवाड़ा में चुनावी भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादास्पद टिप्पणी करने का आरोप लगा। इसे लेकर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को ईसी ने नोटिस भेज दिया। आयोग ने बीते 25 अप्रैल को यह नोटिस जारी किया था और उनसे 29 अप्रैल को सुबह 11 बजे तक जवाब मांगा गया था। रिपोर्ट के मुताबिक,

बीजेपी सूत्रों ने बताया कि पार्टी की ओर से जवाब तैयार किया जा रहा है, जिसमें यह बताया जाएगा कि पीएम मोदी ने तथ्यों के आधार पर बात की। ऐसा पहली बार है जब किसी प्रधानमंत्री की ओर से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर जवाब देने के लिए कहा गया।

दूसरी ओर बीजेपी ने कांग्रेस के खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई। यह आरोप लगाया कि उसने चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का फर्जी वीडियो शेयर किया। केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने कांग्रेस के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया विभाग के प्रभारी अनिल बलूनी ने टीएमसी के खिलाफ भी शिकायत की। यह आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी हिंसा को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग भी की। आयोग के अधिकारियों से मुलाकात के बाद वैष्णव ने कहा, 'कांग्रेस फर्जी वीडियो के जरिए पूरी चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतारना चाहती है। हमने आज इसके खिलाफ निर्वाचन आयोग से शिकायत की। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक हैंडल से फर्जी वीडियो पोस्ट कर लोगों के बीच भ्रम पैदा करने की कोशिश की है।'

बिहार से लोकतंत्र में महिलाओं की हिस्सेदारी ना के बराबर...भाजपा और कांग्रेस ने किसी महिला प्रत्याशी को नहीं दिया टिकट

-लालू ने 6 महिला शक्ति को मैदान में उतारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला सशक्तीकरण की मिसाल से भरी माता जानकी की भूमि मिथिला में महिलाओं को लोकतंत्र में वह हिस्सेदारी नहीं मिल सकी, जो संविधान ने उन्हें दी है। बिहार में अबतक 17 बार लोकसभा चुनाव हुए और महज 34 महिला ही सदन पहुंचने में सफल हुई है।

विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करने वाले राजनीतिक दलों ने भी महिलाओं की इस बार कोई सुध नहीं ली और टिकट बंटवारे के समय चुप्पी साध ली। भरपूर सम्मान एवं बराबरी की हिस्सेदारी का दावा करने वाले राजनीतिक दल इस चुनाव में भी आधी आबादी से किए अपने वादे भूल गए। बिहार में अबतक हुए लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक चार बार जीतने वाली रमा देवी को भाजपा ने इस बार के चुनाव में शिवहर से बेटिकट किया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सीटों में तालमेल के तहत शिवहर सीट जदयू को मिली है। जदयू ने शिवहर सीट से पूर्व सांसद लवली आनंद को उतारा है।महिला आरक्षण बिल या नारी शक्ति वंदन विधेयक पास कराने वाले एनडीए ने इस बार के लोकसभा चुनाव में महिला शक्ति को नजर अंदाज किया है। भाजपा ने बिहार में एक भी महिला उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया है।

राजग के घटक दल जदयू ने दो महिला सीवान से विजया लक्ष्मी देवी और शिवहर से लवली आनंद को टिकट दिया है। वहीं लोजपा-रामविलास ने वैशाली से वीणा देवी और समस्तीपुर से शांभवी चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। वहीं हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने किसी महिला को प्रत्याशी नहीं बनाया है। कुल मिलाकर राजग ने चुनाव में 40 सीट में से चार सीट पर महिलाओं को टिकट दिया है। जबकि इंडिया गठबंधन ने छह महिला शक्ति पर भरोसा जताया है।

राजद ने बिहार में आधी आबादी को टिकट देने के मामले में इस बार सभी दलों से बाजी मार ली है। गैया बकरी चरती जाए, मुनिया बेटी पढ़ती जाए। नारा देने वाले राजद सुप्रीमो लालू ने सर्वाधिक छह महिलाओं को मैदान में उतारा है। इसमें राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की दो पुत्री मीसा भारती और रोहिनी आचार्य, बीमा भारती, रितु जायसवाल, अनिता देवी और अर्चना रविदास शामिल है। इसमें मीसा भारती को छोड़ अन्य पांच महिला शक्ति पहली बार लोकसभा के रण मे अपनी तकदीर आजमा रही हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने किसी महिला शक्ति को मौका नहीं दिया है। इंडिया गठबंधन में शामिल वामदल ने भी किसी महिला को चुनाव में नहीं जगह दी है। वामदल में शामिल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा),मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी

(माकपा) और भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा-माले) से कोई महिला चुनावी मैदान में नही हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने भी इस चुनाव में महिला शक्ति की उपेक्षा की और किसी महिला को मौका नहीं दिया। फिलहाल लोकसभा में बिहार की तीन महिला सांसद हैं, जो महज 7.5 फीसद भागीदारी हैं। यदि महिला आरक्षण लागू हुआ तो बिहार से कम से कम 13 महिला लोकसभा पहुंचेंगी।

हुंडई, किआ ने चीनी कंपनी बायदू से किया करार

सोल।

दक्षिण कोरिया की शीर्ष कार निर्माता कंपनी हुंडई मौटर और इसकी अनुषंगी कंपनी किआ ने बताया कि उन्होंने कनेक्टेड कारों के लिए टेक्नोलॉजी विकसित करने के लिए चीन की दिग्गज टेक कंपनी बायदू के साथ करार किया है। दोनों दक्षिण कोरियाई कार निर्माता और बायदू ने पिछले सप्ताह बीजिंग में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जिसके तहत वे कनेक्टिविटी और सेल्फ-ड्राइविंग प्रौद्योगिकियों सहित कई क्षेत्रों में हाथ मिलाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार हुंडई और किआ बीजिंग के बढ़ते डेटा नियमों के अनुपालन के लिए बायदू की स्मार्ट क्लाउड कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी का भी उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरियाई कंपनियां चीनी कंपनी के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके नए बिजनेस मॉडल भी तलाशेंगी। हुंडई और किआ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा` कि बायदू के साथ रणनीतिक सहयोग के माध्यम से, हम चीनी बाजार में कनेक्टेड कारों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने का प्रयास करेंगे। यह समझौता चीन में कनेक्टेड कारों के बढ़ते बाजार की पृष्ठभूमि में हुआ है। हुंडई ने चीनी डेटा का हवाला देते हुए कहा कि चीन में कनेक्टेड कारों की वार्षिक बिक्री इस साल 1.7 करोड़ इकाई तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2019 में 72 लाख इकाई के मुकाबले में तेज वृद्धि है। हुंडई और किआ 2014 से बायदू के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जिसमें आवाज को पहचानने की प्रौद्योगिकी का विकास भी शामिल है।

पतंजलि के 14 उत्पादों के लायसेंस निलंबित

देहरादून ।

उत्तराखंड औषधि विभाग के लाइसेंस प्राधिकरण ने पंतजलि के 14 उत्पादों के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। प्राधिकरण की ओर से बकायदा सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर इसकी सूचना दी गई। इस हलफनामे में साफ लिखा है कि दिव्य फार्मेसी द्वारा अब भी इन उत्पादों को लेकर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्तमान में भी भ्रामक विज्ञापन दिए जा रहे हैं। यह आदेश इस महीने की शुरुआत में औषधि एवं जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के उल्लंघन में कंपनी के इन उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए जारी किया गया है।

इस आदेश में कंपनी को कहा गया है कि औषधि निरीक्षक/जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, हरिद्वार द्वारा अवगत कराया गया है कि संबंधित फर्म द्वारा वांछित सूचना अंतिम तिथि तक उपलब्ध नहीं कराई गई तथा फर्म द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण भी संतोषजनक नहीं है। लिहाजा इन औषधियों के निर्माणाज्ञा को ड्रग्स एवं कॉस्मेटिक एक्ट 1945 की धारा 159 (1) के प्राविधानुसार तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। दिव्य फॉर्मेसी को आदेश दिए गए हैं कि इन सभी उत्पादों के निर्माण को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाए और योगों की मूल फॉर्मेशन शीट प्राधिकरण के समक्ष जमा कराई जाए।

जिन 14 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं उनके नाम इस प्रकार हैं- श्वासारि गोल्ड, श्वासारि वटी, ब्रोंकोम, श्वासारि प्रवाही, श्वासारि अवलेहा, मुक्ता वटी एक्स्ट्रा पावर, लिपिडोम, बीपी ग्रिट, मधुग्रिट, मधुनाशिनी वटी एक्स्ट्रा पावर, लिवामृत एडवांस, लिवोग्रिट, आईग्रिट गोल्ड और पतंजलि दृष्टि आई ड्रॉप इत्यादि।

ए सीरीज़ के नए फोन ओप्पो ए60 लॉन्च

-नए फोन की फटाक से फुल होगी चार्जिंग

नई दिल्ली ।

चाइनीज कंपनी ने अपने नए फोन ओप्पो ए60 को लॉन्च कर दिया है। इसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच का एलसीडी स्क्रीन मिलती है। ओप्पो ने अपनी ए सीरीज़ के तहत इस फोन को लांच किया है। ये फोन क्वालकॉम के स्नैपड्रैगन 680 चिप से लैस है। इसके अलावा इसमें 8जीबी रैम और 256जीबी तक की स्टोरेज भी मिलती है। पावर के लिए इस फोन काफी दमदार बैटरी और खास कैमरा दिया जाता है। डुअल-सिम (नैनो) वाला ओप्पो ए66 एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड कलर ओएस 14.0.1 पर काम करता है। इसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच का एचडी+ एलसीडी डस्प्ले मिलता है, और ये 720गुणा 1,604 पिक्सल रेजोलूशन के साथ आता है। ये ऑक्टा-कोर स्नैपड्रैगन 680 चिप पर काम करता है, जिसे 8जीबी एलपीडीडीआर 4एक्स रैम के साथ जोड़ा गया है। कैमरे के तौर पर नए ओप्पो ए60 में एफ/1.8 अपर्चर और ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन के साथ 50-मेगापिक्सल का प्राइमेरी कैमरा मिलता है। इसमें एफ/2.4 अपर्चर वाला एक 2-मेगापिक्सल का सेकेंडरी कैमरा भी शामिल है जिसका इस्तेमाल गहराई से जानकारी इकट्ठा करने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा फोन के फ्रंट की बात करें तो इसमें सामने की तरफ 8-मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मिलता है। कंपनी ने इस हैंडसेट को 256जीबी तक यूएफएफएस 2.2 स्टोरेज से लैस किया है। पावर के लिए ओप्पो ए60 में 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जिसे 45वॉट पर चार्ज किया जा सकता है। बता दें कि ओप्पो ए60 को फिलहाल वियतनाम में लॉन्च किया गया है। इसके 8जीबी+128जीबी रैम और स्टोरेज मॉडल की कीमत वीएनडी 5,490,000 (लगभग 18,060 रुपये) है, जबकि 8जीबी+256जीबी वेरिएंट की कीमत वीएनडी 6,490,000 (लगभग 21,360 रुपये) रखी गई है। फोन को मिडनाइट पर्पल और रिपल ब्लू कलर में पेश किया जाएगा।इसमें बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के लिए साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट स्कैनर मिलता है। कनेक्टिविटी के लिए ओप्पो के नए फोन में 4जी एलटीई, वायफाय, ब्लूटूथ 5.0, एनएफसी, जीपीएस, ए-जीपीएस, एक यूएसबी टाइप-सी पोर्ट और एक 3.5 एमएम ऑडियो जैक मिलता है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का मुनाफा 10 गुना बढ़ा

सियोल ।

जनवरी-मार्च तिमाही में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का परिचालन लाभ 10 गुना होकर 6600 अरब वॉन (4.8 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा। यह पिछले साल की समान अवधि में 640 अरब वॉन (46.5 करोड़ डॉलर) था। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि मेमोरी चिप की ऊंची कीमतों और प्रमुख गैलेक्सी एस24 स्मार्टफोन की मजबूत बिक्री के दम पर कंपनी का राजस्व करीब 13 प्रतिशत बढ़कर 71900 अरब वॉन (52 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गया। एआई चिप की बढ़ती मांग को देखते हुए सैमसंग ने कहा कि उसने इस महीने अपने नवीनतम एचबीएम चिप का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू कर दिया है। दूसरी तिमाही में चिप के 12-लेयर संस्करण का उत्पादन शुरू करने की योजना है। सैमसंग ने एक बयान में कहा` कि 2024 की दूसरी छमाही में व्यापक आर्थिक रुझानों और भू-राजनीतिक मुद्दों से संबंधित निरंतर अस्थिरता के बावजूद, मुख्य रूप से जनरेटिव एआई से जुड़ी मांग के साथ कारोबारी स्थितियां सकारात्मक रहने की उम्मीद है।

स्ट्रेटेजिक-क्रिटिकल मिनरल्स एक्सप्लोरेशन में निजी क्षेत्र की बढ़ेगी भागीदारी

जयपुर ।

स्ट्रेटेजिक और क्रिटिकल मिनरल्स के एक्सप्लोरेशन कार्य को गति देने के लिए निजी क्षेत्र की भी सक्रिय भागीदारी बढ़ाई जाएगी। भारत सरकार के माइंस मंत्रालय द्वारा इस संबंध में शीघ्र ही आवश्यक प्रावधान संभावित है। इसी को ध्यान में रखते हुए नए प्रावधानों के बाद प्रदेश के दो आरईई और एक पोटाश के ब्लॉकों के एक्सप्लोरेशन लाइसेंस के लिए नए सिरे से ई-नीलामी प्रक्रिया आरंभ की जाएगी। राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में 29 स्ट्रेटेजिक, क्रिटिकल व अन्य मिनरल्स के विपुल भण्डारों को देखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्र व राज्य सरकार के एक्सप्लोरेशन संस्थानों व उपक्रमों के साथ ही देश दुनिया की निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता की एक्सप्लोरेशन कार्य में सक्रिय सहभागिता तय करने के लिए प्रोत्साहित किया जाने का निर्णय किया जा रहा है।

इससे इस तरह के मिनरल्स के खोज कार्य में सरकारी के साथ ही निजी क्षेत्र के प्लेयर्स आगे आयेंगे और सरकार द्वारा प्रोत्साहन सहयोग से एक्सप्लोरेशन कार्य में तेजी आने के साथ ही गुणवत्ता भी आएगी।

देश में रेयर अर्थ एलिमेंट्स, पोटाश, लिथियम, टंगस्टन, केडमियम, कोबाल्ट, कॉपर, ग्रेफाइट, टिटेनियम, बेरेलियम, सिल्वर, जिंक, गोल्ड, लेड जैसे 29 तरह के क्रिटिकल, स्ट्रेटेजिक व अन्य मिनरल्स की देश दुनिया में काफी मांग होने के साथ ही अत्यधिक श्रमव समय साध्य होने व सरकारी प्रक्रिया की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार ने पहला निर्णय इन मिनरल्स के वैज्ञानिक व वैश्विक स्तरीय एक्सप्लोरेशन के लिए ईएल यानी की एक्सप्लोरेशन लाइसेंस की ई नीलामी का निर्णय किया गया।

पहले चरण में राजस्थान सहित कुछ प्रदेशों द्वारा ईएल नीलामी प्रक्रिया आरंभ की गई। अब केन्द्र सरकार एक्सप्लोरेशन में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने का निर्णय करने जा रही है।

आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया ने अजीम सैयद को सीएफओ नियुक्त किया

नई दिल्ली । आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया ने अजीम सैयद को कंपनी का मुख्य वित्तीय अधिकारी और मुख्य निवेशक संबंध अधिकारी नियुक्त किया है। कंपनी ने कहा कि वह एक मई 2024 से कार्यभार संभालेंगे। अपनी नई भूमिका में वह भारत, पश्चिम एशिया और अफ्रीका क्षेत्र में वित्तीय प्रदर्शन को बढ़ाने और परिचालन दक्षता को सक्षम करने के लिए कार्यकारी दल के साथ मिलकर काम करेंगे। आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रमोद सागर ने कहा कि हम अजीम का मुख्य वित्तीय अधिकारी और मुख्य निवेशक संबंध अधिकारी के रूप में हमारे नेतृत्व दल में स्वागत करते हैं, उनका विशाल अनुभव तथा विशेषज्ञता हमारी वित्तीय रणनीतियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। क्षेत्र में बाजार अग्रणी के रूप में कंपनी की स्थिति को और मजबूत करेगी। विएना स्थित आरएचआई मैगनेसिटा की अनुषंगी कंपनी आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया लिमिटेड इस्पात, सीमेंट, अलौह धातुओं और कांच सहित प्रमुख उद्योगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उच्च श्रेणी के रिफ्रैक्टरी उत्पादों की आपूर्तिकर्ता है।

ओला मोबिलिटी के सीईओ हेमंत बख्शी ने दिया इस्तीफा

- 10-15 प्रतिशत कर्मचारियों की हो सकती है छंटनी

नई दिल्ली । ऑनलाइन कैब बुकिंग उपलब्ध कराने वाली कंपनी ओला मोबिलिटी के सीईओ हेमंत बख्शी ने नियुक्ति के चार महीने के भीतर ही इस्तीफा दे दिया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि कंपनी 10-15 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। एक सूत्र ने कहा` कि हेमंत बख्शी ने तत्काल प्रभाव से कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। ओला कैब्स इकाई 10-15 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है। बख्शी जनवरी, 2024 में कंपनी में शामिल हुए थे। एक अन्य सूत्र ने कहा कि कंपनी के ओला कैब्स डिवीजन में जनवरी में करीब 900 लोग थे और छंटनी से 90-140 लोग प्रभावित हो सकते हैं। संपर्क करने पर ओला ने इस सूचना पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ओला मोबिलिटी ने वित्त वर्ष 2022-23 में घाटा कम होकर 1,082.56 करोड़ रुपये होने की सूचना दी थी। वित्त वर्ष 2021-22 में उसे 3,082.42 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। ओला मोबिलिटी की मूल कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजीज का कुल संचित घाटा समूह स्तर पर बढ़कर 20,223.45 करोड़ रुपये पहंच गया और एकल आधार पर यह 31 मार्च, 2023 तक 19,649.27 करोड़ रुपये रहा। जनवरी 2024 तक कंपनी को कुल 31,441 करोड़ रुपये का वित्त पोषण प्राप्त हुआ है।

स्मॉलकैप में 5 महीने में सबसे ज्यादा तेजी

- बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली ।

निफ्टी स्मॉलकैप 100 लगातार छठे कारोबारी सत्र में बढ़त पर रहा और इस महीने इसमें 11.4 फीसदी की तेजी आ चुकी है। नवंबर 2023 के बाद सूचकांक में एक महीने में यह सबसे बड़ी तेजी देखी गई है। दूसरी ओर निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक भी लगातार छह सत्रों में तेजी के साथ अप्रैल में करीब 6 फीसदी बढ़त में रहा। दिसंबर के बाद मिडकैप सूचकांक का किसी भी महीने में यह सबसे अच्छा प्रदर्शन है। मूल्यांकन ज्यादा होने की फिक्र और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की बुलबुले बनने की चेतावनी आने पर मार्च में दोनों सूचकांकों में बड़ी गिरावट आई थी। मगर इसके बाद दोनों सूचकांकों ने अपने नुकसान से ज्यादा की भरपाई की है। स्मॉलकैप 100 सूचकांक मार्च के निचले स्तर से 20 फीसदी चढ़ा है और निफ्टी मिडकैप 100 में 12 फीसदी की तेजी आई है। स्मॉल और मिडकैप सूचकांक में तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड 406.5 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। साल की शुरुआत में बाजार पूंजीकरण 364 करोड़ रुपये था। इस महीने दोनों सूचकांकों ने सेंसेक्स और निफ्टी की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। सेंसेक्स और निफ्टी में इस महीने 1.4 फीसदी तेजी आई है। आईसीआईसीआई बैंक का तिमाही मुनाफा उम्मीद से बेहतर रहने से बेंचमार्क सूचकांकों का प्रदर्शन मंगलवार को बेहतर रहा है और इनमें 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 4 फीसदी से ज्यादा बढ़कर नई ऊंचाई पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक और ऐक्सिस बैंक के शेयर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। बैंकिंग शेयरों में तेजी से बैंक निफ्टी सूचकांक 2.5 फीसदी बढ़त पर बंद हुआ। बाजार के भागीदारों ने कहा कि खुदरा निवेशकों और देसी संस्थागत निवेशकों के दम पर स्मॉल और मिडकैप में तेजी आई है वहीं अमेरिका में बॉन्ड यील्ड बढ़ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली के दबाव के कारण लार्जकैप का प्रदर्शन कमजोर रहा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिश्रित संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी होने से आई है। आईटी और पावर शेयरों के खराब प्रदर्शन से भी बाजार नीचे आया। सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत हुई पर अंतिम घंटे में मुनाफावसूली होने से बाजार टूट गया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 188.50 अंक करीब 0.25 फीसदी नीचे आकर 74,482.78 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 440.11 अंक बढ़कर 75,111.39 पर पहुंच गया था। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 38.55 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी नीचे आकर 22,604.85 पर बंद हुआ हालांकि कारोबार के दौरान बेंचमार्क 139.95 अंक ऊपर आकर 22,783.35 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, लार्सन एंड टुब्रो और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक और मारुति प्रमुख रूप से बढ़े।

इससे पहले आज सुबह के कारोबारी` दिन घरेलू शेयर बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में कारोबार करते दिख रहे हैं। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.17 फीसदी बढ़कर 74,800.89 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं एनएसई निफ्टी 50 0.13 फीसदी बढ़कर 22,672.70 के स्तर पर आ गया। व्यक्तिगत शेयरों में, एमएंडएम बीएसई और एनएसई दोनों पर शीर्ष पर है। व्यापक बाजारों में निफ्टी स्मॉलकैप और मिडकैप क्रमशः 0.38 और 0.34 फीसदी में तेजी देखी गई।

एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का सियोल, टोक्यो और हांगकांग में तेजी रही जबकि चीन के शंघाई कम्पोज़िट में गिरावट रही। जापानी बैंकों के हस्तक्षेप की अटकलों के कारण जापान का येन रिकॉर्ड न्यूनतम स्तर से नीचे गिरा। यूरोपीय बाज़ार ज़्यादातर नीचे आये जबकि अमेरिकी वॉल स्ट्रीट में भी बढ़त रही। हैंग सेंग और कोस्पी में 0.6 फीसदी तक की तेजी आई। स्ट्रेट्स टाइम्स और ताइवान सपाट कारोबार करते दिखे।

इस बीच, वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड या कच्चा तेल की कीमत 0.21 फीसदी ऊपर आकर 88.59 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गयीं। पिछले कारोबारी सत्र में बीएसई बेंचमार्क 941.12 अंक करीब 1.28 फीसदी उछलकर 74,671.28 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 223.45 अंक या 1 फीसदी बढ़कर 22,643.40 पर पहुंच गया। बुधवार को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर घरेलू बाजार बंद रहेंगे।

टीईसी का भारत में राजस्व 2023 में बढ़कर 475 करोड़

नई दिल्ली । हांगकांग स्थित सह-कार्यकारी कंपनी द एक्जीक्यूटिव सेंटर (टीईसी) का पिछले वित्त वर्ष में भारत में राजस्व 31 प्रतिशत बढ़कर 475 करोड़ रुपये रहा। टीईसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 2023 में भारत के कारोबार से हमारा राजस्व 475 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 31 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि है। भारत के कारोबार से कर पूर्व आय 2023 में करीब 35 प्रतिशत बढ़कर 159 करोड़ रुपये रही। भारतीय बाजार ने वैश्विक राजस्व में करीब 18 प्रतिशत और वैश्विक समायोजित कर पूर्व आय में 26 प्रतिशत का योगदान दिया। टीईसी अग्रणी प्रीमियम कार्यस्थल प्रदाताओं में से एक है। यह 15 देशों में उपस्थित है। इसके भारत में 40 सह-कार्य केंद्र हैं, जिनमें करीब 13,000 कार्यस्थल और 12 लाख वर्ग फुट क्षेत्र शामिल हैं।टीईसी इंडिया सात प्रमुख शहरों दिल्ली, गुरुग्राम, बेंगलुरु, मुंबई, पुणे, हैदराबाद और चेन्नई में उपस्थित है।

देश में सोने की मांग आठ प्रतिशत बढ़कर 136.6 टन पहुंची

- एक साल पहले की समान अवधि में 126.3 टन थी

नई दिल्ली ।

भारत की सोने की मांग कीमतों के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बावजूद मजबूत आर्थिक माहौल की वजह से जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 136.6 टन हो गई। विश्व स्वर्ण परिषद ने यह जानकारी दी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा सोने की खरीद से भी मांग में वृद्धि हुई। इस वर्ष जनवरी-मार्च में मूल्य के संदर्भ में भारत की सोने की मांग वार्षिक आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 75,470 करोड़ रुपये हो गई। इसका कारण मात्रा में वृद्धि के साथ-साथ तिमाही औसत कीमतों में 11 प्रतिशत की वृद्धि भी है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने मंगलवार को अपनी वैश्विक रिपोर्ट गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स क्यू1 2024 जारी की। इसके अनुसार, भारत की कुल सोने की मांग, जिसमें आभूषण तथा निवेश दोनों शामिल हैं। इस साल जनवरी-मार्च में बढ़कर 136.6 टन हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 126.3 टन थी।

भारत में सोने की कुल मांग में से आभूषणों की मांग चार प्रतिशत बढ़कर 95.5 टन हो गई। कुल निवेश मांग 19 प्रतिशत बढ़कर 41.1 टन हो गई। डब्ल्यूजीसी के भारत में एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि सोने की मांग में वृद्धि भारतीयों के सोने के साथ स्थायी रिश्ते की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा कि भारत का निरंतर मजबूत वृहद आर्थिक परिवेश सोने के आभूषणों की खपत के लिए सहायक रहा, हालांकि मार्च में कीमतें ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गईं। इससे तिमाही समाप्त होने पर बिक्री कम हुई। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस वर्ष भारत में सोने की मांग 700-800 टन के आसपास रहेगी।

विप्रो के नए सीईओ का सालाना पैकेज 58,41,67,500 रुपए

नई दिल्ली । श्रीनि पलिया विप्रो कंपनी के नए सीईओ बन गए हैं जिसकी जानकारी कंपनी ने दी है। विप्रो कंपनी के नए सीईओ को कुल सात मिलियन डॉलर बतौर वेतन दिए जाने की घोषणा की गई है। ये राशि भारतीय रुपए में 58,41,67,500 रुपये सालाना होती है, जो 58.5 करोड़ रुपये है। श्रीनि पलिया को सीईओ और एमडी थिएरी डेलापोर्टे से इस्तीफा देने को कहा गया था। इसके बाद उन्हें विप्रो की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस वर्ष अप्रैल महीने में ही उन्हें ये पद सौंपा गया है। इसके बाद उन्होंने एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। इतनी अधिक सैलरी पाने वाले श्रीनि पलिया दुनिया के कुछ चुनिंदा अधिकारियों की सूची में शामिल हो गए है।श्रीनि पलिया तीन दशक से अधिक समय से काम कर रहे हैं। उन्होंने विप्रो में भी कई जिम्मेदारियों को निभाया है। अमेरिकाज 1 यूनिट के सीईओ बनने से पहले ही वो विप्रो में भी पदभार संभाल चुके है। उनके पास कंज्युमर बिजनेस यूनिट की जिम्मेदारी थी। विप्रो की कंज्यूमर बिजनेस यूनिट का अध्यक्ष रह चुके है। वो बिजनेस एप्लिकेशन सर्विसेज के ग्लोबल हेड की जिम्मेदारी निभा चुके है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को भी विप्रो के संबंध में जानकारी दी गई है कि बीते 32 वर्षों से कंपनी में काम कर रहे श्रीनि पलिया अब आगामी पांच वर्षों के लिए नई भूमिका में दिखाई देंगे। आगामी पांच वर्षों तक वो विप्रो के सीईओ बने रहेंगे।

जेएनके इंडिया के शेयर 50 प्रतिशत बढ़कर बाजार में सूचीबद्ध

नई दिल्ली । हीटिंग उपकरण बनाने वाली कंपनी जेएनके इंडिया के शेयर अपने निर्गम मूल्य 415 रुपये से करीब 50 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 49.39 प्रतिशत चढ़कर 620 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में यह 71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 709.85 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 49.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 621 रुपये पर कारोबार शुरू किया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,732.16 करोड़ रुपये रहा। जेएनके इंडिया के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 28.07 गुना अभिदान मिला। आईपीओ में 300 करोड़ रुपये तक के ताजा निर्गम के अलावा प्रवर्तक तथा एक मौजूदा शेयरधारक की 84,21,052 इक्विटी शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल थी। आईपीओ का मूल्य दायरा 395-415 रुपये प्रति शेयर था।आईपीओ से मिली आय का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।जेएनके इंडिया थर्मल डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, स्थापना और हीटिंग उपकरणों के कारोबार में है।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे रोहित, पांड्या होंगे उपकप्तान

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई ने एक जून से वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के लिए की 15 सदस्यीय घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा टीम की अगुवाई करते हुए नजर आएंगे जबकि हार्दिक पांड्या को उप-कप्तान बनाया गया है। भारत अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 05 जून 2024 को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद 09 जून 2024 को उसी स्थान पर पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबला होगा।

टीम में विराट कोहली के साथ यशस्वी जायसवाल को जगह मिली है। सूर्यकुमार यादव की भी टीम में वापसी हुई है। इसी के साथ ही विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत और संजू सैमसन दोनों को टीम में शामिल किया गया है। ऑलराउंडर के रूप में शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल नजर आएंगे।

गेंदबाजों में कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल की जोड़ी एक बार फिर मैदान पर दिखाई देगी जबकि प्रभावी अर्शदीप सिंह को मौका दिया गया है। तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह के साथ मोहम्मद सिराज भी नजर आएंगे। टीम में मोहम्मद शमी को जगह नहीं मिली है क्योंकि वह रिकवरी पर हैं। इसके अलावा शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और अवेश खान को रिजर्व के तौर पर रखा गया है।

टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

रिजर्व : शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और अवेश खान

टी20 विश्व कप 2024 में भारत का शेड्यूल

05 जून : भारत बनाम आयरलैंड, नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क

09 जून : भारत बनाम पाकिस्तान, नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क

12 जून : यूएसए बनाम भारत, नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क

15 जून : भारत बनाम कनाडा, सेंट्रल ब्रोवार्ड पार्क एंड ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम, लॉडरहिल

मैड्रिड ओपन : नडाल ने कड़े मुकाबले में केचिन को हराया, स्वियातेक क्वार्टर फाइनल में पहुंची

मैड्रिड (एजेंसी)। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रफेल नडाल ने सोमवार को यहां मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में तीन घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में पेड्रो केचिन को तीन सेट में शिकस्त दी। नडाल ने दुनिया के 91वें नंबर के खिलाड़ी केचिन को पुरुष एकल मुकाबले में 6-1, 6-7, 6-3 से हराया। पांच बार के चैंपियन नडाल ने इस जीत के साथ प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। नडाल अगले दौर में 31वें नंबर के खिलाड़ी जिरी लेहेका से भिड़ेंगे। शीर्ष वरीय यानिक सिनर अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं दिखाने के बावजूद पावेल कोतोव को 6-2, 7-5 से हराने में सफल रहे। वह प्री क्वार्टर फाइनल में 16वें वरीय कारेन खचानोव से भिड़ेंगे। तीसरे वरीय दानिल मेदवेदेव हार से सिर्फ दो अंक दूर थे लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए सबेस्टियन कोर्डा को 5-7, 7-6, 6-3 से हरा दिया जबकि पांचवें वरीय कास्पर रूड ने कैमरन नोरी को 6-2, 6-4 से हराया। महिला एकल में मेडिसन कीज ने कोको गॉफ को 7-6, 4-6, 6-4 से हराकर क्वार्ट फाइनल में प्रवेश किया। वह अगले दौर में ओन्स जेब्बुर से भिड़ेंगी जिन्होंने येलेना ओस्टापेंको को 6-0, 6-4 से शिकस्त दी। शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने सारा सोरिबेस टोर्मो को एकतरफा मुकाबले में 6-1, 6-0 से हराकर मैड्रिड में पहले खिताब की ओर कदम बढ़ाए। अगले दौर में स्वियातेक की भिड़ंत 11वीं वरीय बीट्रिज हदाद माइया से होगी जिन्होंने पांचवीं वरीय मारिया सकारी को 6-4, 6-4 से हराया।

इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, आर्चर की वापसी, दो नए चहेरे भी शामिल

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने जून में वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के लिए 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम की घोषणा कर दी है। जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भी शामिल किया गया है।

आर्चर अपनी दाहिनी कोहनी की चोट से उबरने के बाद एक साल में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। 2021 के बाद से उन्हें कई चोटों का सामना करना पड़ा है, जिसमें तनाव फ्रैक्चर और बार-बार कोहनी की समस्याओं से लेकर सर्जरी से गुजरना शामिल है। 29 वर्षीय तेज गेंदबाज की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आखिरी उपस्थिति एक साल पहले मार्च 2023 में इंग्लैंड के बांग्लादेश दौरे पर हुई थी।

बाएं हाथ के स्पिनिंग ऑलराउंडर टॉम हार्टले एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी हैं जिन्होंने बल्लेबाज विल जैक आईसीसी विश्व टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया। सभी टीमों को 25 मई तक अपने दस्तों में बदलाव करने की अनुमति है जिसके बाद किसी भी बदलाव के लिए आईसीसी की इवेंट तकनीकी समिति से अनुमोदन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा यह टीम अगले महीने लीड्स में चार मैचों की टी20 सीरीज में पाकिस्तान से भी भिड़ेगी।

इंग्लैंड क्रिकेट ने कहा कि चयनित खिलाड़ी जो वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहे हैं, पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए समय पर लौट आएंगे, जो 22 मई को हेडिंग्ले में शुरू हो रही है। विश्व कप टीम 4 जून को केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में स्कॉटलैंड के खिलाफ इंग्लैंड के शुरुआती ग्रुप मैच से पहले 31 मई को कैरेबियन के लिए उड़ान भरेगी।

टी20 विश्व कप और पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड की प्रारंभिक टीम

जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन , आदिल रशीद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, और मार्क वुड.

पंजाब पर जीत के इरादे से उतरेगी सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवार को चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। सीएसके की टीम ने अपने पिछले मुकाबले में यहां लखनऊ सुपरजाइंट्स को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं जिससे वह अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना चाहेगी। इस मैच में सीएसके की बल्लेबाजी कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा शिवम दुबे, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र पर रहेगी। रविन्द्र अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं और उनका लक्ष्य इस मैच में जमकर रन बनाना रहेगा। वहीं गेंदबाजी की कमान मुस्ताफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना आदि पर रहेगी। उसे पंजाब के निचले क्रम के बल्लेबाजों आशुतोष शर्मा और शशांक सिंह पर अंकुश लगाना होगा क्योंकि ये दोनो ही आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिला देते हैं।

सुपरजाइंट्स के खिलाफ कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 98 रनों की शानदार पारी खेली थी जबकि गेंदबाजी में तुषार देशपांडे ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिए थे। यहां की पिच गेंदबाजों के लिए सहायक रहती है जिसका लाभ भी सीएसके के गेंदबाज उठाना चाहेंगे। यहां ओस नहीं पड़े तो फिर दूसरी पारी में रन बनाना कठिन होता है। ऐसे में टॉस की अहम भूमिका रहेगी और पहले गेंदबाजी करने वाली टीम लाभ में रहेगी हालांकि ओस गिरने पर हालात बदल जाते हैं।

इस मैदान पर सीएसके ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 200 से अधिक रन बनाये थे। इससके बाद उसने अच्छी गेंदबाजी कर सनराइजर्स को हराया था। ऐसे में पंजाब के लिए चेपॉक पर खेलना आसान नहीं रहेगा। पंजाब ने हालांकि इस सत्र में एक बार लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे अधिक रन बनाये हैं जिससे टीम का मनोबल बढ़ा है और वह जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। पंजाब की बात करें तो टीम की बल्लेबाजी जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह के अलावा शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान सैम कुरेन, कागिसो रबादा जैसे खिलाड़ियों के पास रहेगी।

टीम

चेन्नई सुपरकिंग्स- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, अरावेल्ली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हांगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्ताफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महीश तीक्षणा और समीर रिज्वी।

पंजाब किंग्स- शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व ताइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कागिसो रबादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु।

अकरम की तरह तेजी से ओवर पूरा करते हैं जडेजा : सिद्धू

चेन्नई । पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने नवजोत सिंह सिद्धू अपने बड़बोलेपन के लिए जाने जाते हैं। अब सिद्धू ने ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की तुलना पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर वसीम अकरम से की है। सिद्धू ने ये बात जडेजा के तेजी से ओवर पूरे करने को लेकर कही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से अकरम जल्दी से ओवर पूरा किया करते थे, वैसे ही जडेजा भी तेजी से ओवर पूरा करते हैं। सिद्धू ने कहा जब ओवर पूरा करने की बात आती है तो जडेजा अकरम की तरह तेजी से गेंदबाजी करते हैं। इससे बल्लेबाजों पर दबाव बना रहता है क्योंकि उन्हें आराम का कोई अवसर नहीं मिलता। इसके अलावा सिद्धू ने बल्लेबाज शाहरुख खान को लेकर कहा कि वह प्रतिभाशाली है और पाक के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी की तरह गेंद पर प्रहार करता है लेकिन उसे अपना विकेट बचाकर खेलना होगा और प्रदर्शन में निरंतरता दिखानी होगी।

श्रेयस अय्यर के आईपीएल में 3 हजार रन पूरे, इस लिस्ट में पाया 5वां स्थान

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान श्रेयस अय्यर ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 3,000 रन पूरे कर लिए। भारतीय बल्लेबाज ने ईडन गार्डन्स के मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। अय्यर ने 23 गेंदों में 3 चौकों और 1 छक्के की मदद से 33 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। अय्यर अब तक 110 मैचों में 32.20 की औसत और 126.28 की स्ट्राइक रेट से 20 अर्धशतक के साथ 3,027 रन बना चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 96 है। अय्यर ने पहली बार 2015-2021 तक दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व किया और 2022 में नाइट्स में शामिल हुए। दिल्ली के लिए 87 मैचों में अय्यर ने 31.75 की औसत और 123.96 की स्ट्राइक रेट से 16 अर्धशतकों के साथ 2,375 रन बनाए हैं। कैपिटल्स के लिए उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 96 रन था। केकेआर के लिए अय्यर ने 23 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 34.52 की औसत और 135.55 की स्ट्राइक रेट से 4 अर्धशतकों के साथ 652 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 85 रहा है।

किसी खास शैली की नकल न करें पाक खिलाड़ी : गिलेस्पी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के नये टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी ने टीम के खिलाड़ियों से कहा है कि वे अपनी शैली में बदलाव न करते हुए अपना स्वाभाविक खेल ही खेलें। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर रहे गिलेस्पी के अनुसार किसी खास शैली की नकल उन्हें भारी पड़ सकती है। कोच के अनुसार वह चाहते हैं कि उनके प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपने तरीके से ही खेलें। साथ ही कहा कि टेस्ट क्रिकेट में आगे बढ़ने के लिए उन्हें केवल सकारात्मक और आक्रामक रवैया रखना होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने गिलेस्पी को अगले दो साल के लिए टीम को कोच बनाया है।

वहीं सीमित ओवरों के लिए कोच की कमान दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज रहे गैरी कर्स्टन को दी गयी है। कर्स्टन के कोच रहते ही भारत ने साल 2011 में एकदिवसीय विश्व कप जीता था। गिलेस्पी ने कहा, 'मैं बस इतना चाहता हूं कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम उस शैली की क्रिकेट खेले जो उनके अनुकूल हो। मेरे लिए यही बात सबसे अहम है। मेरा मानना है कि कुछ ऐसा बनने का प्रयास

नहीं करना चाहिये जो आप नहीं हो।'

गिलेस्पी ने कहा, 'आप इसे कैसे करते हैं ये आपके ऊपर है। मैं केवल इतना कहूंगा कि सकारात्मक, आक्रामक, मनोरंजक बनें। चेहरे पर मुस्कान के साथ खेलें और प्रशंसकों का मनोरंजन करें।' गिलेस्पी ने कहा, 'एक ऐसा समय भी आएगा जब आपको कड़ी मेहनत करनी होगी और यही टेस्ट क्रिकेट है। यह आपके कौशल, मानसिक क्षमता और धैर्य की परीक्षा लेता है। इसमें ऐसा समय भी होता है जब आपको आक्रमण करना होता है और कभी कभी विरोधी टीम पर दबाव भी बनाना होता है।

कोच ने कहा कि पाक के पास कुशल खिलाड़ी हैं पर उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरता रखनी होगी। उन्होंने कहा, 'अगर हम जितना संभव हो अपने प्रदर्शन में उतनी निरंतरता ला सकें तो उम्मीद है कि स्कोरबोर्ड पर रन होंगे तो भी हम कुछ जीत हासिल कर सकते हैं। मुझे पता है कि वे बहुत प्रतिभाशाली और कुशल खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों को यह तय करने की जरूरत है कि वे स्वयं को कैसे देखना चाहते हैं और हम ऐसा कैसे कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'टीम के पास जीत के लिए जरुरी सभी कुछ है। मैं बल्लेबाजी में प्रतिभाशाली और रोमांचक खिलाड़ियों को देखता हूं। उनमें से कई बहुत अच्छे स्ट्रोक खेलने वाले खिलाड़ी हैं। ये तकनीकी रूप से बहुत कुशल खिलाड़ी भी हैं।' उन्होंने कहा, ' टीम के पास ऐसे भी तेज गेंदबाज हैं जो तेज गति से गेंदबाजी करते हैं और गेंद को स्विंग कराते है। इसके अलावा ऐसे स्पिनर भी हैं जो गेंद को तेजी से स्पिन कराते हैं।'

पृथ्वी की मुश्किलें बढ़ीं , सपना की याचिका पर सत्र अदालत ने भेजा समन

मुंबई । क्रिकेटर पृथ्वी शॉ की मुश्किलें बढ़ रही हैं। मुंबई की एक सत्र अदालत ने सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर सपना गिल की याचिका पर पृथ्वी को समन जारी किया। सपना ने अपनी इस याचिका में इस क्रिकेटर के खिलाफ एक मजिस्ट्रेट के आदेशों को चुनौती दी है। अंधेरी की एक मेट्रोपॉलिटन अदालत ने इस महीने की शुरुआत में सपना की याचिका पर उस घटना को लेकर पुलिस जांच का आदेश दिया था, जिसमें एक पब में कथित तौर पर उसके साथ छेड़छाड़ करने के लिए पृथ्वीके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। अदालत ने हालांकि सपना की एक अन्य याचिका को खारिज कर दिया था जिसमें क्रिकेटर और उसके दोस्त के खिलाफ उनकी शिकायत पर मामला दर्ज करने में विफल रहने के लिए पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। दोनों आदेशों से असंतुष्ट नजर आयीं सपना ने इसके बाद मलाड की एक सत्र अदालत के समक्ष एक समीक्षा आवेदन दायर किया। वकील अली काशिफ खान के माध्यम से दायर इस समीक्षा आवेदन में दावा किया गया है कि 3 अप्रैल को मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश अनियमित और अवैध है। इस मामले की अगली सुनवाई 6 जून को होगी।

दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप टीम की घोषणा की, दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को मिली जगह

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में 1-29 जून तक खेले जाने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें एडेन मार्कराम टीम का नेतृत्व करेंगे। टी20आई कप्तान बनाए जाने के बाद यह मार्कराम का पहला विश्व कप होगा। टीम में अनुभवी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर और होनहार ट्रिस्टन स्टब्स शामिल हैं। इसके अलावा, टीम में दो अनकैप्ड टी20आई खिलाड़ी विकेटकीपर बल्लेबाज रयान रिकेलटन और तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन भी शामिल हैं। रिकेलटन एमआई केप टाउन के लिए 58.88 की औसत से 530 रन के साथ टी20 के दूसरे संस्करण के अग्रणी रन-स्कोरर के रूप में रहे जबकि बार्टमैन ने गत चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए आठ मैचों में 18 विकेट लिए और वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) दिल्ली कैपिटल्स के साथ हैं। कैगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्टजे तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। उन्हें मार्को जेन्सन और गेराल्ड कोएत्ज़ी का समर्थन प्राप्त होगा। अन्य उल्लेखनीय चयनों में तीन फ्रंट-लाइन स्पिनर ब्योर्न फोर्टुइन, केशव महाराज और तबरेज़ शम्सी शामिल हैं। तेज गेंदबाजों में नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी को ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में शामिल किया गया है। मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'हाल ही में खेले गए टी20 क्रिकेट की मात्रा और जिस तरह का फॉर्म दिख रहा है, उसे देखते हुए इस समूह का चयन करना बेहद कठिन था। मैं दो अनकैप्ड खिलाड़ियों, रयान और ओटनील को उनके चयन पर बधाई देना चाहता हूं। हमने 2024 में अपने खिलाड़ियों का कुछ अविश्वसनीय प्रदर्शन देखा है और इससे मेरा काम वास्तव में बहुत कठिन हो गया। फिर भी मुझे गर्व और विश्वास है कि हमने सबसे मजबूत संभावित टीम का चयन किया है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वेस्ट इंडीज और यूएसए में सफलता की पूरी संभावना है।'

टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम- एडेन मार्कराम, ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्ज़ी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नॉर्टजे, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज़ शम्सी, और ट्रिस्टन स्टब्स।

पीबीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी का कार्यक्रम आईसीसी के पास भेजा

-भारत सहित सभी टीमों के मैच पाक में ही रखे गये

दुबई । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में भारत सहित सभी टीम के मैच पाक में ही रखें है जबकि भारतीय टीम के वहां जाने की कोई संभावना नहीं हैं। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस टूर्नामेंट का कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भी भेजा है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि पूरे पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी पाक करेंगा और किसी भी टीम के मैच तटस्थ स्थल पर कराने की कोई योजना नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी के इस नौवें सत्र में शीर्ष 8 एकदिवसीय टीमें शामिल होंगी। इस टूर्नामेंट की शुरुआत फरवरी और मार्च 2025 में होगी। नकवी ने कहा कि पीसीबी ही इस पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी करना चाहता है। नकवी ने कहा कि, हम पाक में पूरी चैंपियंस ट्रॉफी चाहते हैं। इसी कारण हमने आईसीसी को कार्यक्रम भेज दिया है। जहां तक सुरक्षा की बात है आईसीसी की टीम ने पाक का दौरा किया था और वह हमारे सुरक्षा इंतजामों से संतुष्ट दिखी है। पीसीबी को उम्मीद है कि भारतीय टीम इसमें शामिल होगी। हालांकि उसकी उम्मीदें पूरी होने की कोई संभावना नहीं है। इसका कारण है कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से शायद ही पाक का दौरा करे। पिछले साल हुए पाक में हुए एशिया कप में भी भारतीय टीम शामिल नहीं हुई थी और उसके सभ मैच श्रीलंका में आयेजित किये गये थे। इस बार भी भारतीय टीम के पाक दौरे की कोई संभावना नहीं है। दूसरी ओर पीसीबी इस मामले में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर दबाव बनाना चाहता है।

हसी ने बताया रूतुराज की सफलता का राज

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने टीम के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ की तारीफ करते हुए कहा है कि उसे पता है कि कब क्या करना है। हसी ने कहा कि रूतुराज गेंदबाजों से एक कदम आगे चलता है जिससे उसे पता चल जाता है कि किस गेंद को कैसे खेलना है। हसी ने कहा, '' मैं उससे पूछता रहता हूं कि उसके शानदार प्लेसमेंट का राज क्या है क्योंकि उसे हमेशा फील्डर के बीच में जगह मिल जाती है जिससे गेंद आसानी से सीमा रखा के पार निकल जाती है।'' कोच ने कहा,'' वह चालाक बल्लेबाज है। उसे पता है कि किस गेंद पर स्ट्रोक खेलना है और किस पर नहीं। वह स्पिन गेंदों के साथ ही तेज गेंदबाजी का सामना भी आसानी से करता है। इससे वह मैदान के चारों ओर तेजी से रन बनाता है।'' साथ ही कहा ,'' वह हमेशा गेंदबाजों से एक कदम आगे रहता है। इसी कारण उसकी बल्लेबाजी देखने में आनंद आता है।

एआईएफएफ अध्यक्ष ने अतीत में गलत प्राथमिकताओं का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मंगलवार को कहा कि अतीत में केवल ओलंपिक और एशियाई खेलों में भाग लेने पर ध्यान केंद्रित करने की देश की गलत प्राथमिकता के कारण शायद मौका गंवाया गया और विश्व स्तर पर टीम लगभग निचले स्तर पर है।

भारत की फीफा रैंकिंग में इस समय गिरावट आ रही है जिसका कारण एशियाई कप में उसका एक भी मैच नहीं जीतना और उसके बाद 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में निचली रैंकिंग वाले अफगानिस्तान से 1-2 से हार है। भारत के पूर्व गोलकीपर चौबे ने 1974 एशियाई युवा चैंपियनशिप में भारत की जीत के 50 साल के जश्न के मौके पर कहा, ''1947 से 1960 तक भारत ने नियमित रूप से चार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया और एशिया की दिग्गज टीम थे। तो भारत कहां पीछे रह गया? 1990 के दशक की शुरुआत में भी, जब मैं खेला करता था तब मुझे याद है कि भारत की रैंकिंग 90 से नीचे थी।''

उन्होंने कहा, ''अगर भारत विश्व कप (1950) में खेलता तो उन्हें शीर्ष रैंकिंग वाले देशों का सामना करना पड़ता और वे पिछड़ते नहीं।'' विश्व कप 1950 में जगह बनाने के बावजूद भारत इसमें क्यों नहीं खेला यह एक विवादास्पद विषय रहा है लेकिन चौबे ने कहा कि उस समय भारत की प्राथमिकता दिल्ली में होने वाले एशियाई खेल (1951) थे जहां उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कहा, ''मुझे पता चला कि हम इसलिए नहीं खेले क्योंकि भारत 1951 में दिल्ली में एशियाई खेलों की मेजबानी कर रहा था। वे जहाज से तीन महीने की यात्रा नहीं करना चाहते थे और विश्व कप को महत्व नहीं दिया।''

चौबे ने कहा, ''हम शायद 1950-74 तक केवल एशियाई खेलों और ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित करने के कारण चूक गए होंगे।'' उन्होंने दावा किया कि उन दिनों विश्व कप लोकप्रिय नहीं था और 1986 में डिएगो माराडोना को देखने के बाद ही भारत में फुटबॉल की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की लोकप्रियता बढ़ी। चौबे ने कहा, ''अगर मैं गलत नहीं हूं तो 1986 में टेलीविजन पर माराडोना को देखने के बाद ही विश्व कप लोकप्रिय हुआ। तब तक 1970 के दशक का सुनहरा दौर खत्म हो चुका था और हम मौके से चूक गए।'' उन्होंने कहा, ''यह 400 मीटर की दौड़ में पहला लैप चूकने जैसा है। हम शायद तेजी से दौड़ रहे हैं लेकिन 400 मीटर की दौड़ में बाकी लोग एक लैप (100 मीटर) आगे हैं।''

एआईएफएफ प्रमुख ने स्वीकार किया कि भारत को अन्य देशों से आगे निकलने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। चौबे ने कहा, ''इसलिए हमें इसकी भरपाई के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होगा। कोई जादुई फॉर्मूला नहीं है। यह एक बड़ा देश है और इसमें सुधार की काफी गुंजाइश है।'' उन्होंने कहा कि जागरूकता और नई तकनीक को अपनाकर उम्र में हेराफेरी को रोकना महत्वपूर्ण है। चौबे ने कहा, ''सबसे पहले अधिक उम्र की समस्या से निपटना होगा। हमें उम्र में हेराफेरी को रोकना होगा, यह विज्ञान के माध्यम से या जागरूकता बढ़ाकर हो सकता है। हमें दूसरों को शिक्षित करना होगा। एक टीडब्ल्यू3 मेडिकल परीक्षण भी है जिसे अनिवार्य बनाया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

सीएमपीडीआई परिवार के एक सदस्य हुए सेवानिवृत्त

रांची : सीएमपीडीआई के मुख्य प्रबंधक (सिस्टम) पी0के0 बिशोई के सेवानिवृत्ति के अवसर पर आज संस्थान के कांफ्रेंस हॉल में एक विदाई-सह-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) श्री शंकर नागाचारी, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) श्री अजय कुमार एवं निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) श्री अच्युत घटक ने सेवानिवृत्त हो रहे श्री बिशोई को पौधा, मान-पत्र, प्रतीक चिह्न व शॉल देकर कम्पनी की ओर से सम्मानित किया और उनके कार्यों एवं योगदान की प्रशंसा की तथा उनके उज्जवल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। मौके पर सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक/विभागाध्यक्षगण ने भी सेवानिवृत्त कर्मी एवं उनके परिवारजनों के लिए मंगल कामना की। इस अवसर पर यूनियन के प्रतिनिधि श्री प्रलय भट्टाचार्या, श्री के0बी0 शिरोमणि, श्री राजन कुमार रजक एवं ओबीसी संघ के प्रतिनिधि श्री राजेश साव ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। स्वागत भाषण उप महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्रीमती सुमन रस्तोगी, मंच का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन उप प्रबंधक (राजभाषा) श्री अभय मिश्र ने किया।

आठवीं लेजर रन फेडरेशन प्रतियोगिता: 9 स्वर्ण 7 रजत 8 कांस्य पदक झारखंड बना ओवरऑल चैंपियन

रांची : मॉडर्न पेंटाथलॉन फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित आठवीं लेजर रन प्रतियोगिता 2024 का आयोजन अमरावती स्टेडियम में 26 अप्रैल से 29 अप्रैल तक गई थी इस प्रतियोगिता में झारखंड दल ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए। आठवीं लेजर रन फेडरेशन प्रतियोगिता 2024 5 स्वर्ण 5 रजत 4 कांस्य जीते वहीं ग्लोबल रन प्रतियोगिता में 4स्वर्ण 2रजत 4 कांस्य जीते और इसके साथ कुल पदक 9 स्वर्ण 7 रजत 8 कांस्य पदक लेकर झारखंड बना ओवरऑल चैंपियन। इस ऑफर पर खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षक - शिवा कुमार महतो तकनीकी अधिकारी - अभिषेक कुमार मैनेजर - जयराम भगत टीम के सभी सदस्यों को मॉडर्न पेंटाथलों एसोसिएशन ऑफ झारखंड के महासचिव शैलेंद्र पाठक एवं झारखंड ओलंपिक संघ के महासचिव डॉक्टर मधुकांत पाठक कोषाध्यक्ष शिवेंद्र दुब पाकुड़ जिला संघ के रणवीर सिंह धनबाद जिला संघ के सभी पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी। उक्त जानकारी महासचिव शैलेन्द्र पाठक मॉडर्न पेंटाथलॉन एसोसिएशन ऑफ झारखंड ने दी।

प्याऊ का उद्घाटन

रांची : राँची में बढ़ती हुई धूप को देखते हुये हरमू हाऊसिंग कॉलोनी में 'प्याऊ' लगाया गया। लायंस क्लब राँची (ग्रेटर) व जीडी गोयनका जूनियर स्कूल (हरमू) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में राहगीरों को चना - गुड़ व पानी का वितरण किया गया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष लायन गणेश प्रसाद सिंह, सचिव लायन रंधीर चौधरी, कोषाध्यक्ष राजेश त्रिपाठी, लायन सुशील, जीडी गोयनका जूनियर विंग की को - आर्डिनेटर सत्या सिन्हा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर हुई बैठक

रांची : रातु प्रखंड अंतर्गत बाजपुर एवं बिजुलिया पंचायत महादेव टंगरा में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर मिटिग रखा गया जिसमें, इंडिया महागठबंधन रांची लोकसभा कांग्रेस प्रत्याशी सुश्री यशस्विनी सहाय के पक्ष में बढ़ चढ़कर वोट देने की बातें हुई, कार्यक्रम में शामिल मुख्य रूप से उपस्थित,, रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी सचिव,(जसीम अंसारी) महासचिव अकलिमा खातुन, रातु प्रखंड अध्यक्ष कुशल उरांव, मंडल अध्यक्ष रुस्तम अंसारी अतुल ठाकुर,रातु प्रखंड प्रभारी राजेश पाण्डे, एसटी मोर्चा अध्यक्ष प्रेम चंद मुंडा बिजलियां पंचायत अध्यक्ष प्रकाश उरांव, ईदगाह के सदर अब्दुल कुदुस मदरसा नुरुल उलूम सेक्रेट्री, अनीसुर रहमान उप सेक्रेट्री सफीक अंसारी मोहर्रम कमेटी, सेक्रेट्री मकबूल अंसारी वरिष्ठ नेता रवि उरांव, मनजुर अंसारी गबरेल तिगा, गोपी उरांव मनान अंसारी सदाकत अंसारी, असलम अंसारी खुर्शीद आलम रफीक अंसारी नयुम अंसारी अनवर अली समीउल्लाह अंसारी हमीद अंसारी बसारत अंसारी बुधनाथ ठाकुर शरीफ अंसारी, मनोज उरांव, मास्टर तौसिफ, मकबूल अंसारी, शकील अंसारी सराफत अंसारी, अशोक कुमार, जलाल मियां , बशारत अली इमाम अंसारी, सूरेश उरांव बबलू उरांव, सुखू उरांव , एवं सैंकड़ों गनमनय लोग उपस्थित हुए, संचालन जसीम अंसारी ने किया, और सभा का समापन प्रकाश उरांव ने किया।

गृह मंत्री का फेक वीडियो के मामले मे भाजपा ने अरगोड़ा थाना मे आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

रांची : भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल अरगोड़ा थाना पहुँच कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी का फेक वीडियो वायरल करने के आरोपी शैलेंद्र हाजरा एवं रूपेश रजक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। भाजपा जनता युवा मोर्चा के कार्यालय मंत्री संजय कुमार महतो ने यह प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस मौके पर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुधीर श्रीवास्तव ने कहा की देश का गृह मंत्री का जिस तरह फेक वीडियो वायरल हो रहा है उसका वीडियो को पेन ड्राईव भी थाना मे दिया गया है। यह वीडियो न सिर्फ आदर्श चुनाव आचार संहिता का मामला है बल्कि यह वीडियो देश मे आशांति फैलाने के उद्देश्य से किया गया है। आरक्षण जैसे मुद्दे पर अमित शाह जी ने कभी नहीं कहा की इसको खतम कर देंगे, यह वीडियो न सिर्फ अमित शाह का व्यक्तिगत मानहानि है बल्कि यह देश के सामने गलत तथ्य रखने का प्रयास भी है। पीड़ित संजय महतो ने बताया की यह कांड से न सिर्फ अमित शाह जी की छवि धूमिल हुई है बल्कि पार्टी को भी छवि पर धक्का लगा है।

जेबीकेएसएस समर्थित प्रत्याशी संजय कुमार मेहता ने भरा नामांकन पर्चा, समर्थन में उमड़ा जनसैलाब

समर्पित सेवा भाव से हजारीबाग की सेवा ही मेरा लक्ष्य : संजय मेहता

बिभासंवाददाता

हजारीबाग : लोकसभा चुनाव 2024 के लिए हजारीबाग के प्रत्याशियों ने अपना नामांकन करवाना शुरू कर दिया है। मंगलवार को नामांकन करवाने वालो में एक बड़ा नाम जेबीकेएसएस समर्थित प्रत्याशी संजय मेहता का रहा।

संजय मेहता के नामांकन कार्यक्रम की रैली मटवारी गांधी मैदान से निकली और हजारीबाग समाहरणालय स्थित निर्वाचन कार्यालय पहुंची। रैली में झारखंडी योद्धा जयराम महतो समेत हजारों की संख्या में झारखंडी क्रांतिकारी व समर्थक दिखें। इस बीच संजय अपना नामांकन पर्चा दाखिल किए। नामांकन के दौरान 40 डिग्री तापमान और चिलचिलाती धूप में हजारों समर्थकों ने यह संदेश दिया है कि हजारीबाग की जनता परिवर्तन के मूड में है। इस बार जनता उसे ही वोट करेगी जो झारखंडी मुद्दों की आवाज उठाता है। स्थानीयता, नियोजन, पुनर्वास, विस्थापन और सामाजिक न्याय की बात करता है।

अपने समर्थकों के बीच संजय मेहता ने नामांकन पश्चात हजारीबाग लोकसभा के लिए विकास के नए कृतिमान गढ़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि समर्पित सेवा भाव से अपनी माटी का सेवा करना ही मेरा लक्ष्य है। जिस तरह पिछले 3 वर्षों से झारखंड बचाने के लिए हमलोगों ने जनता की आवाज बुलंद किया है। आगे भी सड़क से सदन तक झारखंडियत कि आवाज बुलंद करता रहूंगा।

संजय मेहता ने अपने नामांकन कार्यक्रम से पूर्व इटखोरी स्थित माँ भद्रकाली मंदिर में पहुंचकर आशीर्वाद लिया। झारखंड वासियों के खुशहाली की कामना किया।

संजय के नामांकन में जयराम महतो ने हजारीबाग लोकसभा वासियों को संदेश दिया है कि जनता इस बार पार्टियों को यह संदेश जरूर देगी की अगर अच्छा जनप्रतिनिधि नही देंगे तो वो उन्हें वोट नही देगी। हजारीबाग के जन जन ने परिवर्तन का संकल्प ले लिया है। उन्होंने हजारीबाग लोकसभा वासियों से साथ, समर्थन की अपील किया।

संजय मेहता ने अपने नामांकन कार्यक्रम में पहुंचे हजारीबाग लोकसभा वासियों के कोने कोने से आए लोगों का आभार प्रकट किया। साथ ही कहा कि यह जनसैलाब देखकर अभिभूत हूँ। हम मिलकर हजारीबाग में बदलाव की गाथा लिखने वाले हैं।

ऱ्संजय मेहता जिंदाबादऱ् और ऱ्हजारीबाग का सांसद कैसा हो संजय मेहता जैसा होऱ् के नारों से हजारीबाग के सड़कें गुंजायमान हो गया। एक युवा राजनीतिज्ञ के लिए उमड़ी ये जनसमर्थन हजारीबाग के राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना दिया है। लोगों का उनके तरफ स्वाभाविक झुकाव हजारीबाग के प्रबुद्ध जनता के लिए एक बहस का विषय बना हुआ है। नामांकन कार्यक्रम में हजारीबाग लोकसभा एवं कोडरमा, गिरिडीह, चतरा, रांची समेत झारखंड के कई जिलों से भारी संख्या में झारखंडी लोग मौजूद रहे।

सीसीएल से सेवानिवृत्त हो रहे 43 कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

बिभा संवाददाता

रांची : सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, राँची के विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त हो रहे 3 कर्मियों – डॉ. छाया रानी, सीएमओ, गांधीनगर अस्पताल, श्री अमर नाथ झा, वरीय पीए, ए-1, सीएमसी विभाग एवं श्री सूरज महतो, हेड सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी विभाग को सीसीएल की ओर से एक सम्मान- सह - विदाई समारोह का आयोजन कर भावभीनी विदाई दी गई।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (सीएमसी) श्री राजीव सिंह, सीएमएस, सीसीएल, डॉ. सुमन सिंह, मुख्य प्रबंधक (कार्मिक), कल्याण विभाग श्रीमती केया मुखर्जी सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष/महाप्रबंधक एवं सेवा निवृत्त कर्मियों के परिवार के सदस्य एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे। ज्ञात हो कि अप्रैल माह में सीसीएल मुख्यालय सहित पूरे सीसीएल से 43 कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सीसीएल के सभी क्षेत्र में भी इस तरह का आयोजन किया जा रहा है। महाप्रबंधक (सीएमसी) श्री राजीव सिंह सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को सेवाकाल के सफल समापन पर बधाई देते हुए कहा कि आप सभी के योगदान के फलस्वरूप कंपनी सफलता के मार्ग पर अग्रसर है। श्री सिंह ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के जीवन के दूसरी पाली के लिए शुभकामनाएँ दी।

अवसर विशेष पर सीएमएस, सीसीएल, डॉ. सुमन सिंह ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के स?वस?थ जीवन की कामना करते हुए कहा कि द्वितीय पाली में आप ज्यादा से ज्यादा परिवार को समय दें और अपनी पसंद का कार्य करें।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यानुभवों पर एक शॉर्ट फिल्म (विडियो क्लिप) प्रदर्शित किया गया। इस वीडियो में कर्मियों ने अपने संपूर्ण सेवाकाल के यादगार लम्हों को विडियो के माध्यम से साझा किया। सभी 3 सेवानिवृत्त कर्मियों ने कंपनी के प्रति शुभेच्छा प्रकट करते हुए कहा कि कंपनी हमारे पूरे सेवा काल में जीवन का एक अभिन्न अंग रही है।

सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन मुख्य प्रबंधक (कार्मिक), कल्याण विभाग श्रीमती केया मुखर्जी ने की। कार्यक्रम को सफल बनाने में कल्याण विभाग एवं अन्य सम्बंधित विभागों का विशेष योगदान रहा।

निलेन्दु कुमार सिंह ने सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया

बिभा संवाददाता

रांची : सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) से चयनोपरांत कोयला मंत्रालय, भारत सरकार और कोल इंडिया लिमिटेड के आदेशों के आलोक में श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने आज दिनांक 30.04.2024 को सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया। इस कार्यभार से पूर्व, श्री सिंह ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशक तकनीकी (परियोजना एवं योजना) पद पर कार्यरत थे। श्री सिंह ने वर्ष 1989 में आईआईटी-आईएसएम, धनबाद से खनन इंजीनियरिंग (बी.टेक) में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और वर्ष 1994 में प्रथम श्रेणी खान प्रबंधक प्रमाणन प्राप्त किया।

अपने शिक्षण के उपरांत वर्ष 1989 में कोल इंडिया लिमिटेड के अनुषंगी सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड से अपने करियर की शुरूआत की। श्री सिंह ने 2011 तक सीसीएल में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। इस दौरान वे पिपरवार, अशोका, उरीमारी और कल्याणी इत्यादि परियोजनाओं में खान प्रबंधक के रूप में अपनी सेवाएं दी। इसके बाद, जनवरी, 2012 में उनकी पदस्थापना एसइसीएल में हुई। जहाँ उन्होंने गेवरा में खान प्रबंधक; दीपका और छाल परियोजना में उप क्षेत्र प्रबंधक (एजेंट) और एसईसीएल के दीपका क्षेत्र, कोरबा क्षेत्र और रायगढ़ क्षेत्र में महाप्रबंधक के रूप में अपना योगदान दिया। श्री सिंह के पास मेगा ओपन कास्ट खदानों में काम करने, एफएमसी परियोजनाओं के संचालन, साइडिंग शुरूकरने, नई खनन प्रौद्योगिकियों को अपनाने और उच्चतम क्षमता वाले एचईएमएम के साथ काम करने का व्यापक अनुभव है। श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने खनन तकनीकों में अनुभव प्राप्त करने के लिए उन्होंने 1997 में ऑस्ट्रेलिया का भी दौरा किया है। उन्हें खेल और पेंटिंग में गहरी रुचि है। उन्होंने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय स्तर पर वॉलीबॉल का प्रतिनिधित्व किया है।

झारखंड में अब तक 71 करोड़ 11 लाख रुपये से अधिक की हुई जब्ती

बिभा संवाददाता

रांची : उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नेहा अरोड़ा ने बताया है कि आदर्श आचार संहिता के लागू होने से लेकर अब तक झारखंड में 71 करोड़ 11 लाख रुपये से अधिक की जब्ती की गई है। इसमें अवैध शराब, ड्रग्स आदि समेत 5 करोड़ 18 लाख से अधिक नकद रुपये शामिल हैं। वह मंगलवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में पत्रकार वार्ता में बोल रहीं थीं।

उन्होंने बताया कि राज्य में विधि व्यवस्था को लेकर राज्य के 18577 आर्म्स लाइसेंस में से 817 को रद्द करने की कार्रवाई की गई है। लाइसेंस रद्द हथियारों के मालिकों ने उसका सत्यापन नहीं कराया था।

उन्होंने बताया कि फेज 5 के निर्वाचन को लेकर कुल 14 नामांकन हुए हैं। उनमें चतरा में 9, कोडरमा में 4 और हजारीबाग में 1 नामांकन हुआ है। वहीं फेज 6 के लिए अब तक कुल 8 नामांकन हुए हैं। उनमें गिरीडीह में 1, धनबाद में 2, रांची में 2 और जमशेदपुर में 3 नामांकन हुए हैं।

उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता जागरूकता का अभियान विभिन्न माध्यमों से लगातार जारी है।

संत जेवियर्स कॉलेज में युवाओं को वोट के प्रति किया जागरूक

बिभा संवाददाता

रांच : संत जेवियर्स कॉलेज में दिनांकः 30/04/2024 मंगलवार शाम 3 बजे से न्यूज 99 और आई. क्यू ए. सी द्वारा आयोजित ह्लवोट फॉर योर फ्यूचरह्व विषय के तहत कॉलेज के सभागार में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गयी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए वोटरों को मतदान के प्रति जागरूक करना थो राँची के नगर आयुक्त अमित कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुऐ उन्होंने नए मतदाताओं व कॉलेज के विद्यार्थियों को बताया कि लोकतंत्र जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिए शासन है उन्होंने कहा कि सोच, पार्टी, सरकार सभी बदल सकते हैं लेकिन आपका पहला वोट हमेशा एक यादगार पल के तौर रह जाएगो इस अवसर के मौके पर अतिथि राँची के वरीय पुलिस अधीक्षक चन्दन कुमार सिन्हा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा किसी भी कार्य योजना को कराने के लिए सरकार की जरुरत होती है उसके लिए वोट कर ही लोकतान्त्रिक सरकार चुन सकते हैं मौके पर उपस्थित कॉलेज के प्राचार्य डॉ. फादर एन. लकड़ा ने कहा कि युवाओं को अपने समाज की विषमताओं को दूर करने के लिए सरकार चुनकर ही कर सकते हैं उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कामयाबी एक सुबह जैसी होती है, मांगने पर नहीं जागने से ही मिलती है न्यूज 99 के डायरेक्टर ऱ्राम प्रताप सिंहऱ् , 99 ग्रूप के सी.एम.डी ऱ्श्याम पांडेयऱ् ने भी अपने वक्तव्यों में कॉलेज के छात्रों को वोट के प्रति जागरूक कियो इस दौरान कार्यक्रम में एल्विन रोजारियो बैंड द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गयी जिसे कॉलेज के छात्रों ने काफी सराहा व उस आनंद का लुफ्त उठायो बैंड ने बॉलीवुड व नागपुरी गानों से विद्यार्थियों का खूब झुमाया और मन को पुरे जोश से भर दियो

मौके पर कॉलेज के उप-प्राचार्य डॉ. फादर अजय मिंज, एस.जे., आईक्यूएसी संयोजक डॉ. शिव कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ. संजय सिन्हा, डॉ. मारकुस बारला, डॉ. इवाना चक्रबर्ती व अन्य प्राध्यापकगण और बड़ी संख्या में कॉलेज के छात्र उपस्थित थे

प्रखंड मुख्यालय में गंदगी का अंबार, शौचालय भी बेकार

बिभा संवाददाता

चैनपुरः देशभर में स्वच्छ भारत मिशन अभियान चल रहा है। स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए गरीबों को शौचालय बनाने के लिए राशि दी जा रही है। अभियान को सफल बनाने में पूरा तंत्र जुटा हुआ है, लेकिन चैनपुर प्रशासन स्वच्छता को लेकर बेपरवाह है। यही वजह है कि चैनपुर में जगह-जगह कचरा का अंबार लगा है। शौचालय भी बेकार पड़ा है। इसे लेकर जिम्मेदार तंत्र की कोई चिंता तक नहीं है।इससे यही कहा जा सकता है कि स्वच्छता के प्रति जब अधिकारी ही गंभीर नहीं हैं तो आम लोगों से क्या अपेक्षा कर सकते हैं। स्वच्छता को लेकर प्रशासनिक पदाधिकारियों ने स्वच्छता अभियान चलाया। इसमें भारी बजट खर्च किया गया, लेकिन गुमला जिला में परिणाम सिफर है। यहां अभियान का असर दूर-दूर तक देखने को नहीं मिलता है।इसकी एक चैनपुर प्रखंड मुख्यालय है। जहां से स्वच्छता अभियान के लिए जागरूकता फैलाया जा रहा है, वह कार्यालय ही खुद गंदगी से पटा हुआ है। प्रखंड और अंचल कार्यालय के इर्द-गिर्द गंदगी का अंबार लगा हुआ है। पूरा कार्यालय झाड़ियों से घिरा हुआ है, लेकिन पदाधिकारी इस ओर गंभीर नहीं है।

सरकारी दफ्तर का शौचालय बेकार प्रखंड और अंचल कार्यालय के शौचालय में भी बेकार पड़ा हुआ है। मुख्यालय स्थित शौचालय तो किसी काम का नहीं है। यहां सप्ताह में चार दिन यहां विभिन्न प्रकार की बैठकें या फिर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। शौचालय की स्थिति खराब रहने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को होती है। वे बाहर में शौच को विवश होती हैं।

दीया तले अंधेरा

पदाधिकारी प्रतिदिन गांव-गांव घूम-घूमकर लोगों को बाहर में शौच से मुक्ति के लिए जागरूकता अभियान चलाते हैं, लेकिन प्रखंड कार्यालय में ही महिला-पुरुष कर्मी खुले में शौच करते हैं। क्योंकि कार्यालय का शौचालय बेकार अवस्था में है। जहां सैकड़ों लोग रोज अपने काम के लिए पहुंचते हैं, उस कार्यालय का हाल एकदम दयनीय है।

बाजार समिति में लगी आग, छह फल दुकान जलकर राख

बिभा संवाददाता

कोडरमा। जिले के झुमरीतिलैया स्थित बाजार समिति में मंगलवार दोपहर में अचानक आग लग गई। आगलगी की इस घटना में करीब आधा दर्जन फल दुकानों को नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद सूचना मिलते ही मौके पर अग्निशमन विभाग की टीम पहुंच कर आग पर काबू पाया। बाजार समिति के फल दुकानों के ऊपर रखे प्लास्टिक के कैसेट बिजली के तार के संपर्क में आ गए, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ और आग लग गई।

बाजार समिति में फलों का कचरा भी सूखा हुआ पड़ा था, जिससे देखते ही देखते आग फैल गई और कुछ ही देर में आग ने भयावह रूप धारण कर लिया। गनीमत यह रही कि समय रहते फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया, नहीं तो बड़ी घटना घट सकती थी। इस अगलगी की घटना में करीब 6 दुकानों को भारी नुकसान हुआ है। बाजार समिति परिसर के अंदर अस्थाई फलों का दुकान बनाया गया है, जबकि बाहरी परिसर में कई स्थाई दुकानें भी संचालित होती है। इसके अलावा बाजार समिति परिसर में ही फल व्यवसाईयों के द्वारा कचरा फेंका जाता है, जो भीषण गर्मी के कारण पूरी तरह से सूख चुका था और जैसे ही दुकानों के छत के ऊपर रखे प्लास्टिक के कैसेट बिजली के तार के संपर्क में आए तो तेज हवाओं के कारण कैसेट में आग लग गई और यह आग धीरे-धीरे कचरों तक जा पहुंचा और बाजार समिति का पूरा परिसर आग की चपेट में आ गया।

संक्षिप्त खबरें

प्रवासी मजदूरों को मतदान से पहले घर वापस जरूर बुलाएं : बीडीओ

जादूगोड़ाः स्वीप प्रोग्राम के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए बीडीओ अभय कुमार द्विवेदी द्वारा बूटगोड़ा, चंदनपुर पुटलूपुग आदि जगहों में रात्रि चौपाल लगाया गयाे रात्रि चौपाल के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया साथ ही साथ जो प्रवासी मजदूर काम के सिलसिले में बाहर गए हैं उन्हें भी बुलाकर मतदान करने की अपील की गई वहीं इस दौरान बीडीओ ने कहा कि मतदान आपका अधिकार है इसका अवश्य प्रयोग करें जिससे एक स्वच्छ प्रत्याशी का चयन हो और आप एक स्वच्छ सरकार बनाने में अपनी भूमिका निभायें वहीं इस दौरान पोटका के पीडीएस डीलरों द्वारा भी राशन कार्ड धारीयों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए संकल्प दिलाया गया और मतदान के दिन अवश्य मतदान करने की अपील की गई

सरकार एवं विभाग की ये नई प्रयोग नन्हें नन्हें बच्चों के जानलेवा साबित हो सकतीः करुणा मय मंडल

जादूगोड़ाः ये कैसी विडंबना है एक ओर सरकार सभी सरकारी गैर सरकारी विद्यालयों को प्रचंड गर्मी के कारण आज से छुट्टी घोषित कर दी है वंही सबसे छोटे बच्चों का प्रथम विद्यालय है आंगन बाड़ी केंद्र उसकी छुट्टी अभी तक घोषित नहीं कि गई है - जो समझ से परे है। 7:00 बजे से 10:30 बजे तक क्लॉस करके 10:30बजे के बाद जब ये नन्हें जान अपने घर के लिए प्रस्थान करेंगे तो आग के ये झुलस से ना कोई तौलिया बंचा सकता है और ना ही बच्चों की मां। मालूम रहे विभाग से निर्गत पत्र में सुरक्षा के दृष्टि कोण से ये नुक्सा बताई गई है। विभाग को ये पता होना चाहिए की आंगन बाड़ी केंद्र में गांव के गरीब मजदूरों के बच्चे पढ़ते हैं जिनके मां बाप दोनों ही काम पर जाते हैं ऐसे में 10:30 बजे के बाद आग बबुला धूप में उनके परिवार के कौन आयेंगे तौलिया लेकर उन्हें ढक कर ले जाने के लिए ? पोटका के पूर्व जिला पार्षद करुणा मय मंडल ने सरकार के उक्त निर्णय के कड़ा विरोध करते हुए बोले की ऐसी प्रचंड गर्मी में सरकार एवं विभाग की ये नई प्रयोग नन्हें नन्हें बच्चों के जानलेवा साबित हो सकती हैजिसका हम पूर्ण विरोध करते हैं साथ ही अन्यान्य विद्यालयों के साथ साथ आंगनबाड़ी केंद्रों की भी अवकाश अविलंब घोषित करने की मांग करते हैं। मंडल ने कहा जनहित से जुड़ी विशेष विषय होने के कारण चुनाव आयोग को गंभीरता पूर्वक त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए।

यूसील की नरवापहाड़ यूनिट से सहायक पद से सेवानिवृत्त हुए धर्मनाथ शर्मा

जादूगोड़ा : यूसील की नरवापहाड़ यूरेनियम प्रोजेक्ट के व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र के सहायक पद से धर्मनाथ शर्मा आज सेवानिवृत हो गए. वे 5 अप्रैल 1989 में यूसील के जादूगोड़ा में एल डी सी क्लर्क के रूप में योगदान दिया।बाद में उनका तबादला नरवा पहाड़ यूनिट कर दी गई। वे 35 साल 25 दिन कंपनी में अपनी सेवा देने के बाद आज रिटायर्ड हो गए.इधर इस मौके पर व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र में विदाई समारोह आयोजित की गई. इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि सह नरवा पहाड़ खान प्रबंधक शिव कुमार टिंपर्ड समेत विभागीय कर्मचारियों ने उन्हें विदाई दी व उपहार देकर सम्मानित किया.अपने संबोधन में खान प्रबंधक सह मुख्य अतिथि श्री टिंपर्ड ने धर्मनाथ शर्मा को एक ईमानदार छवि का व्यक्ति बताया व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. इसके अतिरिक्त जादूगोड़ा में बबन शर्मा समेत अन्य तीन कंपनी कर्मी सेवानिवृत हुए.समारोह का संचालन एस एन महतो ने की विदाई। ईस बिदाई समारोह में उपस्थित नरवा पहाड़ खान प्रबंधक शिव कुमार टिम्पर्ड , एस एन महतो, नर्सिंग, डी एन पंडित, एस के सिंह, अनुप भक्त,सीताराम, धनंजय सिंह, पात्रों समेत विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

भारत की तरफ आंख उठाकर देखने का साहस किसी के पास नहीं : गजेंद्र सिंह शेखावत

बिभा संवाददाता

जमशेदपूर : केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और केंद्रीय आदिवासी कल्याण सह केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा जमशेदपुर में एनडीए प्रत्याशी विद्युत वरण महतो के नामांकन में शामिल हुए। इस अवसर पर साकची में आयोजित विशाल जनसभा को उन्होंने संबोधित किया।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि पिछले 10 साल से नरेंद्र मोदी की सरकार काम कर रही है। इससे पहले यूपीए की सरकार मनमोहन सिंह के नेतृत्व में काम कर रही थी। यूपीए की सरकार के समय दो ही समाचार अखबार और टेलीविजन में आया करते थे। एक घोटाले का और दूसरा बम धमाके का। घोटाले ल्के चलते देश के बैंकों की हालत खराब थी। कच्चा तेल खरीदने का पैसा नहीं था। हमारे मंदिरों पर धमाके होते थे। एक दिन जम्मू के भगवान रघुनाथ के मंदिर पर धमाका होता था, तो दूसरे दिन तमिलनाडु में देवी मंदिर पर धमाका होता था? कभी गुजरात के अक्षर मंदिर में आतंकवादी हमला होता था, तो जयपुर में हनुमान मंदिर पर हमला होता था। इसके अलावा देश की आर्थिक गतिविधि के जितने केंद्र थे, वहां धमाके होते थे। हालात इतने बिगड़े हुए थे कि घर से जो व्यक्ति बाहर निकलता था, उसकी मां या पत्नी भगवान से प्रार्थना करती थी कि वह शाम को सही सलामत लौट आए। देश की सीमाएं असुरक्षित थी। देश के जवानों की गर्दन काट कर पाकिस्तान ले जाते थे। देश में इतनी कमजोर सरकार थी कि प्रतिकार नहीं कर पाती थी। बाहर निकलकर सिर्फ संवेदना के दो शब्द बोलती थी। चीन लगातार हमारे सीमा पर अतिक्रमण कर रहा था, लेकिन भारत की सेना के हाथ बंधे हुए थे। उन्हें छूट नहीं थी। देश हर मोर्चे पर विफल हो रहा था। बाहर भारत के कमजोर देशों की पहचान बन गई थी।

सिर्फ राम मंदिर ही नहीं बना है, रामराज्य की तरफ अग्रसर हैं : अर्जुन मुंडा

केंद्रीय आदिवासी कल्याण सह कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विचारों के साथ लंबी यात्रा पूरी करते हुए ऐसे राजनीतिक मुकाम पर पहुंची है, जिससे सभी लोग गद गद हैं।

उन्होंने कहा कि सिर्फ राम मंदिर ही नहीं बना है रामराज्य की तरफ अग्रसर हैं। हमने विकसित, समृद्ध और मजबूत भारत मनाने का संकल्प लिया है। भारत विश्व का नेतृत्व करेगा, यह ताकत पैदा करते हुए हम आगे बढ़ रहे हैं। आज यह स्थिति दिख रही है। विपक्ष जनता को इस्तेमाल कर सरकार बनाई, उसने कभी देश के विकास का काम नहीं किया। गरीब को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करने का काम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहा है। जनजातीय विकास की कई योजनाओं पर तेजी से कम हो रहा है किसने के विकास का काम भी बेहतर तरीके से किया जा रहा है। विपक्ष संविधान को कपड़ा समझती है। झूठ की राजनीति करती है। वह दुष्प्रचार कर रही है कि भारतीय जनता पार्टी सरकार में आएगी तो संविधान बदल देगी। अब उसके चरित्र का पदार्फाश हो गया है। उन्होंने कहा कि भूत की तो लोकसभा जीतो इस संकल्प के साथ कार्यकर्ता काम में लग जाए। भारतीय जनता पार्टी अपने पुरुषार्थ के बल पर जमशेदपुर में कमल खिलाने का काम करेगी।

400 पार में झारखंड की 14 सीटें भी शामिल होंगी : विद्युत वरण महतो

प्रत्याशी विद्युत वरण महतो कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ग की चिंता की। गरीबों को हर महीने मुक्त राशन दे रहे हैं। जमशेदपुर से भी लाखों लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। गरीबों को प्रधानमंत्री आवास का लाभ भी मिला है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चौमुखी विकास कर रहा है। अंतिम व्यक्ति से विकास की शुरूआत की। इस बार 400 पार में झारखंड के सभी 14 सीट भी शामिल होंगे। यह कार्यकर्ता के बदौलत संभव होगा।

13 मई को आप जरूर करें मतदान : डॉ वाघमारे

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 अंतर्गत मतदाता जागरूकता हेतु आज मंगलवार को नदिया हिंदू उच्च विद्यालय लोहरदगा में जिला प्रशासन और प्रतिभा केंद्र लोहरदगा के बीच फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। मैच का शुभारंभ जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण द्वारा फुटबॉल को किक मार कर किया गया। इसमें उपायुक्त ने सभी प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त किया और सभी पात्र मतदाताओं से आगामी 13 मई 2024 को लोहरदगा जिला में होनेवाले मतदान में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि आप स्वयं और अपने परिवार में सभी पात्र मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करें। 13 मई को लोहरदगा जिला में मतदान होना है। लोकतंत्र के इस महापर्व में आप सभी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।

उपायुक्त द्वारा सभी उपस्थित प्रतिभागियों, पदाधिकारियों व कर्मियों को मतदाता शपथ दिलायी गई। इस मौके पर उन्होंने जिला में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास को लेकर सभी का हौसला बढ़ाया।

कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, वरीय पदाधिकारी स्वीप कोषांग सीता पुष्पा, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाईक, जिला खेल पदाधिकारी उपवन बड़ा, नगर परिषद प्रशासक जयपाल सिंह, स्वीप के डिस्ट्रिक्ट आइकॉन राष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी अजिता कुमारी, रणजी क्रिकेट खिलाड़ी आशीष कुमार, राज्यस्तरीय क्रिकेट खिलाड़ी व प्रशिक्षक अमित कुमार समेत बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित थे।

स्वीप कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन ने नक्सल क्षेत्र में चलाया मतदाता जगरुक्ता अभियान

बिभा संवाददाता

लोहरदगाः स्वीप कार्यक्रम के तहत सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के नक्सल व सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाके का दौरा कर जिला प्रशासन के द्वारा चलाया गया मतदाता जगरुक्ता कार्यक्रम। लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के अलौदी पंचायत के विभिन्न गांव में भ्रमण करते हुए डीसी,एसपी, प्रशिक्षु एसपी सह थाना प्रभारी वेदांत शंकर अंचलाधिकारी राकेश कुमार तिवारी प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू ने आगामी लोकसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता चलाया गया। इस दौरान प्रखंड कर्मियों के अगुआई में डीसी डॉ0 बाघमारे प्रसाद एसपी हरीश बिन जमां ने अलौदी हेसवे,आरा पोड़िया टोली उरू चटकपुर सहित विभिन्न नक्सल प्रभावित गांव का भ्रमण कर मतदाता महिला पुरुष से संपर्क किया और लोगो को अपने अधिकार की पहचान करने की बात बताते हुए शत प्रतिशत मतदान करने का अपील ग्रामीण मतदाताओं से किया और लोगो मतदान जगरुक्ता पर प्रकाश डालने की सलाह दी गई।

यूसील के नए तकनीकी निर्देशक बने जादूगोड़ा ग्रुप ऑफ माइंस महाप्रबंधक मनोज कुमार

बिभा संवाददाता

जादूगोड़ा : यूसील के नए तकनीकी निर्देशक बने जादूगोड़ा ग्रुप ऑफ माइंस महाप्रबंधक मनोज कुमार. उनका चयन आज लोक उधम चयन बोर्ड में हुए साक्षात्कार के बाद इसकी घोषणा की गई इस साक्षात्कार में यूसील के तीन महाप्रबंधक - एम के सिंघई , चंचल मन्ना व मनोज कुमार समेत बाहर से अन्य 7 कंपनियों के अधिकारियों ने भाग लिया था, जिसमे जादूगोड़ा ग्रुप ऑफ माइंस के महाप्रबंधक मनोज कुमार की तकनीकी निर्देशक के पद हेतु चयन किया गया. यहां बताते चले कि यूसील के तत्कालीन तकनीकी निर्देशक राजेश कुमार अगले जून माह में रिटायर्ड हो जाएंगे.जिसकी जगह पर यूसील का अगला तकनीकी निर्देशक की जिम्मेदारी मनोज कुमार की अगले जुलाई माह से सौपी जाएगी। यहां बताते चले की नवनिर्वाचित तकनीकी निर्देशक मनोज कुमार जादूगोड़ा खान में मैनेजर के पद से अपनी कैरियर शुरू कर जीएम तक का सफर पूरा किया व अब यूसील नए तकनीकी निर्देशक के रूप में उनका चयन कर लिया गया.इनके इस चयन के बाद बधाईयो का कतार लग गया है।

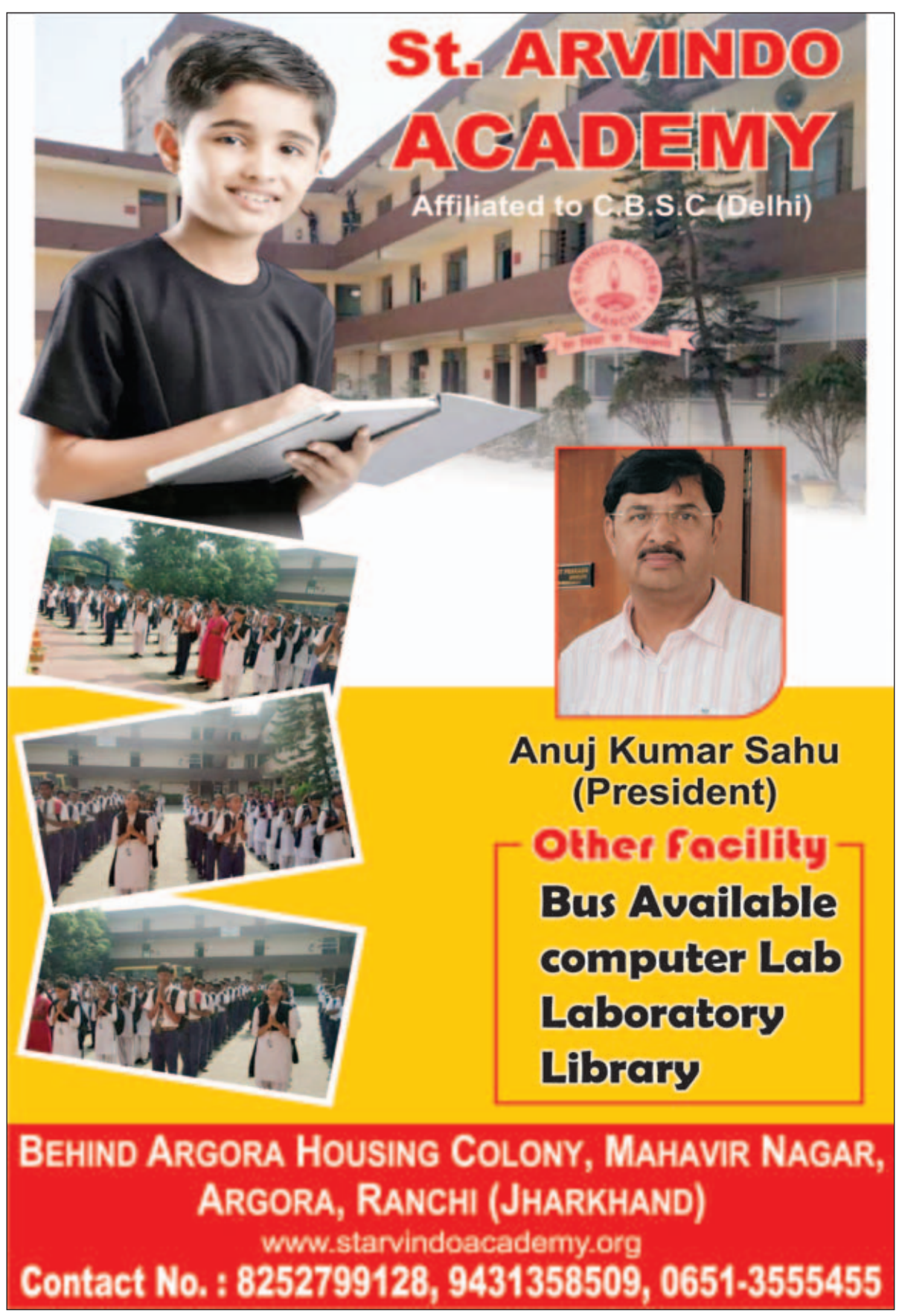

पांच हाथियों के मौत के मामले मे भारत सरकार ने निदेशक, महाप्रबंधक विधुत संचयन, सहायक विधुत अभियंता और कनीय विधुत अभियंता को बनाया है आरोपी

कृतिवास मंडल को दी गई जांच रिपोर्ट में हुई खुलासा

वन विभाग के अधिकारी या एक भी कर्मचारी दोषी नही,मिला क्लीन चीट

बिभा संवाददाता

जादूगोड़ाः पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत मुसाबनी वन क्षेत्र में दिनांक 21/11/ 2023 को हाई टेंशन विद्युत तार की चपेट में आने से पांच हाथियों की दर्दनाक मौत हो गई थी इस संबंध में आजसू पार्टी के जिला सचिव सह आरटीआई कार्यकर्ता संघ के केंद्रीय महासचिव कृतिवास मंडल के द्वारा पर्यावरण मंत्रालय वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो भारत सरकार नई दिल्ली में शिकायत दर्ज किया गया था तो जिसकी जांच अतुल चौधरी सहायक निदेशक वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो भारत सरकार नई दिल्ली को जांच कर कार्रवाई करने हेतु दिया गया था। कृतिवास मंडल को दी गई जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि 9 हाथियों का झुंड स्वर्ण रेखा नदी को पार कर ऊपर बांधा वन क्षेत्र में प्रवेश किया जहां दिनांक 21/11/2023 की रात्रि में हाई टेंशन विद्युत प्रवाह 33000 किलोवाट के तार के संपर्क में आने से नौ हाथियों के झुंड में से पांच हाथियों की मौत मौके पर ही हो गई थी .वन्य जीव अपराध प्रकरण के तहत मामला को पंजीबद्ध किया गया है जिसमें निम्नलिखित व्यक्तियों को आरोपी बना कर जांच में लिया गया है पहला-निर्देशक हिंदुस्तान ताम्र परियोजना (लउछ)घाटशिला दूसरा-महाप्रबंधक विद्युत संचयन हिंदुस्तान ताम्र परियोजना घाटशिला तीसरा-सहायक विद्युत अभियंता घाटशिला विधुत विभाग चौथा- कनिय विद्युत अभियंता मुसाबनी विद्युत विभाग को आरोपी बनाया गया है । वही वनविभाग के अधिकारी और एक भी कर्मचारी को दोषी नही बनाया गया ।जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि वन विभाग द्वारा दर्ज प्रकरण माननीय न्यायालय में विचाराधीन है तथा वन विभाग द्वारा इस प्रकरण की सतत जांच अब भी जारी है।

आरोपीयों पर अविलंब प्राथमिकी दर्ज किया जायः कृतिवास मंडल

आजसू पार्टी के जिला सचिव सह आरटीआई कार्यकर्ता संघ के केन्द्रीय महासचिव कृतिवास मंडल ने कहा कि पांच माह बीत जाने के पश्चात भी अब तक आरोपीयों पर सरकार के द्वारा कार्रवाई नहीं करना कहीं ना कहीं मामले को लीपापोती कर ठंडे बस्ते में डाल देना चाहती है मंडल ने कहा कि आरोपीयो पर प्राथमिकी दर्ज अविलंब करते हुए पांच हाथियों के मौत पर जितनी सरकारी राशियों की क्षतिपूर्ति हुई है ब्याज सहित राशि की वसूली कर राजकोष में जमा किया जाय ।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू** *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com